राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 233

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, बुधवार, 31 जनवरी, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

चीन से डरने की जरूरत नहीं, प्रतिस्पर्धी खेल है वैश्विक राजनीति

>>3

जागरण विशेष

बंदियों को आत्मनिर्भर बना रही 'जेल की रोटी'

कानपुर : कानपुर जिला जेल में खोले गए बंदी रसोई काउंटर को अब विस्तार दिया जा रहा है। जल्द ही ई-कामर्स कंपनियां जेल की रोटी घरों तक पहुंचाएंगी।

● पेज-7

संपादकीय

आगे की राह दिखाए अंतरिम बजट : एक फरवरी को होने वाली बजट घोषणाओं से वह मंशा और दिशा अवश्य स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिए हम कौन सी राह पकड़ने वाले हैं। **तरुण गुप्त** का आलेख।

स्याह दिखने लगा कांग्रेस का भविष्य : अगर विपक्षी मोर्चा आइएनडीआइए बिखरता है तो उसका सबसे अधिक राजनीतिक नुकसान कांग्रेस को ही होगा। **राजकुमार सिंह** का विश्लेषण।

● पेज-8

विमर्श

नियमन से निखरेगी कृत्रिम बुद्धिमत्ता : अगर समय रहते एआइ को अनुशासित नहीं किया गया तो यह काफी खतरनाक साबित हो सकती है। अरविंद कुमार मिश्रा का विश्लेषण।

सबके हित में परीक्षा पे चर्चा : 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम केवल स्कूल और कालेज के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, अपितु प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है। डा. वेदप्रकाश का दृष्टिकोण। ● पेज-9

सप्तरंग

सेहत भरे जीवन का

बेहतर जीवनशैली जोखिम से रखेगी दूर

बदलते मौसम में संक्रमण से रहें सतर्क

● पेज-13

न्यूज गैलरी

राजनीति ▸ पृष्ठ 4

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भाजपा उम्मीदवार की जीत

चंडीगढ़ : लंबे इंतजार के बाद मंगलवार को हुए चंडीगढ़ नगर निगम के चुनाव में भाजपा ने मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पदों पर जीत दर्ज की। भाजपा प्रत्याशी मनोज सोनकर बहुमत वाले आप-कांग्रेस गठबंधन के साझे उम्मीदवार कुलदीप कुमार को हराकर मेयर बने।

राष्ट्रीय फलक ▸ पृष्ठ 7

राजस्थान की शिक्षण संस्थाओं में हिजाब पर लगेगी रोक

जयपुर : राजस्थान के स्कूलों और मदरसों में हिजाब पर प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जा रहा है। इसको लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में सभी छात्र-छात्राओं को तय ड्रेस पहनकर आने के नियम का सख्ती से पालन होगा।

सभी निलंबित सांसद होंगे बहाल, बजट सत्र आज से

सरकार ने किया विपक्ष के साथ खटास खत्म करने का फैसला, कल पेश होगा अंतरिम बजट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सरकार के अनुरोध पर दोनों सदनों के 14 सदस्यों का निलंबन रद करने का फैसला
- नौ फरवरी तक चलेगा बजट सत्र, आज होगा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अभिभाषण

संसद का बजट सत्र बुधवार से प्रारंभ हो रहा है। इससे पहले सरकार ने विपक्षी दलों के साथ पिछले सत्र में पैदा हुई खटास को खत्म करने की दिशा में बड़ी पहल की है। इसके तहत उन 14 विपक्षी सदस्यों का निलंबन खत्म करने का एलान किया गया है, जिन्हें अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई का प्रस्ताव विशेषाधिकार समिति को भेज दिया गया था। संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि लोकसभा के स्पीकर और राज्यसभा के सभापति ने इस संबंध में सरकार के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, उनकी अब तक की निलंबन अवधि को ही सजा मान लिया गया है और उन्हें बजट सत्र में शामिल होने का अधिकार मिल गया है।

संसद के पिछले सत्र के दौरान सदन में हंगामा करने के कारण 146 सदस्यों को निलंबित किया गया था। इनमें 100 लोकसभा और 46 राज्यसभा के थे। इनमें से 14 सदस्यों (11 राज्यसभा एवं तीन लोकसभा के) को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई का प्रस्ताव विशेषाधिकार समिति को भेज दिया गया था। लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने खेद जताने पर कांग्रेस के तीनों सांसदों अब्दुल खालिक, के. जयकुमार एवं विजय वसंत का निलंबन खत्म करने की सिफारिश की। जबकि राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति ने 11 सदस्यों को विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का दोषी पाया था, लेकिन सभापति जगदीप धनखड़ ने उनका निलंबन रद कर दिया। बाकी 132 सांसदों को सिर्फ सत्रभर के लिए निलंबित किया गया था। सरकार ने महसूस किया कि निलंबन के कारण ये सदस्य नए संसद भवन में बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का पहला अभिभाषण नहीं सुन सकेंगे। इसलिए निलंबन वापसी का फैसला किया गया। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का यह अंतिम सत्र है। ऐसे में सरकार सारी तल्खियां और खटास यहीं छोड़ना चाहती है।

10 दिन के सत्र में होंगी आठ बैठकें

संसद का यह सत्र 10 दिनों का होगा जो नौ फरवरी तक चलेगा। इसमें कुल आठ बैठकें प्रस्तावित हैं। 31 जनवरी को राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा, जो दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। एक फरवरी को सरकार अपना अंतरिम बजट पेश करेगी। चुनाव के बाद नई सरकार पूर्ण बजट पेश करेगी। प्रल्हाद जोशी ने बताया कि बजट सत्र के लिए सरकार का कोई विधायी एजेंडा नहीं है और उसका जोर राष्ट्रपति के अभिभाषण, धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा, अंतरिम बजट की प्रस्तुति एवं जम्मू-कश्मीर के बजट पर होगा। उन्होंने चुटीले अंदाज में कहा, 'उन्होंने (विपक्षी दलों ने) सुझाव दिए थे, चूंकि यह वर्तमान लोकसभा का आखिरी सत्र है, इसलिए हमने कहा कि हम उन्हें अगले सत्र में अवसर देंगे।'

संसद के बजट सत्र से पूर्व मंगलवार को सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी, राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी एवं अन्य। एएनआइ

प्रमोद तिवारी ने उठाया किसानों की आय का मुद्दा

सर्वदलीय बैठक में शामिल कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, 'जिस तरह से आर्थिक रूप से देश को बर्बाद किया जा रहा है, मैंने वो मुद्दा उठाया। इसके साथ ही राहुल गांधी की न्याय यात्रा पर असम सरकार की ओर से जिस तरह से हिंसक हमला करवाया गया था, इस पर भी चर्चा की गई।' उन्होंने कहा कि इस सरकार को लगभग 10 वर्ष हो गए। किसान की आय दोगुनी होना तो दूर, लागत निकाल पाना मुश्किल हो रहा है। इसी तरह सरकार अपने सभी विरोधियों पर ईडी, सीबीआइ व इनकम टैक्स की जो रेड करा रही है, वह शर्मनाक और लोकतंत्र के विरुद्ध है।

सर्वदलीय बैठक में सभी मुद्दों पर चर्चा का भरोसा

सरकार ने मंगलवार को संसद के दोनों ही सदनों के सुचारु संचालन को लेकर सभी प्रमुख दलों के नेताओं के साथ बैठक भी की। सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता लोकसभा के उपनेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। बैठक में सरकार ने विपक्ष को सभी मुद्दों पर नियमों के तहत चर्चा का भरोसा दिया। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि बैठक में शामिल दलों से कहा गया कि उन्हें उस फैसले का पालन करना चाहिए जिसके तहत सदस्यों को सदन में तख्तियां या उस तरह की कोई वस्तु नहीं लानी चाहिए।

लोस चुनाव के लिए सपा के 16 उम्मीदवार घोषित

लखनऊ : समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए में शामिल रालोद को सात व कांग्रेस को 11 लोकसभा सीटें देने के बाद मंगलवार को अपने 16 प्रत्याशियों की पहली सूची भी जारी कर दी। पार्टी ने मैनपुरी से सांसद डिम्पल यादव को टिकट दिया है। (पेज-4)

तेजस्वी से ईडी ने की आठ घंटे तक पूछताछ

पटना : जमीन के बदले नौकरी घोटाले में ईडी ने राजद के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से लगभग आठ घंटे तक पूछताछ की। तीसरे समन के बाद तेजस्वी यादव मंगलवार को सुबह करीब 11.15 बजे अपने आवास से निकले और बैंक रोड स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे थे। (पेज-6)

पाक के पूर्व पीएम इमरान खान को 10 वर्ष की सजा

इस्लामाबाद : पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। जेल में बंद इमरान खान और उनके सहयोगी पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक करने के आरोप में 10-10 साल की सजा सुनाई गई है। (पेज-11)

भाजपा नेता की हत्या में 15 पीएफआइ सदस्यों को मृत्युदंड

भाजपा नेता रंजीत श्रीनिवासन हत्याकांड में मंगलवार को केरल के अलप्पुझा में न्यायालय से मृत्युदंड पाने वाले पीएफआइ सदस्यों को जेल ले जाते पुलिसकर्मी। प्रेट्र

- 2021 में घर में घुसकर ओबीसी मोर्चा के प्रदेश सचिव श्रीनिवासन को मार डाला था
- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा- महान शहीद को आज आखिरकार न्याय मिला

अलप्पुझा (केरल), प्रेट्र : भाजपा नेता रंजीत श्रीनिवासन के हत्यारों प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) के 15 सदस्यों को केरल की एक अदालत ने मंगलवार को मौत की सजा सुनाई। 19 दिसंबर 2021 की रात को केरल में भाजपा ओबीसी मोर्चा के तत्कालीन प्रदेश सचिव श्रीनिवासन की घातक हथियारों से लैस हमलावरों ने उनके घर में घुसकर परिजनों के सामने ही गला रेतकर हत्या कर दी थी।

अलप्पुझा की अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत ने बीते 20 जनवरी को इन सभी को दोषी ठहराया था। मामले में दोषी करार दिए गए लोगों में नईसम, अजमल, अनूप, मुहम्मद असलम, अब्दुल कलाम, सरफुद्दीन, मनशाद, जसीब राजा, नवास, समीर, नसीर, सकीर हुसैन, शाजी, शेरनस अशरफ और अब्दुल कलाम हैं। ये सभी पीएफआइ और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया (एसडीपीआइ) से जुड़े हुए थे। एडीजे वीजी श्रीदेवी ने इस संवेदनशील मामले की सुनवाई की थी। अभियोजन ने सभी दोषियों को अधिकतम सजा देने की मांग की थी जबकि बचाव पक्ष ने कहा था कि यह मामला रेयर आफ द रेयरेस्ट की श्रेणी में नहीं आता, लिहाजा अधिकतम सजा नहीं दी जा सकती है।

अदालत ने कहा

सभी दोषियों को मौत की सजा देना पूरी तरह उचित है। सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जघन्य अपराध को कंफर्ट जोन यानी पीड़ित के घर में ही उसकी मां, पत्नी और नाबालिग बच्चे की उपस्थिति में अंजाम दिया गया। यह सबकुछ अपराध की क्रूरता को दर्शाता है।

फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्रीनिवासन के परिवार ने कहा कि वे इससे संतुष्ट हैं। श्रीनिवासन की पत्नी ने कहा कि हम घटना की ईमानदारी से जांच करने के लिए जांच अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने कहा कि आखिरकार सत्य की जीत हुई। महान शहीद श्रीनिवासन को आज न्याय मिला है।

दो दशकों में निचली अदालतों की ओर से दी गई मौत की सजाएं पेज>>6

'लुकाछिपी' के बाद रांची पहुंचे हेमंत, आज होगी पूछताछ

राज्य ब्यूरो, रांची

- झारखंड के सीएम ने सत्ता पक्ष के विधायकों के साथ की बैठक, पत्नी कल्पना भी रहीं मौजूद
- महागठबंधन के विधायकों ने कहा- हम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ, हर परिस्थिति में रहेंगे एकजुट

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची जमीन घोटाले मामले में सोमवार को दिल्ली में ईडी से 'लुकाछिपी' के बाद मंगलवार को रांची में नजर आए। मुख्यमंत्री ने दोपहर बाद अपने रांची स्थित सरकारी आवास में महागठबंधन के विधायकों के साथ बैठक की। जब लोग सीएम के हवाई या सड़क मार्ग से रांची पहुंचने का इंतजार कर रहे थे, उस वक्त वह अपने निजी आवास से कार से निकलकर सरकारी आवास में विधायकों के साथ बैठक करने पहुंच चुके थे। एक अहम घटनाक्रम में इस बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। वह पहली बार किसी राजनीतिक बैठक में उपस्थित थीं। इसके साथ ही इस बात की भी चर्चा फिर तेज हो गई कि विपरीत परिस्थिति आने पर हेमंत सोरेन इस्तीफा देकर कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बना सकते हैं। बैठक के बाद हेमंत बापू वाटिका गए और वहां महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उनके साथ सत्तारूढ़ दलों के विधायक भी थे। यहां विधायकों ने हेमंत के नेतृत्व के प्रति भरोसा जताया और कहा कि हर परिस्थिति में हम एकजुट हैं।

रांची में मंगलवार को मंत्रियों एवं विधायकों के साथ बैठक के दौरान झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन। इस बैठक में हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन (बाएं से दूसरी) भी उपस्थित रहीं। प्रेट्र

ईडी का सामना करने की तैयारी में जुटे सीएम : मुख्यमंत्री अब ईडी की बुधवार को प्रस्तावित पूछताछ की तैयारी में जुट गए हैं। मंगलवार को दोपहर एक बजे उन्होंने ईडी के अधिकारियों को पूछताछ के लिए अपने आवास पर बुलाया है। सीएम आवास में हेमंत से ईडी की पूछताछ का यह दूसरा मौका होगा। इससे पूर्व 20 जनवरी को ईडी ने उनसे इसी मामले में करीब सात घंटे तक पूछताछ की थी।

सड़क मार्ग से देर रात रांची पहुंचने की चर्चा

सीएम सोरेन कब और कैसे रांची पहुंचे, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वह सोमवार को दिल्ली से सड़क मार्ग से इनोवा कार से रवाना हुए। बताया जा रहा है कि उनके साथ दो सुरक्षा पदाधिकारी भी थे। सोमवार मध्यरात्रि वह झारखंड के गढ़वा जिला होते हुए रांची स्थित अपने आवास पहुंच चुके थे। गढ़वा से रांची की दूरी करीब 206 किमी है। प्रेट्र के अनुसार इस यात्रा में हेमंत सोरेन ने कुल करीब 1,295 किमी की दूरी तय की।

दिल्ली में ईडी ने बरामद किए 36 लाख, कार भी जब्त पेज>>6

ज्ञानवापी की सर्वे रिपोर्ट वादमित्र को देने का आदेश

वाराणसी : वाराणसी स्थित ज्ञानवापी में हुए एएसआइ के सर्वे की रिपोर्ट की प्रति स्वयंभू विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की ओर से 1991 में दाखिल मुकदमे के वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी व अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद को सौंपी जाएगी। सिविल जज (सीनियर डिवीजन) फास्ट ट्रैक प्रशांत कुमार सिंह की अदालत ने मंगलवार को यह आदेश दिया। (पेज-5)

नौसेना समुद्री लुटेरों से छुड़वाए 19 पाकिस्तानी

नई दिल्ली : भारतीय नौसेना के युद्धपोत आइएनएस सुमित्रा ने सोमालिया के पूर्वी तटीय क्षेत्र में एक और ईरानी ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाज को अपहरणकर्ताओं से छुड़वाया। जहाज पर सवार चालक दल के सभी 19 लोग पाकिस्तानी थे। कुछ ही घंटों में नौसेना ने दो सफल कार्रवाइयां कीं। (पेज-11)

नक्सलियों से मुठभेड़, तीन जवान बलिदान

नईदुनिया, जगदलपुर

- छत्तीसगढ़ में तलाशी अभियान पर निकले थे जवान, 14 घायल
- मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों के भी मारे जाने व कुछ के घायल होने की सूचना

छत्तीसगढ़ में सुकमा व बीजापुर के सीमावर्ती क्षेत्र टेकलगुड़ेम गांव में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच मंगलवार को हुई मुठभेड़ में तीन जवान बलिदान तथा 14 घायल हो गए। मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों के भी मारे जाने व घायल होने की सूचना है।

सुरक्षा बल ने इलाके में मंगलवार को ही नवीन सुरक्षा कैंप स्थापित किया था। कैंप स्थापना के बाद जोनागुड़ा-अलीगुड़ा क्षेत्र में तलाशी ले रहे सीआरपीएफ की कोबरा बिंग, स्थानीय पुलिस (एसटीएफ) और डिस्ट्रक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों पर नक्सलियों ने फायरिंग की। चार घंटे तक चली मुठभेड़ में नक्सलियों ने बैरल ग्रेनेड लांचर से भी हमला किया। घायल जवानों को इलाज के लिए रायपुर एयरलिफ्ट किया गया है। बलिदान हुए जवानों में आरक्षक देवन सी., पवन कुमार और लाम्बधर सिन्हा शामिल हैं।

कुख्यात नक्सली हिड़मा के गढ़ में अभियान : टेकलगुड़ेम में तीन अप्रैल 2021 को नक्सलरोधी अभियान पर गए सुरक्षा बल पर नक्सलियों ने हमला किया था। हमले में 23 जवान बलिदान हुए थे व एक जवान राकेश्वर मन्हास का नक्सलियों ने अपहरण कर लिया था। इसके बाद उसे छोड़ दिया था। टेकलगुड़ेम नक्सलियों के सबसे खतरनाक बटालियन नंबर एक का प्रभाव वाला क्षेत्र है, जिसका कमांडर कुख्यात नक्सली हिड़मा है। टेकलगुड़ेम से चार किमी दूरी पर स्थित पूर्वती हिड़मा का गृहग्राम है। सुरक्षा बल एक माह से इस क्षेत्र में सघन अभियान चला रहे हैं। दो दिन पहले डीजीपी अशोक जुनेजा भी बस्तर पहुंचे थे, जिसके बाद अभियान को तेज किया गया।

वर्ष 2021 में टेकलगुड़ेम में सुरक्षा बल के पहुंचने पर हुई मुठभेड़ में भारी क्षति हुई थी। इसके बाद वहां कैंप स्थापित करने का काम सुरक्षा बल ने किया है। जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाने देंगे। -सुंदरराज पी., पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज

छत्तीसगढ़ में सुकमा व बीजापुर के सीमावर्ती क्षेत्र टेकलगुड़ेम में मंगलवार को नक्सलियों से मुठभेड़ के बाद उपचाराधीन घायल जवान। प्रेट्र

संभावना

चुनाव से पहले देश की आधी आबादी को साधने की सरकार की तैयारी, शिक्षा, स्वास्थ्य व उन्हें सशक्त बनाने से संबंधित कुछ अहम घोषणाएं संभव

अंतरिम बजट में नारी शक्ति की हो सकती है जयकार

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

96 करोड़ कुल मतदाता देश में, इनमें से 47 करोड़ महिलाएं

- हाल के चुनावों में महिलाओं में मतदान के प्रति रुझान बढ़ा
- कई राज्यों के चुनावों में वोटिंग में महिलाएं रहीं हैं आगे

देश की नारी शक्ति को लगातार बढ़ाने में जुटी मोदी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल के आखिरी बजट (अंतरिम बजट) में नारी शक्ति के लिए कुछ बड़े एलान कर सकती है। सरकार ने इसे लेकर सभी मंत्रालयों के साथ मंत्रणा की है। फिलहाल जो जानकारी निकलकर सामने आ रही है, उसके तहत महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य व उन्हें सशक्त बनाने से संबंधित कुछ अहम घोषणाएं की जाने वाली हैं।

यह अहम इसलिए भी है क्योंकि मोदी सरकार का ध्यान पिछले कुछ समय से महिलाओं को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। इसको लेकर सरकार ने कई अहम कदम उठाए हैं। नए संसद भवन की पहली बैठक में महिलाओं को लोकसभा व विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून पारित कराकर इस दिशा में एक बड़ा आगाज किया गया था। इतना ही नहीं, गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर निकाली गई भव्य परेड का फोकस नारी शक्ति ही था, जहां देश की महिलाओं ने प्रत्येक मोर्चे पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था।

सूत्रों की मानें तो चुनाव से पहले देश की आधी आबादी को साधने के लिए बजट में उनके लिए कुछ अहम एलान को लेकर मोदी सरकार पिछले काफी समय से तैयारी में जुटी हुई है। इसके चलते ही इस बजट को अंतरिम बजट की तरह न लेते हुए पूर्ण बजट के रूप में लाने की तैयारी है।

चुनावों के नजरिए से देखें तो पिछले चुनावों में महिलाओं की जिस तरह से भागीदारी बढ़ी है, उसके मद्देनजर देश की आधी आबादी को यूं ही छोड़ा नहीं जा सकता है। चुनाव आयोग की ओर से हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा समय में देश में 96 करोड़ से अधिक मतदाता है। इनमें अकेले 47 करोड़ महिलाएं हैं, जबकि 48.99 करोड़ पुरुष मतदाता हैं। खास बात यह है कि हाल के चुनावों में महिलाओं ने वोटिंग को लेकर खास रुझान दिखाया है। कई राज्यों में तो मतदान में हिस्सा लेने के मामले में वह पुरुषों से भी आगे रही हैं।

प्रतीकात्मक

****

मालदीव में विपक्ष का आग्रह, मोदी से माफी मांगें मुइज्जू

माले : भारत का विरोध और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अपमान मालदीव की राजनीति में भूचाल ला चुका है। इसी क्रम में विपक्षी दल मालदीव जम्हूरी पार्टी (जेपी) के नेता कासिम इब्राहिम ने मालदीवी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को औपचारिक रूप से पीएम मोदी और भारत की जनता से माफी मांगने को कहा है। (पेज-11)

दुनिया में पहली बार इंसान के दिमाग में लगाई गई चिप

न्यूयार्क : रविवार को दुनिया में पहली बार इंसान के दिमाग में चिप लगाई गई है। न्यूरालिंक कंपनी के संस्थापक और अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने दावा किया है कि प्रयोग सफल रहा है। मरीज के दिमाग में लगे चिप को दिमाग की कोशिका से सीधे संकेत प्राप्त कर जानकारी रिले करने के लिए डिजाइन किया गया है। (पेज-14)

मवेशी चराने से रोकने पर लद्दाखियों ने चीनी सैनिकों को खदेड़ा

राज्य ब्यूरो जम्मू

- चीनी सैनिकों को पत्थर फेंक कर भगाया, भारत माता की जय के नारे भी लगाए
- पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चेहरा गांव में दो जनवरी की घटना, पार्षद ने प्रसारित किया वीडियो

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब एक बार फिर तनाव दिखा है, लेकिन इस बार चीनी सैनिकों को लद्दाखी चरवाहों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। हुआ यूं कि अपने गांव चेहरा में मवेशियों को चरा रहे लद्दाखियों को चीनी सैनिकों ने रोका। इस पर लद्दाखी चरवाहों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। इसके साथ उन्हें रोकने का प्रयास कर रहे चीनी सैनिकों पर पत्थर फेंककर खदेड़ दिया। इस घटना का दावा करते हुए चुशुल के स्थानीय पार्षद कौंचूक स्टैनजिन ने मंगलवार को एक वीडियो प्रसारित किया है। पार्षद ने कहा कि यह घटना दो जनवरी को पेट्रोलिंग प्वाइंट (पीपी) 35 और 36 के पास हुई है। बता दें कि इससे पहले 2019 को भी चीनी सैनिकों ने चरवाहों को रोकने की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने तब वहां पर अपने क्षेत्र में तंबू गाड़ दिए थे।

इस घटना के बारे में संबंधित अधिकारियों से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में गलवन की घटना के बाद से भारतीय सेना यहां लगातार मजबूत हो रही है। इसी का परिणाम है कि स्थानीय लोगों के हौसले भी बुलंद हैं।

पार्षद ने एक्स पर किया पोस्ट पेज>>13

50 से अधिक अतिथि शिक्षकों को शिक्षा निदेशालय ने इतिहास और गणित विषय के पीजीटी पद पर दोबारा से स्कूल आवंटित किए हैं। इन्हें सात दिनों में आवंटित स्कूलों में रिपोर्ट करने के निर्देश दिए हैं। ऐसा नहीं करने पर छह माह के लिए उनकी आइडी बंद कर दी जाएगी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 31 जनवरी, 2024

आज का मौसम

सामान्यतया बादल छाए रहेंगे।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
31 जनवरी	19.0	10.0
1 फरवरी	20.0	10.0
नोएडा		
31 जनवरी	20.0	12.0
1 फरवरी	19.0	09.0
गुरुग्राम		
31 जनवरी	20.0	10.0
1 फरवरी	20.0	09.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

अपराध की आय के उपयोग में शामिल थीं जैक्लिन : ईडी

नई दिल्ली : दो सौ करोड़ रुपये की ठगी से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में हलफनामा दाखिल कर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली हाई कोर्ट में कहा कि बालीवुड अभिनेत्री जैक्लिन फर्नांडीज जानबूझकर ठग सुकेश चंद्रशेखर के अपराध की आय लेने और उसके उपयोग में शामिल थीं। ईडी ने दावा किया कि फर्नांडीज ने कभी भी चंद्रशेखर के साथ वित्तीय लेनदेन के बारे में सच्चाई नहीं बताई और सुबूत मिलने तक हमेशा तथ्यों को छुपाया है। जैक्लिन ने चंद्रशेखर की गिरफ्तारी के बाद अपने मोबाइल फोन से सारा डेटा मिटा दिया और इस तरह से सुबूतों के साथ छेड़छाड़ हुई। (जासं)

जेएनयूटीए ने यूजीसी के दिशानिर्देश पर जताया विरोध

नई दिल्ली : जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (जेएनयूटीए) ने यूजीसी की ओर से उच्च शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक भर्ती के लिए तैयार किए गए नए दिशानिर्देशों का विरोध किया है। कहा कि यूजीसी ने भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के लिए अपने मसौदा दिशानिर्देशों में एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को रद करने का रास्ता खोल दिया है। दिशानिर्देशों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में संवैधानिक रूप से अनिवार्य आरक्षण को पूरा करने के तरीकों को मजबूत करने के बजाय, अनारक्षित करने के लिए मनमाने, अवैध और असंवैधानिक तरीके सुझाने का विकल्प चुना है। (जासं)

अमृत उद्यान घूमेंगे सरकारी स्कूल के विद्यार्थी

नई दिल्ली : राजधानी के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को राष्ट्रपति भवन में स्थित अमृत उद्यान घूमने का मौका मिलेगा। शिक्षा निदेशालय ने सातवीं और आठवीं के विद्यार्थियों को अमृत उद्यान घुमाने को लेकर दिशानिर्देश जारी किए हैं। अमृत उद्यान दो फरवरी से 31 मार्च तक आम लोगों के लिए खोला जाएगा। (जासं)

कोहरे से निजात नहीं, आज से तेज हवा के साथ वर्षा

मौसम का मिजाज ▸ जनजीवन रहा प्रभावित, एयरपोर्ट पर दृश्यता रही बेहद कम

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मौसमी उतार चढ़ाव के बीच मंगलवार को भी दिल्ली को ठंड और कोहरे से निजात नहीं मिली। सुबह दिल्ली कोहरे की चादर से ढकी रही तो दिनभर आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर में हल्की धूप खिली तो ठिठुरन कुछ कम हुई। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बुधवार से मौसम करवट लेगा।

मंगलवार को दिन की शुरुआत घने कोहरे से हुई। एयरपोर्ट ही नहीं, दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में दृश्यता का स्तर बहुत ही कम रिकार्ड किया गया। इससे जनजीवन भी प्रभावित हुआ। आइजीआइ एयरपोर्ट पर सुबह साढ़े पांच बजे दृश्यता का न्यूनतम स्तर सिर्फ 50 मीटर दर्ज हुआ। एक दिन पहले यह 200 मीटर तक रहा था। कोहरे के असर से मंगलवार को 100 से अधिक ट्रेनें घंटों विलंब से दिल्ली पहुंची और 26 ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव करना पड़ा।

वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 53 उड़ानों में विलंब रहा। 33 उड़ानों ने देरी से प्रस्थान किया, तो 20 उड़ानों का देरी से आगमन हुआ। घरेलू उड़ानों की बात की जाए, तो 209 उड़ानों में विलंब हुआ। एयरपोर्ट से जाने के क्रम में 137 व एयरपोर्ट पर आने के क्रम में 72 उड़ानों को देरी हुई।

घने कोहरे के चलते वाराणसी, देहरादून, पूणे, चंडीगढ़, जयपुर, पटना, बेंगलुरु, देवघर, रांची और अहमदाबाद की उड़ानों को रद किया गया।

हवा में नमी का स्तर 100 से 64 प्रतिशत रहा। जाफरपुर दिल्ली का सबसे ठंडा इलाका रहा, जहां का अधिकतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से बुधवार को सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। सुबह मध्यम से घना कोहरा होगा। शाम या रात के समय 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज झोंकेदार हवा के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है। गुरुवार और शनिवार को भी हल्की वर्षा का दौर जारी रहने के आसार हैं।

मंगलवार को नई दिल्ली में ठंड और कोहरे का यह नजारा दिखा। एपी

11 साल में तीसरी सबसे ठंडी रही यह जनवरी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : इस बार की जनवरी 11 साल में तीसरी सबसे ठंडी रही है। पिछले पांच साल के दौरान खासतौर पर जनवरी में ठंडक बढ़ी है। इस वर्ष जनवरी का औसत अधिकतम तापमान 17.7 डिग्री रहा है। पूरे माह में केवल तीन दिन 15, 16 और 28 तारीख को ही अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज हुआ। इससे पूर्व जनवरी 2022 में यह 17.5 और 2015 में 17.8 डिग्री दर्ज किया गया था। आंकड़ों पर नजर डालें तो पांच सालों में जनवरी का अधिकतम तापमान 26 डिग्री से ऊपर नहीं गया।

टूटा रिकार्ड, आठ साल में सर्वाधिक प्रदूषित रही इस साल की जनवरी

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

- एक भी दिन नहीं मिली साफ हवा, 27 दिन दर्ज की गई 'बहुत खराब' श्रेणी में
- 2016 के बाद इस माह का औसत एक्यूआइ भी रहा सबसे ज्यादा 354

2024 की जनवरी में दिल्लीवासियों ने कड़ाके की सर्दी ही नहीं झेली, पिछले वर्षों की तुलना में कहीं अधिक प्रदूषित हवा में भी सांस ली है। न केवल 'बहुत खराब' श्रेणी के एयर इंडेक्स वाले दिन बढ़ गए बल्कि एक भी दिन 'मध्यम' और 'संतोषजनक' श्रेणी की हवा नहीं मिली। माह का औसत एयर इंडेक्स भी जनवरी 2016 के बाद सबसे ज्यादा दर्ज किया गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक इस साल जनवरी में दो दिन दिल्ली का एक्यूआइ 400 से ऊपर यानी 'गंभीर' श्रेणी में रहा। 27 दिन 300 से 400 के बीच यानी 'बहुत खराब' जबकि एक दिन 200 से 300 के बीच यानी 'खराब' श्रेणी में दर्ज हुआ। किसी भी दिन एयर इंडेक्स 200 से नीचे नहीं गया। सीपीसीबी ने मई 2015 से एयर इंडेक्स मापना शुरू किया था, तब से अब तक इस साल दूसरी सबसे प्रदूषित जनवरी रही है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस बार सर्दियों का पूरा सीजन ही कहीं ज्यादा प्रदूषित रहा है। अक्टूबर से जनवरी तक मंगलवार को 102वां दिन था, जब दिल्ली का एक्यूआइ लगातार 'खराब', 'बहुत खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में रहा है।

मंगलवार को दिल्ली का एक्यूआइ समग्र तौर पर 357 रहा। इस स्तर की हवा को 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले सोमवार को यह 356 था। पांच इलाकों का एक्यूआइ 400 से ज्यादा यानी 'गंभीर' श्रेणी में रहा।

> कड़वा सच यही है कि हम दिल्ली में प्रदूषण के आंतरिक और बाहरी स्रोतों की मात्रा नियंत्रित करने में विफल रहे हैं। इस दिशा में न सिर्फ एनसीआर बल्कि मैदानी क्षेत्रों के सभी राज्यों के लिए तुरंत गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। वास्तव में भारत जैसे देश, जहां सर्दियों में सीमित वर्षा होती है, पार्टिकुलेट मैटर को मापना अथवा निगरानी करना बेकार है। इससे अधिक जरूरी प्रदूषण की रोकथाम के उपाय करना है।
>
> **-डा. दीपांकर साहा, पूर्व अपर निदेशक, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी)**

जिओ टैगिंग में खास सफलता नहीं, बढ़ाई गई समयसीमा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली नगर निगम को संपत्तियों की जिओ टैगिंग करने में कोई खास सफलता नहीं मिली है। निगम अभी तक मात्र एक लाख ही संपत्तियों की जिओ टैगिंग करा पाया है। इतनी कम संख्या में जिओ टैगिंग होने की वजह से निगम ने इसकी प्रक्रिया को पूरा करने की समयसीमा एक माह बढ़ा दी है। अब 31 जनवरी के बजाय दिल्ली के लोग 29 फरवरी तक अपनी संपत्ति की जिओ टैगिंग करा सकेंगे।

दिल्ली नगर निगम ने दिसंबर के पहले सप्ताह में सार्वजनिक सूचना जारी कर जिओ टैगिंग को अनिवार्य करने की घोषणा की थी। इसके तहत सभी रिहायशी और व्यावसायिक संपत्तियों की 31 जनवरी 2024 तक जिओ टैगिंग करानी थी। निगम ने कहा था कि जिओ टैगिंग कराने वाली संपत्तियों को ही वित्त वर्ष 2024-25 में अग्रिम कर जमा करने पर मिलने वाली 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। जिओ टैगिंग को लेकर निगम जागरूकता अभियान भी चला रहा था। साथ ही क्षेत्रीय स्तर पर कार्य भी किए जा रहे थे लेकिन निगम कर्मियों के सामने भी समस्या आ रही थी कि जिओ टैगिंग कराने के लिए आइफोन से सफलता नहीं मिल पा रही थी। दिल्ली में बड़ी मात्रा में ऐसे संपत्तिकर दाता भी हैं जिनके पास एंड्रायड फोन नहीं है। इसमें जिओ टैगिंग के दौरान संपत्ति की तीन फोटो भी खींचकर देनी होती थी।

'10 गारंटियों में से एक भी पूरी नहीं कर पाई आप सरकार'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- बजट सत्र में नेता प्रतिपक्ष के भाषण से शुरू हुई चर्चा, अब पांच से सात फरवरी तक आप पार्षद लेंगे हिस्सा
- संपत्तिकर, उद्यान विभाग, पार्किंग, विज्ञापन, पशु और चिकित्सा सेवाओं के कामकाज पर उठाए सवाल

दिल्ली नगर निगम को बजट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह के भाषण से शुरू हुई। निगम सदन की विशेष बैठक में नेता प्रतिपक्ष ने वर्ष 2023-24 के संशोधित बजट अनुमान और 2024-25 के अनुमानों पर अपनी राय रखी। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने आप सरकार का घेराव करते हुए एक साल में कोई भी विकास की नई परियोजना न शुरू करने के साथ ही शिक्षा, संपत्तिकर, उद्यान, पार्किंग, विज्ञापन, अस्पताल, पशु एवं चिकित्सा सेवाएं, अभियांत्रिकी विभाग के कामकाज पर सवाल उठाए। साथ ही आप सरकार आने के बाद निगम में भ्रष्टाचार, इंस्पेक्टर राज और पार्किंग माफिया बढ़ने का आरोप लगाते हुए सत्तापक्ष को घेरा। इतना ही नहीं, नेता प्रतिपक्ष निगम चुनाव से पहले आप द्वारा की गई 10 गारंटी में से एक पर भी काम न करने को लेकर कटाक्ष किया।

नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह ने कहा, आप ने चुनाव से पहले 10 गारंटियों में से पहली गारंटी दिल्ली को स्वच्छ बनाने और कूड़े का पहाड़ एक जनवरी 2024 तक खत्म करने की थी। दूसरी गारंटी में वसूली की व्यवस्था बंद करने की थी, तीसरी गारंटी पार्किंग की समस्या का समाधान, चौथी गारंटी बेसहारा पशुओं, कुत्तों और बंदरों से बचाव, पांचवीं गारंटी दिल्ली की गलियों और सड़कों को बेहतर बनाने, छठी गारंटी निगम के अस्पतालों की डिस्पेंसरियों में सुधार थी। सातवीं गारंटी पार्कों को ठीक करने, आठवीं गारंटी कर्मचारियों को पक्का करने और समय पर वेतन देने, नौवीं गारंटी लाइसेंस प्रक्रिया आसान करने और 10वीं गारंटी रेहड़ी पटरी वालों की समस्याओं के समाधान के थे। लेकिन किसी पर भी काम नहीं हुआ। न तो सफाई की व्यवस्था ठीक हुई न ही कूड़े के पहाड़ खत्म हुए आवारा कुत्तों और बंदरों की समस्या पर कोई समाधान नहीं हुआ। अस्पतालों की स्थिति खराब है। स्कूलों में बच्चों को वर्दी के पैसे तक नहीं मिले। कर्मचारियों को समय से वेतन नहीं मिल रहा है। लाइसेंस प्रक्रिया में भ्रष्टाचार जोरों पर हैं। यानि कुल मिलाकर एक भी गारंटी पूरी नहीं हुई। नेता प्रतिपक्ष ने महापौर के उस बयान पर भी हैरानी जताते हुए इस्तीफा मांगा है, जिसमें महापौर ने निगम की समस्याओं के समाधान के लिए दो-तीन साल का समय मांगा है। उन्होंने कहा आप सरकार सत्ता के नशे में चूर हो गई है, जिसे निगम की समस्याएं दिख नहीं रही हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 2012 से 2016 तक पूर्वकालिक निगमों को दिल्ली सरकार ने 3195 करोड़ रुपये की राशि कम दी।

सिविक सेंटर में नगर निगम सदन की बैठक में बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह अपनी बात रखते हुए। जागरण

15 साल की नाकामी को ठीक करने में लगेंगे दो-तीन साल : मेयर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : निगम के नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह के बजट भाषण को महापौर डा. शैली ओबेराय ने राजनीतिक भाषणबाजी करार दिया। उन्होंने कहा कि अभी निगमायुक्त ने जो बजट पेश किया था, उस पर चर्चा शुरू हुई है।

नेता विपक्ष ने निगम बजट को लेकर कोई सुझाव नहीं दिए। उनका ध्यान केवल आप सरकार की आलोचना करने पर था। आप सरकार ने जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करने का काम चल रहा है। अभी हमें एक साल भी नहीं हुआ है। भाजपा के 15 साल के शासन में जो अव्यवस्था हुई है, उन्हें ठीक करने में हमें भी दो-तीन साल का समय लगेगा। उन्होंने कहा कि आप सरकार का बजट आठ फरवरी को आएगा। नेता सदन मुकेश गोयल इस बजट को अंतिम रूप देंगे। निगम मुख्यालय में नेता सदन मुकेश गोयल और उपमहापौर आले मोहम्मद इकबाल के साथ प्रेसवार्ता करते हुए महापौर डा. शैली ओबेराय ने कहा कि हम ऐसे प्रस्ताव लाते हैं, जो कर्मचारियों, व्यापारियों के हितों से जुड़े हों।

आबकारी घोटाला से जुड़े आरोपितों से थी संजय सिंह की निकटता : ईडी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

संजय सिंह। फाइल

सिंह की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ईडी ने दाखिल किया हलफनामा

आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की जमानत याचिका का विरोध करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली हाई कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। ईडी ने कहा कि जांच के दौरान पता चला है कि संजय सिंह घोटाले में एक प्रमुख साजिशकर्ता हैं और वह इस मामले में कई आरोपितों, संदिग्धों और व्यवसायियों के करीबी थे। ईडी ने कहा कि संजय सिंह कथित तौर पर अपराध की आय लेने लिए एक विशेष प्रयोजन (मेसर्स अरालियास हास्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड) बनाने में शामिल थे।

ईडी ने कहा कि इतना ही नहीं संजय सिंह आबकारी घोटाले से उत्पन्न अपराध की आय को प्राप्त करने, रखने, छिपाने और उपयोग करने में शामिल थे। जांच एजेंसी ने यह भी दावा किया कि आप नेता ने न सिर्फ अवैध धन या रिश्वत प्राप्त की, बल्कि दूसरों के साथ साजिश में भूमिका भी निभाई है। जांच से पता चला कि संजय सिंह को इस अपराध से दो करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है।

संजय सिंह को उनके घर पर छापेमारी के बाद ईडी ने चार अक्टूबर-2023 को गिरफ्तार किया गया था। जमानत देने से इन्कार करने के निचली अदालत के 22 दिसंबर के निर्णय को संजय सिंह ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है। मामले पर मंगलवार को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन ईडी के वकील की अनुपलब्धता के कारण बुधवार को सूचीबद्ध किया गया है। हलफनामे में ईडी ने कहा कि संजय सिंह के पास इस मामले की जांच से संबंधित कुछ गोपनीय दस्तावेज हैं, जो पब्लिक डोमेन में नहीं हैं। पिछली बार संजय सिंह की तरफ से तर्क दिया था कि इस अपराध में उनकी भूमिका नहीं बताई गई है।

महरौली में दरगाह और मंदिर पर चला बुलडोजर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- दिल्ली विकास प्राधिकरण और वन विभाग की टीम ने संजय वन स्थित ज्वाला काली मंदिर और आशिक अल्लाह की दरगाह को तोड़ा

महरौली इलाके के संजय वन स्थित ज्वाला काली मंदिर और आशिक अल्लाह की दरगाह पर मंगलवार तड़के बुलडोजर चला। डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) और वन विभाग की संयुक्त टीम ने सरकारी जमीन पर बने दोनों धार्मिक स्थल को बुलडोजर से पूरी तरह ध्वस्त करा दिया। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान इलाके में भारी संख्या में पुलिस तैनात रही। पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए धार्मिक स्थलों की तरफ जाने वाले रास्तों को बंद कर दिया था।

महरौली इलाके के संजय वन में ज्वाला काली मंदिर और आशिक अल्लाह दरगाह है। दावा है कि यह दोनों धार्मिक स्थल दिल्ली विकास प्राधिकरण व वन विभाग की जमीन पर बने थे। डीडीए की टीम अतिक्रमण हटाने के लिए कई दिन से तैयारी कर रही थी। यहां पर मंगलवार की तड़के करीब चार बजे के करीब डीडीए व वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पहले ही भारी संख्या में पुलिस और अर्द्धसैनिक बल को इलाके में तैनात कर दिया गया। इसके बाद टीम ने मंदिर और दरगाह को तोड़ दिया। सुबह करीब छह बजे ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई। दोपहर तक सारा अतिक्रमण हटा दिया गया।

प्रशासन ने पहले ही हटा दी थीं मूर्तियां : दशकों पुराने मंदिर से प्रशासन ने पहले ही भगवान की मूर्तियों को हटा दिया था। मूर्तियों को हटाकर एक सुरक्षित स्थान पर रख दिया गया था, ताकि किसी की आस्था को ठेस न पहुंचे।

धार्मिक स्थलों की तरफ जाने वाले रास्ते देर शाम तक बंद : सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस ने धार्मिक स्थलों की तरफ जाने वाले रास्तों को तड़के ही बंद कर दिया था। यहां पर पुलिस और अर्द्धसैनिक बल को तैनात किया गया था।

हाई कोर्ट ने शरजील की जमानत पर 17 फरवरी तक निर्णय करने को कहा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : सीएए व एनआरसी के विरोध में प्रदर्शन के दौरान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय व दिल्ली के जामिया इलाके में दिए गए भड़काऊ भाषण से संबंधित मामले में वैधानिक जमानत की मांग वाली जेएनयू के पूर्व छात्र शरजील इमाम की अर्जी पर दिल्ली हाई कोर्ट ने निचली अदालत को 17 फरवरी तक फैसला करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ नियमित जमानत की मांग वाली इमाम की याचिका का निपटारा यह कहते हुए कहा कि वैधानिक जमानत की मांग करने वाला उनका आवेदन पहले से ही ट्रायल कोर्ट के समक्ष लंबित है। ऐसे में निचली अदालत को सुनवाई की अगली तारीख (सात फरवरी) से 10 दिनों के भीतर उक्त आवेदन पर निर्णय लेने का निर्देश दिया जाता है।

शरजील ने सीआरपीसी की धारा 436ए के तहत जमानत मांगी है। शरजील ने तर्क दिया कि वह अपराध के लिए निर्धारित अधिकतम सजा की आधी से अधिक अवधि जेल में रह बिता चुका है।

वीआइपी के आवागमन से सड़कों पर लगा लंबा जाम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

नई दिल्ली में लगातार दूसरे दिन वीआइपी आवागमन (मूवमेंट) के कारण कई मार्गों को अवरुद्ध किए जाने से नई दिल्ली की यातायात व्यवस्था चरमरा गई। एक बार जाम शुरू हुआ तो वह फैलता चला गया और कई इलाकों की सड़कों पर वाहनों को लंबी कतारें लग गईं। कुछ ही मिनटों की दूरी को तय करने में लोगों को घंटे-घंटे भर सड़क पर ही वाहन लेकर खड़ा होना पड़ा।

मंगलवार को राजघाट स्थित महात्मा गांधी की समाधि पर जाने वाले मार्ग पर वीआईपी मूवमेंट के कारण विकास मार्ग रिंग रोड, बहादुरशाह जफर मार्ग, कश्मीरी गेट, सराय काले खां, धौला कुआं से नारायण तक, इंडिया गेट सर्किल सहित कई रास्तों पर लंबा जाम लगा। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

वीआइपी मूवमेंट के बाद ट्रैफिक खुलने पर भी यातायात को सामान्य गति पकड़ने में समय लगा। दोपहर तक जाकर यातायात सामान्य हुआ। वहीं, आइटीओ पर वीआइपी मूवमेंट के चलते मेट्रो स्टेशन के कुछ गेट को भी थोड़ी देरी के लिए बंद किया गया। इसके साथ ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आइटीओ, प्रगति मैदान आदि स्थानों पर पैदल चलने वालों को भी रोक कर रखा गया। इस कारण सुबह के समय कार्यालय जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मंगलवार को वीआइपी रूट लगने पर धौला कुआं, सराय काले खां, प्रगति मैदान, आइटीओ चौराहा समेत विभिन्न इलाकों में जाम लगा रहा, यमुना पुल से आइटीओ के समीप तक लगे जाम में घंटों फंसे रहे राहगीर। चंद्र प्रकाश मिश्र

कार्रवाई

35 स्थानों पर अवैध कालोनियां बसाने पर नगर निगम ने की कार्रवाई, ग्रेप-3 की पाबंदियां हटने के बाद निगम ने जनवरी में चलाया अभियान

जनवरी में 440 अवैध निर्माण गिराए, फरवरी में भी चलेगा अभियान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में अवैध निर्माण और अवैध प्लाटिंग पर जनवरी में 440 अवैध निर्माण पर कार्रवाई की गई है। 85 संपत्तियों को सील किया गया है, जबकि 35 स्थानों पर कालोनियों बसाने और अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई की गई है। दिल्ली नगर निगम के अनुसार नवंबर और दिसंबर में ग्रेप-3 की पाबंदियां लग रही थीं, इसके चलते निर्माण और तोड़फोड़ पर रोक थी। जैसे ही यह पाबंदी हटी नगर निगम ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई को युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया। निगम का कहना है कि जिस प्रकार जनवरी में यह कार्रवाई की गई, इसी तरह की कार्रवाई फरवरी में भी जारी रहेगी।

निगम के अनुसार जनवरी 2024 में 440 विध्वंस, 85 सीलिंग व अवैध प्लाटिंग के खिलाफ 35 कार्रवाई करते हुए लगभग 70 एकड़ कृषि भूमि को मुक्त कराया गया। दिल्ली नगर निगम ने पिछले दो दिनों में 31 विध्वंस, आठ सीलिंग एवं अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध चार कार्रवाई की हैं। इसमें करीब सात एकड़ भूमि को अवैध निर्माण और प्लांटिग से मुक्त कराया गया है। ज्यादातर कार्रवाई डेरा मंडी, सैद उल अजायब, छतरपुर, बुराड़ी, जैतपुर और नरेला इत्यादि इलाकों में की गई है।

निगम के जारी बयान के अनुसार, संज्ञान में आया है कि आसानी से बिजली पानी कनेक्शन उपलब्ध होने के चलते अवैध निर्माण एवं अवैध प्लाटिंग को बढ़ावा मिलता है। इसीलिए दिल्ली जल बोर्ड एवं बिजली वितरण कंपनियों के साथ मिलकर यह कार्रवाई की गई है। साथ ही तुरंत बिजली और पानी के कनेक्शन भी काटे गए हैं। निगम अधिकारी ने बताया कि अवैध निर्माण की रोकथाम के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। अवैध निर्माण के विरुद्ध सीलिंग एवं तोड़फोड़ की कार्रवाई के चलते निगम ने अनधिकृत निर्माण पर रोक लगाने का प्रयास किया गया है।

ढिंचाउ एन्कलेव में अवैध निर्माण को गिराता निगम का दस्ता। सौजन्यः एमसीडी

दिल्ली को जल्द मिलेगा पांचवां ओल्ड एज होम

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- दिल्ली सरकार पश्चिम विहार में बना रही आधुनिक सुविधाओं से लैस सावित्रीबाई फुले सीनियर सिटीजन होम
- वहां 96 बुजुर्गों के रहने की होगी व्यवस्था, मनोरंजन के लिए टीवी, रेडियो और किताबें भी उपलब्ध कराई जाएंगी

दिल्ली में बेसहरा बुजुर्गों को जल्द ही बेहतर सुविधाओं से लैस पांचवां ओल्ड एज होम मिल जाएगा। पश्चिम विहार में इसका निर्माण लगभग पूरा कर लिया है। इसे सावित्री बाई फूले सीनियर सिटीजन होम नाम दिया गया है। यहां 96 बुजुर्गों के रहने की व्यवस्था होगी। इसके औपचारिक रूप से संचालन के लिए सीएम अरविंद केजरीवाल ने मंजूरी दे दी है और फाइल एलजी के पास भेजी गई है। बता दें कि दिल्ली में अभी चार ओल्ड एज होम संचालित हो रहे हैं, जिनमें 505 बेसहारा बुजुर्गों के रहने की व्यवस्था है।

इस नए ओल्ड एज होम में बुजुर्गों को निश्शुल्क आवास, भोजन, कपड़े, बिस्तर की सुविधाएं दी जाएंगी। बुजुर्गों के लिए इस होम में एक मनोरंजन केंद्र होगा। इसके अलावा स्वास्थ्य की देखभाल के लिए डाक्टर और फिजियोथेरेपी समेत अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी। दिल्ली में अभी विंदापुर में 52, अशोक विहार में 36, कांति नगर में 117 और ताहिरपुर में 300 बुजुर्गों के रहने की व्यवस्था की गई है। ओल्ड एज होम में दिल्ली के गरीब निराश्रित और वृद्ध लोग प्रवेश ले सकते हैं, जिनकी उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक है और भरण-पोषण के लिए कोई साधन उपलब्ध नहीं है।

****

4 हाई कोर्टों में तैनात सात अतिरिक्त न्यायाधीशों को मंगलवार को स्थायी न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। इनमें कलकत्ता, पंजाब व हरियाणा, केरल और झारखंड हाई कोर्ट में तैनात अतिरिक्त न्यायधीशों को पदोन्नति दी गई है।

पीएम ई बसों के लिए चार्जिंग ढांचे को मंजूरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : पीएम ई बसों के लिए शहरी कार्य मंत्रालय ने बिहाइंड द मीटर इन्फ्रास्ट्रक्चर यानी इस योजना के तहत चलने वाली बसों की चार्जिंग का मसला सुलझा लिया है। इस योजना के लिए बनी आकलन समिति ने अपनी पांचवीं बैठक में चार राज्यों गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के 19 जिलों के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी।

सूत्रों के अनुसार, ज्यादातर शहरों के लिए चार्जिंग का ढांचा तय हो चुका है। ऊर्जा मंत्रालय ने इस योजना के लिए सहमति व्यक्त कर दी है। 169 शहरों को दस हजार बसें उपलब्ध कराने वाली इस योजना के दिशानिर्देशों में शहरी कार्य मंत्रालय ने यह स्पष्ट कर दिया था कि चुनिंदा शहरों के लिए बिहाइंड द मीटर पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए सौ प्रतिशत केंद्रीय सहायता दी जाएगी, लेकिन यह ऊर्जा मंत्रालय के साथ विचार-विमर्श पर निर्भर करेगा। केंद्र यह सहायता केवल 2027 तक ही उपलब्ध कराएगा। मंत्रालय ने शहरों को यह भी सहूलियत दी है कि वह बिजली का ढांचा बनाने के लिए अन्य मंत्रालयों अथवा विभागों की योजनाओं का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

'आत्मनिर्भर भारत' अलगाव नहीं भाईचारे को बढ़ावा : राजनाथ

दो टूक ▶ अमेरिकी राजदूत गार्सेटी को दिया जवाब, कहा-जो हमें आंखें दिखाएगा, उसे नतीजे भुगतने होंगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक निवेशकों व खास तौर पर अमेरिका के कारोबारियों को यह आश्वस्त किया है कि उन्हें आत्मनिर्भर भारत की नीति से परेशान होने की जरूरत नहीं है। इस नीति के जरिये ऐसा भारत बनाने की कोशिश नहीं है जो दुनिया से अलग हो कर रहे। रक्षा मंत्री ने यह बात मंगलवार को इंडो अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स के एक कार्यक्रम में कही। रक्षा मंत्री से पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने भारत सरकार की मौजूदा कराधान संबंधी नीतियों के साथ ही 'आत्मनिर्भर भारत' पर टिप्पणी की और कहा, 'सब कुछ भारत में ही निर्माण करने को लेकर जरूरत से ज्यादा बयानबाजी का उल्टा असर भी हो सकता है।'

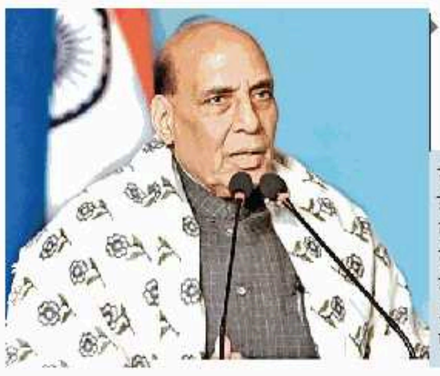

गार्सेटी बोले- आत्मनिर्भरता का राग, भारत के लिए सही नहीं

नई दिल्ली में मंगलवार को इंडो अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह (बाएं) और अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी। एएनआइ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'मैं भारत की आत्मनिर्भरता को लेकर एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं। हमारे आत्मनिर्भर भारत अभियान का उद्देश्य निरंकुशता नहीं है। हमारा उद्देश्य यह बिल्कुल भी नहीं है कि हम वैश्विक व्यवस्था से ही कट जाए। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत हम ऐसा भारत बिल्कुल भी नहीं बनाना चाहते, जो दुनिया से अलग रहकर काम करे। हमारा आत्मनिर्भर भारत का कार्यक्रम आपसी साझेदारी को बढ़ावा देता है।' भारत और अमेरिका को स्वाभाविक साझीदार बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अमेरिकी कंपनियों के खतरे को कम करते हुए बतौर देश उन्हें अधिक मुनाफा दे सकता है। दोनों देशों के आपसी सहयोग से नियम आधारित वर्ल्ड आर्डर को स्थापित किया जा सकेगा। अब समय बदल गया है। यह शक्तिशाली भारत है, जो हमें आंखें दिखाएगा उसे नतीजे भुगतने होंगे।

वहीं, अमेरिकी राजदूत गार्सेटी ने कहा, भारत में कारपोरेट टैक्स से जुड़े नियम काफी अस्पष्ट हैं और इन्होंने अमेरिकी कंपनियों के निवेश संबंधी फैसले की राह में अड़चनें पैदा की हैं। वो भारत में निवेश करना चाहती हैं लेकिन अपनी बौद्धिक संपदा का संरक्षण चाहती हैं। सीमा शुल्क, नियमन व टैक्स संबंधी नियमन हमेशा आर्थिक समृद्धि को बढ़ाते हैं। भारत को निर्यात संबंधी अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इन नियमों को बदलना होगा। अमेरिका भारत को आत्मनिर्भर होते देखना चाहता है, लेकिन हम यह नहीं चाहते कि भारत आत्मनिर्भर होने के तहत अपने आपको किले में बंद कर ले, बल्कि इसकी मदद से भारतीय कंपनियां वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बनें। भारत में विदेशी निवेश उस रफ्तार से नहीं बढ़ रहा जिस रफ्तार से इसे बढ़ना चाहिए। भारत में निवेश आने के बजाय दूसरे देशों में जा रहा है। अमेरिका व भारत के बीच व्यापार घाटा 40 अरब डालर (भारत के पक्ष में है) का है। हम चाहते हैं कि चीन जाने वाला निवेश भारत आए।

अमेरिका ने एच 1 बी वीजा रिन्यू करने को शुरू किया अभियान

नई दिल्ली, आइएएनएस : लगभग दो दशक बाद अमेरिका अपने यहां के विदेशी कामगारों को बड़ी सहूलियत देने जा रहा है। भारतीय नागरिकों समेत अमेरिका में काम करने वाले कर्मचारी बिना देश छोड़े एच 1-बी वीजा रिन्यू कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया के तहत 29 जनवरी से अगले पांच सप्ताह तक 20 हजार आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। अमेरिका इस पहल से बड़ी संख्या में भारतीयों को लाभ मिलेगा।

अमेरिका के विदेश विभाग ने जून 2023 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के दौरान ही भारतीयों समेत याचिका आधारित अस्थायी कार्य वीजा का देश में ही रिन्यू करने की घोषणा की थी। इसके तहत अमेरिका स्थित भारत व कनाडा के वाणिज्य दूतावासों द्वारा जारी किए गए एच 1 बी वीजा लेने वाले लोग ही रिन्युअल के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि पांच सप्ताह के लिए वीजा रिन्युअल प्रक्रिया की शुरुआत सीमित पायलट कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है।

ओडिशा को सर्वश्रेष्ठ झांकी का पहला पुरस्कार

नई दिल्ली में 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर 75वें गणतंत्र दिवस परेड के मौके पर निकाली गई झांकी में ओडिशा की यह झांकी पेश की गई। फाइल/प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : गणतंत्र दिवस के अवसर पर परेड के दौरान ओडिशा के समृद्ध हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्र को प्रदर्शित करने वाली रंग-बिरंगी झांकी को विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा प्रदर्शित झांकियों में प्रथम पुरस्कार मिला है। धोरडो पर्यटन गांव को प्रदर्शित करने वाली गुजरात की झांकी ने लोगों की पसंद श्रेणी में पहला स्थान पाया है। दोनों श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ झांकी के पुरस्कारों की घोषणा मंगलवार को की गई। दिल्ली छावनी में आयोजित एक समारोह के दौरान उन्हें पुरस्कार प्रदान किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, परंपरागत परेड के दौरान विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा प्रदर्शित की गई झांकियों में 'भारतः लोकतंत्र की जननी' विषयक संस्कृति मंत्रालय की झांकी को प्रथम पुरस्कार मिला है। अधिकारियों ने बताया कि जीवंत गांवों को दर्शाने वाली गृह मंत्रालय की झांकी को दूसरा पुरस्कार मिला है। गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 16 और केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों से नौ झांकियां कर्तव्य पथ पर निकलीं। जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपनी झांकियां प्रस्तुत कीं, उनमें अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, मणिपुर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, लद्दाख, तमिलनाडु, गुजरात, मेघालय, झारखंड, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना शामिल थे।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, ओडिशा की झांकी निर्णायकों की पसंद श्रेणी में पहले स्थान पर रही, जबकि गुजरात की झांकी ने लोगों की पसंद श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया।

- **धोरडो पर्यटन गांव को प्रदर्शित करने वाली गुजरात की झांकी को लोगों की पसंद श्रेणी में शीर्ष स्थान**
- **मंत्रालयों और विभागों द्वारा प्रदर्शित झांकियों में संस्कृति मंत्रालय की झांकी को प्रथम पुरस्कार**

उन्होंने बताया कि जज वर्ग में गुजरात दूसरे स्थान पर रहा जबकि तमिलनाडु तीसरे स्थान पर रहा। लोगों की पसंद श्रेणी में उत्तर प्रदेश को दूसरा और आंध्र प्रदेश को तीसरा स्थान मिला। लोगों की पसंद श्रेणी में विजेताओं का चयन करने के लिए, माईजीओवी मंच के माध्यम से सार्वजनिक मतदान किया गया था। गुजरात की झांकी में कच्छ की कला और संस्कृति के दिलचस्प पहलुओं को शामिल किया गया था। यह झांकी धोरडोः गुजरात के सीमांत पर्यटन की वैश्विक पहचान विषय पर आधारित थी।

रामलला की एक कलात्मक प्रतिमा इस साल के गणतंत्र दिवस परेड में उत्तर प्रदेश की झांकी में शामिल की गई थी। रामलला की नई प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हाल ही में अयोध्या में निर्मित एक भव्य मंदिर में की गई थी। झांकी में देश में संचालित पहले हाई-स्पीड रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) को भी दर्शाया गया। इसे अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसके पहले गलियारे के प्राथमिकता खंड पर शुरू किया गया था। 2022 में उत्तर प्रदेश की झांकी ने शीर्ष पुरस्कार जीता था। उस वर्ष की झांकी 'एक जिला एक उत्पाद और काशी विश्वनाथ धाम' विषय पर आधारित थी।

चीन से डरने की जरूरत नहीं, प्रतिस्पर्धी खेल है वैश्विक राजनीति : जयशंकर

कहा ▶ हर पड़ोस में समस्याएं हैं, लेकिन पड़ोसियों को एक-दूसरे की जरूरत होती है

प्रतिस्पर्धा को कूटनीति की विफलता कहना ठीक नहीं

राज्य ब्यूरो, मुंबई

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मालदीव जैसे भारत के पड़ोसी देशों में चीन अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश पर कहा है, लेकिन नई दिल्ली को चीन की ऐसी 'प्रतिस्पर्धी राजनीति' से डरना नहीं चाहिए। वैश्विक राजनीति प्रतिस्पर्धी खेल है। क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव को लेकर प्रतिस्पर्धा है। लेकिन इसे भारतीय कूटनीति की विफलता कहना ठीक नहीं होगा।

मुंबई में मंगलवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) के छात्रों के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर ने मालदीव के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि हर पड़ोस में समस्याएं हैं, लेकिन अंततः पड़ोसियों को एक-दूसरे की जरूरत होती है। जयशंकर ने कहा, हमें समझना चाहिए कि चीन भी पड़ोसी देश है। कई मायनों में प्रतिस्पर्धी राजनीति इन देशों को प्रभावित करेगा। मुझे नहीं लगता कि हमें चीन से डरना चाहिए।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वैश्विक राजनीति प्रतिस्पर्धी खेल है। आप सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। आज हमें प्रतिस्पर्धा से नहीं डरना चाहिए। हमें प्रतिस्पर्धा का स्वागत करना चाहिए और कहना चाहिए कि मुझमें प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है।

इजरायल फलस्तीन संघर्ष की समाप्ति के लिए द्विराष्ट्र समाधान का समर्थन : जयशंकर ने कहा कि भारत दशकों पुराने इजरायल-फलस्तीन संघर्ष को समाप्त करने के लिए द्विराष्ट्र समाधान का समर्थन करता है। इजरायल के साथ ही फलस्तीन देश बनना चाहिए। पश्चिम एशिया में संघर्ष को समग्रता में देखा जाना चाहिए। उन्होंने चार महीने पहले इजरायल पर हुए हमले को आतंकी हमला करार दिया।

भारतीय कूटनीति पर भरोसा करने का किया आग्रह

मालदीव में 'इंडिया आउट' अभियान के बारे में सवाल पर जयशंकर ने भारतीय कूटनीति पर भरोसा करने का आग्रह किया। कहा कि हर देश के पड़ोस में समस्याएं हैं। राजनीति में तीखे रुख अपनाए जाते हैं। लेकिन कूटनीति हमेशा तीखे रुख से नहीं चलती। आखिरकार पड़ोसियों को एक-दूसरे की जरूरत होती है। अपने पड़ोसियों की मदद करने के भारत के ट्रैक रिकार्ड के बारे में बात करते हुए उन्होंने श्रीलंका का उदाहरण दिया, जिसे नई दिल्ली ने तब सहायता दी थी जब श्रीलंका गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा था। उन्होंने तुर्किये में आए भूकंप के तुरंत बाद भारत द्वारा भेजी गई मदद और कोरोना के दौरान टीके उपलब्ध कराने सहित विभिन्न देशों को दी गई सहायता का भी उल्लेख किया।

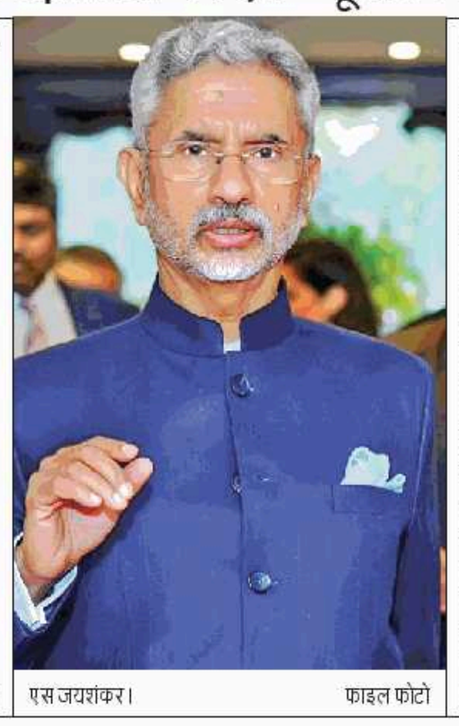

एस जयशंकर। फाइल फोटो

जिम्मेदार देश की भूमिका निभा रहा भारत

लाल सागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना द्वारा युद्धपोतों की तैनाती के संदर्भ में उन्होंने कहा कि भारत की क्षमता, हित और प्रतिष्ठा इस बात की गारंटी देती है कि वह वास्तव में कठिन परिस्थितियों में औरों की मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, हम समुद्र में अपनी नौसेना के जरिये एक जिम्मेदार देश की भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय नौसेना ने इस क्षेत्र में अपने 10 जहाज तैनात किए हैं। लाल सागर क्षेत्र में समुद्री डकैती के साथ-साथ मर्चेंट नेवी जहाजों पर ड्रोन हमलों की भी समस्या है। ऐसी परिस्थिति में अगर हमारे पड़ोस में बुरी चीजें हो रही हैं और हम कहते हैं कि मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है तो हमें जिम्मेदार देश नहीं माना जाएगा। जयशंकर ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी शक्ति बहुत बढ़ाई है।

भारत में भ्रष्टाचार के मोर्चे पर कुछ खास सुधार नहीं : रिपोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : भ्रष्टाचार के मोर्चे पर भारत की स्थिति में खास सुधार नहीं हुआ है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के अनुसार 2023 में भारत का ओवरआल स्कोर 39 रहा है, वहीं 2022 में भारत का स्कोर 40 था। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का 39 स्कोर मामूली बदलाव दिखाता है लेकिन इससे किसी बड़े बदलाव के बारे में ठोस निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2023 में भारत 93 वें स्थान पर है। बता दें कि भ्रष्टाचार मिटाने को लेकर खूब दावे किए जाते रहे हैं।

यह सूचकांक सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार की धारणा के आधार पर 180 देशों की 0 से 100 के पैमाने पर रैंकिंग करता है। यहां 0 का मतलब है कि बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार है और 100 का मतलब है कि छवि साफ है।

2023 का भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक संकेत करता है कि दुनियाभर में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दो तिहाई से ज्यादा देशों का स्कोर 50 से कम है। यह बढ़ते भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो औसत स्कोर 43 पर अटका हुआ है। ज्यादातर देशों ने 21 वीं सदी के दूसरे दशक में या तो कोई प्रगति नहीं की है उनके स्कोर में और गिरावट आ गई है। वहीं 23 देश 2023 में अब तक के अपने न्यूनतम स्कोर पर आ गए हैं।

ज्यादा से ज्यादा पेड़ों को कटने से बचाना राज्य का दायित्व : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पेड़ों को कटने से बचाना राज्य सरकार का दायित्व है। साथ ही केंद्रीय अधिकार प्राप्त समित (सीईसी) को कहा कि वह ताज ट्रैपेजियम जोन (टीटीजेड) में सड़क परियोजना के लिए 3,874 पेड़ों को काटने का वैकल्पिक समाधान खोजे। ताज ट्रैपेजियम जोन 10,400 वर्ग किलोमीटर का है और यह उत्तर प्रदेश के आगरा, फीरोजाबाद, मथुरा, हाथरस व एटा जिलों और राजस्थान के भरतपुर जिले तक फैला हुआ है। शीर्ष अदालत ताजमहल एवं इसके आसपास के क्षेत्र के संरक्षण पर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है।

कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह आगरा-जलेसर-एटा रोड के प्रस्तावित मार्ग का स्केच उपलब्ध कराए और सीईसी से कहा कि वह कुछ पेड़ों को बचाने की संभावना के बारे में सूचित करे। यह भी कहा कि संविधान के अनुच्छेद-51ए के मुताबिक पेड़ों को बचाना हर नागरिक का दायित्व है। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 12 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी और उत्तर प्रदेश सरकार से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि डिवीजनल फारेस्ट आफिसर कुछ पेड़ों के ट्रांसलोकेशन की संभाव्यता पर रिपोर्ट दें।

- **ताज ट्रैपेजियम जोन में सड़क के लिए पेड़ों को काटने का मामला**

सुप्रीम कोर्ट ने आगरा जिले में एक नए पेट्रोल पंप के लिए टीटीजेड में 12 पेड़ों को काटने की अनुमति दी थी और क्षेत्र में पेड़ों की कथित अवैध कटाई के विरुद्ध कार्रवाई की मांग संबंधी याचिकाकर्ता के दावे को खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने 12 पेड़ों की कटाई की अनुमति मांगने की याचिका को अनुमति प्रदान करते हुए कहा कि सीईसी की रिपोर्ट में कुछ शर्तों के साथ इन पेड़ों को काटने की अनुमति प्रदान कर दी गई थी।

'समीक्षा आदेश अलमारी में रखने के लिए नहीं'

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में इंटरनेट सेवाओं की बहाली के लिए याचिकाओं पर विचार करने के समीक्षा आदेश अलमारी में रखने के लिए नहीं हैं। साथ ही शीर्ष कोर्ट ने प्रशासन को उन्हें प्रकाशित करने के निर्देश दिए हैं।

जम्मू-कश्मीर में इंटरनेट प्रतिबंध से संबंधित मामले को लेकर शीर्ष कोर्ट में सुनवाई हुई। फाउंडेशन फार मीडिया प्रोफेशनल्स द्वारा दायर याचिका में जम्मू-कश्मीर में इंटरनेट प्रतिबंधों पर केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता वाली एक विशेष समिति द्वारा पारित समीक्षा आदेशों को प्रकाशित करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से जानना चाहा कि क्या इंटरनेट प्रतिबंध के संबंध में समीक्षा आदेश सार्वजनिक किए गए या नहीं।

मेडिकल कालेजों में शिक्षकों के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य

नई दिल्ली, प्रेट्र : मेडिकल कालेजों में फैकल्टी (शिक्षकों) के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने मेडिकल कालेजों के शिक्षकों के कालेज समय के दौरान प्राइवेट प्रैक्टिस करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। एनएमसी के इन कदमों से घोस्ट फैकल्टी की समस्या से निपटने में मदद मिलेगी। जब फर्जीवाड़ा करने के लिए कागजों में शिक्षकों को दर्शाया जाता है जबकि वास्तविकता में शिक्षकों की मौजूदगी नहीं होती उसे घोस्ट फैकल्टी कहते हैं।

चिकित्सा नियामक ने पिछले सप्ताह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यकताओं के न्यूनतम मानक-2023 (पीजीएमएसआर-2023) दिशानिर्देश जारी किए। दिशानिर्देशों के अनुसार फैकल्टी कालेज समय के दौरान प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं करेंगे।

फैकल्टी के लिए कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि अस्पताल की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में पंजीकरण, बाह्य रोगी और आंतरिक रोगी क्षेत्र, आपरेटिंग थियेटर, आइसीयू, रेडियोलाजी और प्रयोगशाला सेवाएं और आपातकालीन विभाग होने चाहिए।

- **कालेज के समय के दौरान फैकल्टी के प्राइवेट प्रैक्टिस पर भी लगाया गया प्रतिबंध**
- **एनएमसी ने जारी किए दिशानिर्देश, घोस्ट फैकल्टी की समस्या से निपटने में मिलेगी मदद**

इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि अस्पताल का भवन मौजूदा राष्ट्रीय भवन मानदंडों के अनुसार होने चाहिए। अस्पताल में बिस्तरों की संख्या में वृद्धि के साथ रेडियो-डायग्नोसिस, एनेस्थीसिया, पैथोलाजी, माइक्रोबायोलाजी और बायोकैमिस्ट्री विषयों में फैकल्टी, बुनियादी ढांचे और अन्य कर्मचारियों में वृद्धि होगी। यदि विभाग में कार्यभार अधिक है तो संकाय और बुनियादी ढांचे में भी वृद्धि करनी होगी।

केंद्र की दलील

एएमयू न तो अल्पसंख्यकों ने स्थापित किया था और न ही अल्पसंख्यकों से प्रशासित है, एक अन्य पक्षकार ने कहा कि कोर्ट पहले अनुच्छेद-30 में अल्पसंख्यक की परिभाषा तय करे

एएमयू मामले को सामाजिक न्याय व बराबरी के आधार पर परखा जाए

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के अल्पसंख्यक दर्जे पर सुप्रीम कोर्ट में अपनी बहस पूरी कर ली। केंद्र ने कहा कि एएमयू न तो अल्पसंख्यकों द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय है और न ही उनके द्वारा प्रशासित होता है। शीर्ष कोर्ट को एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे को सामाजिक न्याय और बराबरी के आधार पर परखना चाहिए। जबकि पीठ ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद-30 (अल्पसंख्यकों को पसंद का संस्थान स्थापित करने और प्रबंधन की स्वतंत्रता) इसका अधिकार देता है, इसीलिए अल्पसंख्यक दर्जे को कड़ाई से परखने की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट में प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय संविधान पीठ आजकल एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे पर सुनवाई कर रही है। मंगलवार को केंद्र सरकार की ओर से बहस करते हुए सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कोर्ट को ध्यान देना चाहिए कि एएमयू का गठन 1920 के एक्ट से हुआ था। एएमयू न तो अल्पसंख्यकों द्वारा स्थापित किया गया था और न ही उनके द्वारा प्रशासित होता है। मेहता ने अपनी दलीलों के समर्थन में एएमयू एक्ट में समय-समय पर हुए संशोधनों का जिक्र करते हुए उन संशोधनों के दौरान संसद में हुई बहस का कोर्ट में हवाला दिया। साथ ही एएमयू पर संविधान सभा की बहस का भी जिक्र किया और कहा कि एएमयू अल्पसंख्यक संस्थान नहीं है बल्कि राष्ट्रीय महत्व का देश का बेहतरीन संस्थान है। उन्होंने एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान घोषित करने के परिणाम बताते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 15(1) कहता है कि राज्य किसी के भी साथ जाति, धर्म, भाषा, जन्मस्थान, वर्ण के आधार पर भेद नहीं करेगा। इसी अनुच्छेद का खंड पांच है जिसे पहले अपवाद कहा जाता था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उसे अपने फैसले में उसे विस्तारित बराबरी कहा है। मालूम हो कि अनुच्छेद 15(5) कहता है कि राज्य एससी-एसटी और पिछड़ों आदि को बराबरी पर लाने के लिए विशेष उपबंध कर सकता है। ज्ञात हो कि इसी उपबंध के तहत आरक्षण लागू होता है।

एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे पर विवाद। फाइल फोटो

मेहता ने कहा कि एएमयू और ओल्ड ब्वायज एसोसिएशन की ओर से दलील दी गई थी कि हम सिर्फ थोड़े से आरक्षण की मांग कर रहे हैं। अगर उन्हीं की दलीलें देखी जाएं तो एएमयू में बिना आरक्षण के 70-80 प्रतिशत मुस्लिम छात्र पढ़ते हैं। नियम के मुताबिक डिग्री कालेज में 25 प्रतिशत सीटें इंटरनल छात्रों से भरी जाती हैं और 50 प्रतिशत सीटों पर मुसलमानों का आरक्षण लागू कर दिया जाएगा तो खुली सीटें तो सिर्फ 25 प्रतिशत ही बचेंगी। एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान घोषित करने का नतीजा होगा कि जो लोग आरक्षण पाने की पात्रता रखते हैं जैसे एससी, एसटी, ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, उन्हें आरक्षण नहीं मिलेगा। कोर्ट को अनुच्छेद 15(5) के आखिरी भाग पर ध्यान देना चाहिए। यह भाग अल्पसंख्यक संस्थानों के अलावा बाकी संस्थानों में एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्लूएस आरक्षण लागू करने की बात करता है। ऐसे में कोर्ट को अल्पसंख्यक दर्जे को कड़ी कसौटी पर परखना चाहिए।

एएमयू में परास्नातक कोर्स में मुसलमानों को 50 प्रतिशत आरक्षण देने के विरुद्ध इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर मुकदमा जीतने वाले पक्षकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने भी एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे का विरोध किया।

****

कह कर रहेंगे माधव जोशी

6 सीटों पर अपना प्रत्याशी उतार सकती है बसपा हरियाणा में। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़कर पार्टी दूसरे राज्यों के क्षेत्रीय दलों से गठबंधन करेगी। हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) जबकि छग व मप्र में गोगपा से गठबंधन की बात चल रही है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 31 जनवरी, 2024

भाजपा ने कांग्रेस-आप गठबंधन को हराया

चंडीगढ़ मेयर चुनाव ▸ आठ वोटों के रद होने से पलटा पासा, गठबंधन फिर पहुंचा हाई कोर्ट

कांग्रेस-आप ने लगाया आरोप-पीठासीन अधिकारी ने बैलेट पेपर पर पेन चला वोट किए अवैध

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़

▸ भाजपा का पलटवार-दबाव में नजरबंद रहे पार्षदों ने आत्मा की आवाज सुन वोट किए रद

16 वोट मिले भाजपा प्रत्याशी मनोज सोनकर को, गठबंधन उम्मीदवार कुलदीप को 12

14 वोट थे भाजपा के पास और 20 वोट होने के कारण गठबंधन का पलड़ा था भारी

मेयर चुनाव में पराजय के बाद आप-कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी कुलदीप कुमार रो पड़े। प्रेट्र

मनोज सोनकर

कांग्रेस-आप ने पार्षदों को नजरबंद कर दबाव में रखा, लेकिन उन्होंने आत्मा की आवाज सुन वोट रद कराने का निर्णय लिया। -जतिंदर मल्होत्रा, चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष

एमसी रेगुलेशन-एक्ट के तहत चुनाव होते हैं। इसमें स्पष्ट है कि बैलेट पेपर पर कोई निशान या मुहर निर्धारित जगह से बाहर लगी हो, गलत ढंग से लगी हो या फिर पेपर कटा-फटा हो तो वोट अवैध माना जाता है। इन्हीं सब कारणों के दायरे में आने वाले वोट रद किए गए हैं। दूसरा, मतगणना के बाद बैलेट पेपर पर हस्ताक्षर कर एजेंट को बुलाने से पहले ही विपक्षी दल के पार्षदों ने हंगामा कर दिया। इस कारण बैलेट पेपर की सुरक्षा को देखते हुए मैंने परिणाम घोषित कर दिया और बैलेट पेपर सील कर दिए। -अनिल मसीह, पीठासीन अधिकारी

हाई कोर्ट के आदेश पर पूरे चुनाव की वीडियोग्राफी हुई है। न्यायाधीश अपनी आंखों से देखेंगे कि कैसे बैलेट पेपर को अवैध घोषित कर दिया गया। आप-कांग्रेस सड़क से संसद तक लड़ाई लड़ेगी। -राघव चड्ढा, वरिष्ठ नेता, आप

भाजपा ने सरेआम मेयर चुनाव में लोकतंत्र की हत्या की है। कांग्रेस-आप के एजेंट तक को रद वोट वाले बैलेट पेपर नहीं देखने दिए। हमें हाई कोर्ट पर पूरा भरोसा है। न्याय होगा। पवन कुमार बंसल, वरिष्ठ नेता, कांग्रेस

लंबे इंतजार के बाद मंगलवार को हुए चंडीगढ़ नगर निगम के चुनाव में भाजपा ने मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पदों पर जीत दर्ज की। भाजपा प्रत्याशी मनोज सोनकर बहुमत वाले आप-कांग्रेस गठबंधन के साझे उम्मीदवार कुलदीप कुमार को हराकर मेयर बने।

चुनाव में 36 लोगों ने मतदान किया। इसमें भाजपा के 14, शिअद के एक, कांग्रेस के सात और आप के 13 पार्षद थे। एक वोट भाजपा सांसद किरण खेर का था। इसमें भाजपा के मनोज सोनकर को 16, गठबंधन उम्मीदवार कुलदीप कुमार को 12 वोट मिले। भाजपा को अपने पार्षदों के अलावा शिअद पार्षद व सांसद का भी वोट मिला। चुनाव में आठ वोट रद हो गए, जो भाजपा की जीत का कारण बने। पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह ने वोट के रद होने का कारण स्पष्ट नहीं किया, लेकिन इतना जरूर कहा कि मतगणना के बाद बैलेट पेपर पर हस्ताक्षर कर एजेंट को बुलाने से पहले ही विपक्षी दल के पार्षदों ने हंगामा कर दिया। इस कारण बैलेट पेपर की सुरक्षा को देखते हुए खुद ही परिणाम घोषित कर दिया और बैलेट पेपर सील कर दिए। कांग्रेस-आप ने आरोप लगाया कि पीठासीन अधिकारी ने हस्ताक्षर करते समय बैलेट पेपर पर खुद पेन चलाया। वीडियो में वह पेन चलाते दिखाई दे रहे हैं। दोनों दलों ने धांधली का आरोप लगाते हुए हंगामा भी किया। इस बीच भाजपा पार्षदों ने मनोज को मेयर की कुर्सी पर बैठा दिया। नौबत धक्का-मुक्की तक आ गई। बैलेट पेपर खींचने का प्रयास भी हुआ। बाद में इसे लेकर कांग्रेस-आप गठबंधन फिर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचा है। उनकी याचिका पर बुधवार को सुनवाई होगी।

गौरतलब है कि इससे पूर्व यह चुनाव 18 जनवरी को होना था, लेकिन तब ऐनवक्त पर पीठासीन अधिकारी के बीमार हो जाने से चुनाव नहीं हो सका था। कांग्रेस ने मामले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

गठबंधन ने किया बहिष्कार तो सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पद पर एकतरफा मतदान : मनोज सोनकर ने पार्षदों को शांति बनाए रखते हुए सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए मतदान प्रक्रिया शुरू करने की बात कही, लेकिन कांग्रेस-आप के पार्षद चुनाव का बहिष्कार कर सदन से बाहर चले गए। उन्होंने नगर निगम बिल्डिंग के बाहर सड़क पर बैठकर भाजपा के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। उनकी अनुपस्थिति में हुए चुनाव में भाजपा 16-0 से जीत गई। सीनियर डिप्टी मेयर भाजपा के कुलजीत सिंह संधू और डिप्टी मेयर राजेंद्र शर्मा बने।

सपा के 16 उम्मीदवार घोषित, मैनपुरी से लड़ेंगी डिम्पल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸ लोस चुनाव के लिए फिरोजाबाद से अक्षय व बदायूं से धर्मेन्द्र लड़ेंगे चुनाव

डिंपल यादव। फाइल

संभल के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क पर फिर से भरोसा जताया

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए में शामिल रालोद को सात व कांग्रेस को 11 लोकसभा सीटें देने के बाद मंगलवार को अपने 16 प्रत्याशियों की पहली सूची भी जारी कर दी। पार्टी ने मैनपुरी से सांसद व अखिलेश यादव की पत्नी डिम्पल यादव एवं संभल के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क पर फिर से भरोसा जताते हुए टिकट दिया है। अखिलेश ने फिरोजाबाद से प्रो. राम गोपाल यादव के बेटे व पूर्व सांसद अक्षय यादव, बदायूं से अपने चचेरे भाई व पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव एवं उन्नाव से पूर्व सांसद अनु टंडन को टिकट दिया है।

पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे के साथ लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही सपा ने अपनी पहली सूची में इसका भी ख्याल रखा है। इस सूची में एक मुस्लिम, तीन यादव, चार कुर्मी, चार अति पिछड़ा, तीन सामान्य व एक दलित शामिल हैं। 16 प्रत्याशियों में तीन महिलाएं हैं। इंटरनेट मीडिया एक्स में जारी सूची में सपा ने यह भी लिखा है... होगा पीडीए के नाम-अबकी एकजुट मतदान। सपा ने एटा से देवेश शाक्य, खीरी से उत्कर्ष वर्मा व धौरहरा से पूर्व एमएलसी आनन्द भदौरिया को टिकट दिया है। धौरहरा सीट 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन में बसपा के खाते में थी। अकबरपुर से पूर्व सांसद राजाराम पाल व बांदा से शिवशंकर सिंह पटेल को टिकट दिया गया है। राजाराम पाल वर्ष 2021 में कांग्रेस छोड़कर सपा में आए थे। 2004 में बसपा के टिकट से बिल्हौर लोकसभा (अब अकबरपुर) व वर्ष 2009 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के टिकट से जीता था। फर्रुखाबाद से डा. नवल किशोर शाक्य को टिकट दिया है। कैंसर सर्जन डा. शाक्य का स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी व भाजपा की बदायूं से सांसद संघमित्रा मौर्य से तलाक हो चुका है। बस्ती से पूर्व मंत्री राम प्रसाद चौधरी और गोरखपुर से भोजपुरी फिल्मों की कलाकार काजल निषाद को एक बार फिर टिकट देकर भरोसा जताया है।

न्यूज गैलरी

पीसी जार्ज की केरल जनपक्षम की भाजपा में विलय की योजना

कोट्टायम : केरल के पूर्व विधायक पीसी जार्ज ने संकेत दिया है कि उनके

नेतृत्व वाली केरल जनपक्षम (सेक्युलर) पार्टी का भाजपा में विलय हो सकता है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं की भावनाएं भाजपा में शामिल होने के पक्ष में हैं। इस संबंध में निर्णय लोकसभा चुनाव से पहले लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा कोई निर्णय लिया जाता है तो यह विलय नहीं होगा, क्योंकि हमारी पार्टी बहुत छोटी है। यह नदी में मिलने वाली एक छोटी धारा की तरह होगी। केरल विधानसभा में 30 साल से अधिक समय तक पूंजर सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले जार्ज ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत को इतना कुशल प्रधानमंत्री कभी नहीं मिला। (प्रेट्र)

बंगाल भाजपा प्रमुख ने ममता बनर्जी पर की विवादित टिप्पणी

कोलकाता : बंगाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर विवादित बयान देते हुए लोगों से उन्हें थप्पड़ मारने के लिए कहा है। दक्षिण 24 परगना के मथुरापुर में सोमवार को रैली को संबोधित करते हुए मजूमदार ने कहा कि स्कूल से वापस आने पर आप अपने बच्चों को थप्पड़ मारते हैं और पूछते हैं क्या पढ़ा? अपने बच्चों की जगह ममता को थप्पड़ मारें क्योंकि उन्होंने शिक्षा प्रणाली को बर्बाद कर दिया है। वहीं टीएमसी ने टिप्पणी पर नाराजगी जताई और माफी की मांग की। (राब्यू)

भूपेश बघेल के विधायक पद पर मंडराया खतरा

बिलासपुर : छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के विधायक पद पर खतरा मंडरा रहा है। दरअसल, बघेल के

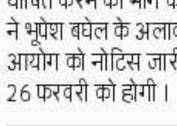

भतीजे और भाजपा सांसद विजय बघेल ने आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें पाटन विधानसभा के चुनावी नतीजे रद किए जाने व भूपेश बघेल को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने की मांग की गई है। हाई कोर्ट ने भूपेश बघेल के अलावा भारत निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया है। सुनवाई 26 फरवरी को होगी। (नईदुनिया)

हमें नीतीश की कोई आवश्यकता नहीं : राहुल

भारत जोड़ो न्याय यात्रा

पूर्णिया से विकाश चन्द्र पाण्डेय

▸ बोले- बिहार में जातिवार गणना कांग्रेस-राजद दबाव में हुई

▸ आर्थिक-सामाजिक न्याय की जताई प्रतिबद्धता

पूर्णिया में मखाने की माला पहना कर राहुल गांधी का स्वागत करते स्थानीय कांग्रेसी। जागरण

नीतीश मामूली दबाव भी नहीं सह पाते। थोड़ा सा दबाव पड़ने पर वे यू-टर्न ले लेते हैं। केंद्र की सत्ता मिलने पर आइएनडीआइए (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) भी पूरे देश में जातिवार गणना कराने के लिए प्रतिबद्ध है और हमें नीतीश की कोई आवश्यकता नहीं। यह बातें राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दूसरे दिन मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान पूर्णिया में रंगभूमि मैदान के मंच से कही। मंच से यह बातें कहकर उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज भी सका। इसके साथ ही दावा यह भी किया कि बिहार में जातिवार गणना उनके (कांग्रेस-राजद) दबाव में हुई। इसके अलावा राहुल सामाजिक-आर्थिक न्याय की अपनी पुरानी बातों को दोहराने के साथ भाजपा पर नफरत फैलाने का आरोप लगाते रहे। गांधी की कर्मभूमि चंपारण और सामाजिक न्यांय की पैरोकारी के हवाले से बिहार का बखान भी किया। राहुल को देखने-सुनने के लिए भारी संख्या में पहुंचे समर्थकों से रंगभूमि मैदान भी खचाखच भर गया, भीड़ इतनी हुई कि वीआइपी परिक्षेत्र की बैरिकेडिंग भी टूट गई।

उन्होंने कहा कि मुझे छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद मुख्यमंत्री आवास लौटते समय नीतीश अपना शाल राजभवन में ही छोड़ गए। उसे लेने के लिए वह दोबारा राजभवन जाते हैं। उन्हें देख राज्यपाल आश्चर्यचकित हो पूछते हैं कि इतनी जल्दी फिर आ गए। नीतीश के पाला बदल की यह स्थिति है। वह दबाव की बात कर रहे। दबाव इसलिए पड़ा, क्योंकि बिहार की जनता से आइएनडीआइए ने सामाजिक न्याय का वादा किया है। नीतीश कहां फंसे, मैं बताता हूं। नीतीश को हमने साफ कह दिया कि आपको जातिवार गणना करानी होगी, हम छूट नहीं देंगे। कांग्रेस-राजद ने दबाव डालकर यह काम कराया। भाजपा नहीं चाहती कि हिंदुस्तान का एक्स-रे हो। वह सामाजिक न्याय के बावजूद जनता को भटकाना चाहती है। दूसरी ओर से दबाव आया और नीतीश बीच में फंस गए। भाजपा ने उन्हें निकलने के लिए रास्ता दिया और नीतीश निकल गए। सामाजिक न्याय का दायित्व बिहार में आइएनडीआइए का है और उसके लिए नीतीश की कोई आवश्यकता नहीं। यहां हम (आइएनडीआइए) अपना काम मिलकर कर लेंगे। इसी मंच से राजद के अशफाक करीम और भाकपा (माले) के दीपंकर भट्टाचार्य हर कदम पर सहयोग की प्रतिबद्धता पहले ही जता चुके थे। सामाजिक न्याय की कड़ी को आर्थिक न्याय से जोड़कर उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए राहुल ने मखाने की वह माला दोबारा सामने करवाई, जो उन्हें मंच पर पहनाई गई थी। अमेरिका की तुलना में भारत में उस माला के मूल्य निर्धारण में वे कई बार लड़खड़ाए-गड़बड़ाए भी। अंततः बताया कि दस किलो की वह माला अमेरिका में डेढ़ लाख की है, जबकि बिहार के किसान को उसके लिए मात्र ढाई हजार रुपये मिल रहे। खून-पसीना एक करने वाले श्रमिकों-किसानों के परिश्रम व योगदान का यह मूल्य है।

राहुल की यात्रा पहुंचने से पहले उप्र में चौड़ी होतीं गठबंधन की दरारें

जितेंद्र शर्मा, नई दिल्ली

▸ 16 सीटों पर सपा ने घोषित किए प्रत्याशी, इनमें कांग्रेस के दावे वाली पांच सीटें भी शामिल

▸ अखिलेश यादव के तेवर और दांव से बातचीत की बाट जोह रही कांग्रेस फिर सन्न

लोकसभा चुनाव के लिए जनसमर्थन जुटाने की आस लिए भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के उत्साह को अपनों से ही चुनौती मिलती जा रही है। बंगाल और बिहार में हाल ही में बड़ा झटका झेल चुकी कांग्रेस की यात्रा अगले माह उत्तर प्रदेश पहुंचने वाली है। कांग्रेस चाह रही थी कि यहां पिछले दो राज्यों जैसी परिस्थितियां न बनें, इसलिए सपा के साथ सीटों के समझौते को जल्द अंतिम रूप दे दिया जाए, मगर वह बातचीत की बाट जोहती रह गई और इस बीच सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कांग्रेस के दावे वाली पांच सीटों पर भी प्रत्याशी घोषित कर विपक्षी गठबंधन की चौड़ी होती दरारों का संकेत दे दिया है।

कांग्रेस को पहला बड़ा झटका बंगाल में लगा। यात्रा के बंगाल प्रवेश के ऐन पहले तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। यहां से जब राहुल की यात्रा बिहार में प्रवेश करने वाली थी, उससे ठीक पहले विपक्षी गठबंधन के सूत्रधार रहे जदयू अध्यक्ष व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पाला बदलकर भाजपा के साथ आ गए। इन घटनाक्रमों से चिंतित कांग्रेस की पिछले दो-चार दिन से तैयारी यह थी कि राहुल गांधी की यात्रा के साथ उत्तर प्रदेश में ऐसा न हो, लेकिन अखिलेश के इस कदम से कांग्रेस सन्न है। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि जब कांग्रेस से बातचीत चल रही है तो अपनी ओर से कैसे प्रत्याशी घोषित करते जा रहे हैं। मुख्य आपत्ति इस बात पर है कि इन 16 सीटों में संभल, धौरहरा, फैजाबाद, खीरी और लखनऊ ऐसी पांच सीटें हैं, जिन पर कांग्रेस ने दावा किया है। बातचीत पूरी नहीं हुई और सपा ने प्रत्याशी घोषित कर दिए। इसे कांग्रेस नेता भी गठबंधन के भविष्य के लिए ठीक नहीं मान रहे हैं।

जदयू को बिहार की भरपाई दूसरे प्रदेशों में कर सकती है भाजपा

सीट बंटवारे पर मंथन

अरविंद शर्मा, नई दिल्ली

▸ बिहार में जदयू को 13 और अन्य राज्यों में चार सीटें देने पर विचार

▸ जदयू की राष्ट्रीय पार्टी की महत्वाकांक्षा को पूरा करेगा यह फार्मूला

नीतीश कुमार। फाइल

बिहार में सत्ता का समीकरण बदलने के साथ ही राजग के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे की अनौपचारिक पहल शुरू हो चुकी है। मुख्य रूप से यह काम दोनों बड़े घटक दलों भाजपा और जदयू को करना है। तीन अन्य सहयोगी दलों को भी सम्मानजनक सीटें देनी हैं ताकि गठबंधन में सहजता बनी रहे। इस प्रयास में जदयू की लोकसभा सीटें तो कम नहीं होंगी किंतु उसे अन्य राज्यों का विकल्प दिया जा सकता है। उसके अभी 16 सांसद हैं, लेकिन बिहार में तीन सीटें कम देकर दूसरे प्रदेशों से भरपाई की जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार, बिहार में पांच दलों वाले राजग में जदयू-भाजपा और लोजपा (दोनों गुट) के बीच सांसदों की वर्तमान संख्या के अनुरूप सीटों को बांटने की तैयारी है। लोकसभा की 40 सीटों वाले बिहार में भाजपा 17-18 सीटों पर लड़ना चाहती है। प्रदेश में उसके अभी 17 सांसद हैं। लोजपा (चिराग पासवान और पशुपति कुमार पारस की पार्टी) के पास भी छह सांसद हैं। तीनों दलों में सीटों का बंटवारा इसी अनुपात में होगा। किंतु उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी रालोजपा एवं जीतनराम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के पास अभी एक भी सांसद नहीं हैं, किंतु ये भी राजग के अहम सहयोगी हैं। गठबंधन में जदयू के आने के बाद भी भाजपा की कोशिश दोनों पुराने मित्र दलों को साथ लेकर चलने की है। ऐसा संकेत भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के उस कदम से मिलता है, जब उन्होंने पटना में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने के लिए कुशवाहा को आग्रह पूर्वक राजभवन बुलाया था। काराकाट जा रहे कुशवाहा उस दिन नड्डा का संदेश मिलते ही बीच रास्ते से लौट गए थे। ऐसे में माना जा रहा कि उन्हें दो सीटें मिल सकती हैं। मांझी को एक सीट तो पक्की है। दूसरी के लिए दबाव बना रहे हैं। भाजपा के सामने बड़ी दुविधा लोजपा के दोनों गुटों को लेकर है। चिराग पासवान अपने चाचा पशुपति पारस से खफा हैं।

जदयू को यूपी, झारखंड व अरुणाचल में मिल सकती हैं सीटें

जदयू के अभी 16 सांसद हैं। बिहार में उसे 13 सीटें मिलेंगी तो बाकी की भरपाई दूसरे राज्यों से होगी। सूत्रों के अनुसार, जदयू को उत्तर प्रदेश, झारखंड एवं अरुणाचल प्रदेश में एक-एक सीट दी जा सकती है। अरुणाचल में जदयू ने पहले ही अपने एक प्रत्याशी की घोषणा कर रखी है। भाजपा उसे समर्थन दे सकती है। इस तरह उसकी सीटों की संख्या कम नहीं होगी। यह फार्मूला जदयू को रास आ सकता है क्योंकि बिहार के बाहर भी उसका संगठन विस्तार हो सकता है। इससे उसे राष्ट्रीय पार्टी बनने में भी मदद मिल सकती है।

विश्वास प्रस्ताव के समय नीतीश सरकार से दो-दो हाथ की तैयारी

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार विधानसभा। फाइल

लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वाले एनडीए के विधायकों पर महागठबंधन की नजर

महागठबंधन के रणनीतिकार अब इस प्रयास में जुट गए हैं कि नीतीश कुमार की नई सरकार से विश्वास प्रस्ताव पर मतदान के समय ही दो-दो हाथ कर लिया जाए। वह नीतीश को विश्वास मत हासिल करने से रोकने की रणनीति पर काम कर रहा है। रणनीति की सफलता के लिए एनडीए के दर्जन से अधिक विधायकों का पाला बदलना जरूरी है।

लोकसभा चुनाव: उम्मीद लोकसभा चुनाव के टिकट पर टिकी है। दोनों गठबंधन के डेढ़ दर्जन से अधिक विधायक लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। ऐसे विधायकों को यह प्रस्ताव दिया जा रहा है कि वह एक हाथ से विधानसभा की सदस्यता छोड़ें, दूसरे हाथ से लोस चुनाव का टिकट लें। 243 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 122 सदस्यों का समर्थन चाहिए। नीतीश सरकार को एनडीए के 127 के अलावा एक निर्दलीय का समर्थन प्राप्त है। उधर महागठबंधन के पांच दलों-राजद, कांग्रेस, भाकपा माले, भाकपा और माकपा के विधायकों की संख्या 114 है। एआइएमआइएम के इकलौते विधायक भी विश्वास मत के विरोध में वोट देंगे। तब विपक्षियों की संख्या 115 हो जाएगी। आकलन है कि एनडीए के 15 विधायक अगर मन बदलते हैं तो नीतीश सरकार को परास्त करना संभव हो जाएगा।

नीतीश कुमार 10 को पेश करेंगे विश्वास मत का प्रस्ताव: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 फरवरी को अपनी सरकार के पक्ष में विश्वास मत का प्रस्ताव पेश करेंगे।

नीतीश-राजभर को पलटूराम बताया तो सपा ने किया निष्कासित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : समाजवादी पार्टी ने युवजन सभा के पूर्व प्रदेश सचिव आशुतोष सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण मंगलवार को निष्कासित कर दिया। उन्होंने सपा कार्यालय के बाहर होर्डिंग लगाया था, जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर को पलटूराम लिखा था। इससे पहले भी उन्होंने सपा दफ्तर के बाहर राम मंदिर का होर्डिंग लगाया था।

मंगलवार को सपा कार्यालय के बाहर लगा यह होर्डिंग कुछ ही देर में चर्चा में आ गया था। इसमें एक तरफ नीतीश कुमार व दूसरी तरफ ओम प्रकाश राजभर की तस्वीर लगाकर लिखा था... राजनीति के दो बड़े पलटूराम जनता रहे इनसे सावधान। इसे युवजन सभा के पूर्व प्रदेश सचिव आशुतोष सिंह ने लगवाया था। इस होर्डिंग पर सुभासपा ने भी तत्काल पलटवार किया। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर ने कहा कि आठ दलों से गठबंधन करके पलटने वाले सपा प्रमुख अपने गिरेबां में झांकें। अखिलेश अपने नेताओं को पहले भी कह चुके हैं कि व्यक्तिगत टिप्पणी न की जाएं।

उलझन

गठबंधन की बैठक में प्रकाश आंबेडकर के प्रतिनिधि को एक घंटा बैठक से बाहर बैठाकर रखा गया, शिवसेना उद्धव गुट के प्रवक्ता संजय राउत का दावा, महाविकास आघाड़ी का हो रहा विस्तार

महाविकास आघाड़ी में भी नहीं चल रहा सब कुछ ठीक

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

उद्धव ठाकरे। फाइल

प्रकाश आंबेडकर। फाइल

विपक्षी दलों का राष्ट्रीय स्तर पर बना आइएनडीआइए तो लगभग दरक ही चुका है, महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी गठबंधन में भी सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। मंगलवार को एक पांच सितारा होटल में हुई इस गठबंधन की बैठक में प्रकाश आंबेडकर के प्रतिनिधि को एक घंटा बैठक से बाहर बैठाकर रखा गया। इससे वह अपमानित महसूस कर रहे हैं।

इस गठबंधन की दिनभर चली बैठक के बाद शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने दावा किया कि महाविकास आघाड़ी का विस्तार हो रहा है। मंगलवार को हुई बैठक में कांग्रेस, राकांपा शरद पवार गुट एवं शिवसेना (यूबीटी) के अलावा इसमें सीपीआइ, शेतकरी कामगार पक्ष, आम आदमी पार्टी, जनता दल यूनाइटेड (जदयू), समाजवादी पार्टी एवं प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन आघाड़ी शामिल हुई। राउत के अनुसार, बैठक में कई महत्त्वपूर्ण और सकारात्मक निर्णय लिए गए हैं। लेकिन इस बैठक में शामिल हुए वंचित बहुजन आघाड़ी के नेता डा. धैर्यवर्धन पुंडकर को एक घंटे से अधिक समय तक बैठक से बाहर बैठाकर रखा गया। बाहर बैठे पुंडकर ने कहा कि मुझे आमंत्रित किया गया था। मैंने बैठक में पूछा कि महाविकास आघाड़ी में सीट बंटवारे का क्या फार्मूला है। इसके बाद मुझे कहा गया कि आप बाहर बैठिए, हम इस पर चर्चा करते हैं। मैं अब डेढ़ घंटे से बाहर हूं। मुझे बाहर बैठाकर अपमान किया जा रहा है।

प्रकाश आंबेडकर काफी समय से अपनी पार्टी को महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी और राष्ट्रीय स्तर पर आइएनडीआइए गठबंधन का हिस्सा बनाना चाह रहे हैं। आइएनडीआइए की मुंबई में हुई बैठक में ही उन्हें इंतजार था कि उन्हें इस बैठक में शामिल होने का न्योता मिलेगा। लेकिन उसके बाद हुई बैठकों में भी उन्हें बाहर ही रखा गया है। शिवसेना (यूबीटी) के साथ उनका गठबंधन शिवसेना में विभाजन के कुछ सप्ताह बाद ही हो गया था। लेकिन, राज्य के विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी में शामिल होने का मौका उन्हें अभी तक नहीं मिला है। डा. धैर्यवान पुंडकर कहते हैं कि मैंने उनसे अनुरोध किया कि यदि आप हमें घटक दल मानते हैं, तो एक पत्र दें। यह पत्र राकांपा शरद पवार गुट के नेता शरद पवार, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे की ओर से दिया जाना चाहिए। साथ ही यह घोषणा भी करनी चाहिए कि हम महाविकास आघाड़ी का हिस्सा हैं।

आखिरी लोकसभा चुनाव में अंतिम बार मतदान के खरगे के बयान पर भाजपा ने किया पलटवार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ लोकतंत्र की आड़ में चल रहे राजवंशों की सत्ता को मिल रही चुनौती : सुधांशु

▸ झलक रही है आइएनडीआइए में मचे घमासान की हताशा : अनुराग ठाकुर

मल्लिकार्जुन खरगे।

सुधांशु। फाइल

आगामी लोकसभा चुनाव में अंतिम बार मतदान का अवसर मिलने के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर भाजपा ने तीखा पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने खरगे के बयान को अशांति उत्पन्न करने वाला बताया है। उन्होंने कहा, असल में लोकतंत्र का आवरण ओढ़े हुए राजवंशों की सत्ता को चुनौती मिल रही है। वहीं, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने खरगे के बयान को आइएनडीआइए में मचे घमासान से उत्पन्न हताशा का परिणाम बताया। जबकि संसदीय कार्यमंत्री प्रल्हाद जोशी ने आइएनडीआइए को ब्रेन डेड बताते हुए कहा कि उसकी स्वाभाविक मौत सुनिश्चित है।

खरगे के बयान को आपत्तिजनक बताते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जनता ने लोकतंत्र के नाम पर राजतंत्र चलाने वाली पार्टियों और परिवारों को नकारना शुरू कर दिया है। इस सिलसिले में उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार, पंजाब में बादल परिवार, हरियाणा में हुड्डा परिवार के चुनावों में हार का उदाहरण दिया। इसके साथ ही उन्होंने अशोक गहलोत, अखिलेश यादव, लालू यादव और केसी राव के परिवारजनों के चुनाव हारने को भी गिनाया। यही नहीं, परिवारवाद के सबसे बड़े प्रतीक राहुल गांधी भी चुनाव हार चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत में वास्तविक लोकसत्ता का प्रादुर्भाव हो चुका है और इसीलिए राजवंशों को आगे रखकर राजनीति करना असंभव हो जाएगा। सुधांशु त्रिवेदी ने विस्तार से बताया कि जवाहरलाल नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक कांग्रेस के सभी प्रधानमंत्री जनता के जीरो समर्थन से सत्ता पर काबिज होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1946 में कांग्रेस की 16 समितियों में किसी ने भी जवाहरलाल नेहरू को प्रधानमंत्री के रूप में नहीं चुना था। इसी तरह इंदिरा गांधी भी पहली बार प्रधानमंत्री कांग्रेस को तोड़कर बनी थीं, जनता के समर्थन से नहीं।

****

15 फरवरी तक सुनाया जाएगा फैसला राकांपा में विभाजन संबंधित अयोग्यता याचिका पर। महाराष्ट्र विस अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने यह बात कही। शरद पवार गुट ने अजीत पवार व आठ विधायकों को अयोग्य करार देने की मांग के साथ याचिका दायर की थी।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर संधू राज्यसभा के लिए मनोनीत

नई दिल्ली, प्रेट्र: चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू को मंगलवार को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संधू को राज्यसभा सदस्य के लिए नामित किया है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संधू के राज्यसभा के लिए नामित करने का स्वागत किया। धनखड़ ने कहा कि सामुदायिक सेवा में उनका कार्य और शिक्षा, नवाचार और सीखने के प्रति उनका जुनून राज्यसभा के लिए ताकत का बड़ा स्रोत होगा। मैं उनके कार्यकाल के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि राष्ट्रपति ने संधू को राज्यसभा के लिए नामित किया है।

प्रधानमंत्री ने संधू को उनकी संसदीय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि उन्हें विश्वास है कि राज्यसभा की कार्यवाही उनके विचारों से समृद्ध होगी। किसान के बेटे संधू भारत के प्रमुख शिक्षाविदों में से एक हैं। शिक्षा प्राप्त करने के लिए संघर्ष करने के बाद संधू ने 2001 में मोहाली के लांडरां में चंडीगढ़ ग्रुप आफ कालेज (सीजीसी) की नींव रखकर विश्व स्तरीय शैक्षणिक संस्थान के निर्माण को अपने जीवन का मिशन बनाया।

अपने परिवार में पहले ग्रेजुएट बने थे सतनाम सिंह

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़

युवाओं को अच्छी शिक्षा देना ही समाज में बेहतर बदलाव का रास्ता
-सतनाम सिंह संधू

- पंजाब के फिरोजपुर जिले के गांव रसूलपुर के किसान परिवार में हुआ था सतनाम सिंह संधू का जन्म
- 100 विद्यार्थियों से की कालेज की शुरुआत, आज 60 देशों के 50 हजार विद्यार्थी पढ़ रहे हैं चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में

सोच यही कि पैसे के कारण कोई शिक्षा से वंचित न रहे

संधू मानते हैं कि शिक्षा समाज में बेहतर बदलाव का सबसे अच्छा जरिया है। उन्होंने कहा कि बचपन में उन्होंने काफी अभाव देखा है, लेकिन वह चाहते हैं कि पंजाब और पूरे देश में कोई भी बच्चा पैसे या फीस के अभाव में शिक्षा से वंचित न रह जाए। संधू के अनुसार 2001 के बाद से एक लाख से अधिक जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के लिए स्कालरशिप का लाभ दिया गया है। यूनिवर्सिटी देश को नामी खिलाड़ी तैयार करने पर फोकस करती है। बीते एशियन गेम्स में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों ने 10 मेडल हासिल किए। देश भर की किसी भी यूनिवर्सिटी से सबसे अधिक 22 खिलाड़ी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी से विभिन्न टीमों का हिस्सा रहे हैं।

जीवन में शिक्षा ही ऐसा माध्यम है, जिससे हर क्षेत्र में आगे बढ़ा जा सकता है। इसी सोच ने एक साधारण किसान के बेटे को यूनिवर्सिटी के चांसलर से राज्यसभा सदस्य बना दिया। मोहाली स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू ग्रामीण परिवेश से आने वाले युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। जीवन में सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने वह सब हासिल किया जिसे पाने का उन्होंने सपना देखा था।

दैनिक जागरण से बातचीत में सतनाम संधू ने कहा कि युवाओं को हमेशा ऊंचे सपने देखने चाहिए। फिर उन्हें पाने के लिए जी जान से मेहनत करनी चाहिए। सतनाम सिंह संधू का जन्म पंजाब के फिरोजपुर जिले के गांव रसूलपुर के किसान परिवार में हुआ। परिवार के हालात बहुत अच्छे नहीं थे, लेकिन पढ़ने की ललक ने उन्हें पीछे मुड़ने नहीं दिया। शुरुआती दिनों में वह पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ाई करते थे। फिरोजपुर के ही सरकारी स्कूल से 12वीं और फिर वहीं स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी से एफिलिएटेड कालेज से ग्रेजुएशन की। सतनाम बताते हैं कि परिवार में वह पहले ग्रेजुएट बने तो घर में खुशी का अलग ही नजारा था।

सतनाम संधू बताते हैं कि उन्हें पढ़ने का शौक था। मगर उनका एरिया शिक्षा के लिहाज से काफी पिछड़ा हुआ था। बस इसी सोच को बदलने के लिए उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का फैसला लिया। सतनाम संधू ने परिवार और दोस्तों की मदद से 2001 में मोहाली स्थित लांडरा में चंडीगढ़ ग्रुप आफ कालेज की शुरुआत की। केवल 100 विद्यार्थियों के साथ चार कोर्स शुरू किए और आज 60 से अधिक देशों के पचास हजार से अधिक विद्यार्थी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे हैं।

रिसर्च ने बनाया टाप यूनिवर्सिटी: मोहाली में 2012 में सतनाम सिंह संधू ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की स्थापना की। केवल 10 वर्षों में यूनिवर्सिटी ने न केवल देश, बल्कि एशिया की टाप यूनिवर्सिटी की रैंकिंग हासिल की। संधू का कहना है कि किसी भी संस्थान के लिए शोध सबसे अनिवार्य क्षेत्र है। यूनिवर्सिटी ने बीते वर्षों में रिकार्ड 2400 पेटेंट रजिस्टर्ड कराए हैं। यूनिवर्सिटी का फोकस भारत सरकार की नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत बदलाव को स्वीकार करना है। इस क्षेत्र में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने इसे स्वीकार किया और लागू करने की पहल की।

बीएचयू बना रहा उत्तर भारत का मानव डीएनए बैंक

जागरण संवाददाता, वाराणसी

बीएचयू

पांच वर्ष में विभिन्न जातियों व जनजातियों के एकत्र होंगे लगभग 50 हजार नमूने

वाराणसी स्थित बीएचयू के जंतु विज्ञान विभाग में उत्तर भारत का डीएनए बैंक स्थापित किया जा रहा है। इसमें विभिन्न जातियों-जनजातियों के लगभग 50 हजार नमूने एकत्र किए जाएंगे। इनके माध्यम से भविष्य में आने वाली किसी भी महामारी का लोगों पर प्रभाव समझने में आसानी होगी। साथ ही भारत में प्रचलित इंडोगेमी व्यवस्था (एक ही जाति में विवाह प्रथा) के कारण उत्पन्न होने वाले माता-पिता से मिलने वाली बीमारियों के जीन आधारित अध्ययन के लिए डीएनए की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। यह डीएनए बैंक भविष्य में पर्सनल मेडिसिन की दिशा में भी कारगर आधार बनेगा। इसके लिए मंगलवार को विभाग के ज्ञानेश्वर लैब में आटोमेटेड डीएनए एक्सट्रैक्टर मशीन लगाई गई।

इस मशीन को लगाने के लिए आए बेंगलुरु के कैंब्रियन बायोवर्क्स के विज्ञानी डा. राघव और हिमानी ने बताया कि यह मशीन मेक इन इंडिया के तहत पूर्ण रूप से स्वदेशी है। इसको इस तरीके से बनाया गया है कि इसमें कम से कम प्लास्टिक का इस्तेमाल हो, ताकि वातावरण को कोई नुकसान न पहुंचे। यह मशीन किसी भी जैविक सामग्री (रक्त, लार, बाल या ऊतक) से डीएनए निकालने में सक्षम है। यह एक बार में 32 नमूनों से 30 मिनट में डीएनए अलग कर सकती है। प्रमुख डीएनए विज्ञानी व शोधकर्ता प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे ने बताया कि बीते वर्ष मार्च में बीएचयू के जंतु विज्ञान विभाग और एडनेट सोसाइटी, हैदराबाद ने पर्सनलाइज्ड मेडिसिन पर तीन दिवसीय कान्फ्रेंस आयोजित किया था। इसमें 15 देशों से 21 प्रसिद्ध विज्ञानी पहुंचे थे। इसमें विशेषज्ञों का एक सुझाव यह भी था कि बीएचयू में एक डीएनए बैंक स्थापित किया जाए। उसी दिशा में यह मशीन लगाई जा रही है। इससे पूरे उत्तर भारत से विभिन्न जातियों और जनजातियों के 50 हजार सैंपल जुटाने की योजना है, इसमे कम से कम पांच वर्ष का समय लगेगा। अगले चरण में इन सैंपल का डीएनए डाटा भी उपलब्ध कराया जाएगा।

न्यूज गैलरी

एक दिन में सात लाख युवाओं को स्वरोजगार देगी मप्र सरकार

भोपाल: मध्य प्रदेश सरकार एक दिन में एक साथ सात लाख युवाओं को स्वरोजगार देगी। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव एक फरवरी को मुरैना में प्रदेश के सात लाख से अधिक युवाओं को एक दिन में 5151 करोड़, 18 लाख, 90 हजार की ऋण राशि देकर रोजगार संपन्न बनाने की शुरुआत करेंगे। एमएसएमई सचिव एवं उद्योग आयुक्त पी. नरहरि ने बताया कि राज्य स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम के साथ ही सभी जिलों में जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम भी होगा, जिसमें युवाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण स्वीकृति पत्र दिए जाएंगे। इसके पहले पांच लाख से अधिक युवाओं को स्वरोजगार दिया गया है। (राब्यू)

जम्मू कश्मीर में स्कूल, सड़कें आदि 33 बलिदानियों के नाम

जम्मू: जम्मू कश्मीर में आतंकियों से लड़ते हुए देश के लिए बलिदान देने वालों 33 सैन्य कर्मियों व जम्मू कश्मीर पुलिस के जवानों की वीरता का सम्मान करते हुए प्रदेश प्रशासन ने विभिन्न जिलों में शिक्षण संस्थान, सड़कें, चौक, बस स्टैंड, टैक्सी स्टैंड व खेल मैदान आदि उनके नाम समर्पित करने का फैसला किया है। बलिदानियों के नाम पर इन जगहों के नाम रखकर उनके स्वजन, सेवारत कर्मियों का मनोबल बढ़ाने के साथ युवाओं में देशभक्ति की भावना को और जागृत करने का प्रयास किया जा रहा है। (राब्यू)

ईडी ने उद्धव गुट के नेता संजय राउत के भाई से की पूछताछ

मुंबई: ईडी ने बीएमसी के खिचड़ी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत के छोटे भाई संदीप राउत से मंगलवार को पूछताछ की। संजय राउत के साथ संदीप दक्षिण मुंबई के बैलार्ड एस्टेट स्थित कार्यालय में जांच एजेंसी के समक्ष पेश हुए। यह मामला बीएमसी द्वारा कोरोना महामारी के दौरान मुंबई में फंसे प्रवासी श्रमिकों को खिचड़ी के पैकेट उपलब्ध कराने के ठेके में नियमों के उल्लंघन से संबंधित है। ईडी ने इस मामले में आदित्य ठाकरे के करीबी सहयोगी और युवा सेना के पदाधिकारी सूरज चव्हाण को गिरफ्तार किया है। ईडी का आरोप है कि सूरज ने एक वरिष्ठ नेता और बीएमसी अधिकारी से निकटता के चलते फोर्स वन मल्टी सर्विसेज को अनुबंध हासिल करने में मदद की। इस लेन-देन में गलत ढंग से 1.35 करोड़ रुपये का लाभ कमाया। ईडी कार्यालय के बाहर मीडिया से बात करते हुए संदीप राउत ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। (प्रेट्र)

रामलला के प्रति मुस्लिमों ने भी अर्पित की आत्मीयता

लखनऊ से पदयात्रा कर अयोध्या पहुंचे राष्ट्रीय एकता-अखंडता के परिचायक श्रद्धालु

जागरण संवाददाता, अयोध्या: रामलला सदैव से आस्था के केंद्र में हैं, किंतु अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में स्थापना के साथ उनके प्रति आस्था का ज्वार उमड़ रहा है। मंगलवार को इस ज्वार में सौ से अधिक मुस्लिम भी शामिल हुए। वे मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संयोजन में आस्था की चौखट पर पहुंचे थे। सभी लखनऊ से 140 किलोमीटर की पदयात्रा कर रामलला के दरबार पहुंचे थे।

श्रीराम के प्रति आदर-अनुराग के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और देश के दो बड़े वर्गों के बीच अभिन्नता प्रतिपादित कर रहा यह समूह दर्शन मार्ग पर रामलला की जय-जयकार करते हुए आगे बढ़ा और रामलला के सम्मुख पहुंच कर खांटी रामभक्तों की तरह रामलला को शिरोधार्य करने के सारे उपक्रम किए। यद्यपि आस्था का यह रंग गुरुवार से ही बिखरा, जब मुस्लिम श्रद्धालुओं का समूह लखनऊ से पैदल ही राम मंदिर की ओर उन्मुख हुआ। प्रतिदिन 25 किलोमीटर की पदयात्रा करता हुआ यह समूह सोमवार को रामनगरी पहुंचा और कबीर धर्म मंदिर में रात्रि विश्राम के साथ और परिशुद्ध होकर मंगलवार को राम मंदिर की ओर बढ़ा। इस समूह में प्रौढ़ों, युवाओं, किशोरों और महिलाओं तक का प्रतिनिधित्व था।

रामलला के दर्शन मार्ग पर पहुंच अभिभूत दिखे मुस्लिम श्रद्धालु। जीतू निषाद

140 किलोमीटर की पदयात्रा कर रामलला के दरबार पहुंचे थे

महंत नृत्यगोपालदास से लिया आशीर्वाद: राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के अवध प्रांत प्रभारी डा. अनिल कुमार सिंह, कबीर मंदिर के महंत उमाशंकरदास और महंत ऋषिकेशदास के नेतृत्व में एकता-अखंडता के परिचायक इन श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। इन श्रद्धालुओं ने रामलला का दर्शन करने से पूर्व कबीर की परंपरा के संत रामसूरत साहेब व उदार साहेब की समाधि पर श्रद्धासुमन भी अर्पित किया। उसके बाद हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। रामलला के दर्शनोपरांत मुस्लिम श्रद्धालुओं ने रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष व मणिरामदास छावनी के पीठाधीश्वर महंत नृत्यगोपालदास महाराज से उनके आश्रम पर जाकर आशीर्वाद लिया।

विश्वनाथ और कृष्णजन्मभूमि विवाद के भी पटाक्षेप की कामना

मुस्लिम श्रद्धालुओं के समूह का नेतृत्व कर रहे ठाकुर राजा रईस ने काशी विश्वनाथ और और मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद के भी पटाक्षेप के साथ वहां मंदिर बनने की इच्छा व्यक्त की। साथ ही रामलला से लखनऊ का नाम लक्ष्मणपुरी किए जाने का आशीर्वाद मांगा। एक अन्य श्रद्धालु शेर अली ने कहा कि राम मंदिर बनने से हम लोग बहुत प्रसन्न हैं और हमने भगवान राम से अमन चैन की दुआ मांगी है। 17 वर्षीय इलियास खान ने कहा कि राम हमारे नबी है और हम निरंतर राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए कार्य करेंगे। हम सनातनी हैं और हमने मंदिर के लिए भी संघर्ष किया।

रामलला को सुबह केसर युक्त दूध, शाम को खीर

प्रवीण तिवारी, अयोध्या

- छह बार आराध्य को अलग-अलग व्यंजनों का निवेदित होता भोग
- आराध्य को सर्दी से बचाने के लिए गर्भगृह में लगा ब्लोअर

अयोध्या में अपने भव्य नव्य मंदिर में विराजित होने के बाद रामलला के ठाठ भी निराले हो गए हैं। आराध्य को सर्दी से बचाने के लिए गर्भगृह में ब्लोअर लगा है। अर्चक भी बाल रूप में भगवान राम को दिन में कई बार भोग अर्पित करते हैं। केसर मिश्रित दूध व तस्मयी (खीर) यहां के विशेष व्यंजन हैं, जो निर्धारित समय पर नित्य निवेदित होते हैं। नियमित रूप से सुबह नौ बजे व अपराह्न दो बजे विशेष बालभोग (जलपान) लगाया जाता है।

आराध्य का शृंगार कर उन्हें रबड़ी, पेड़ा आदि का बाल भोग लगाता है। सुबह साढ़े छह बजे शृंगार आरती होती है। सात बजे से दर्शन का क्रम प्रारंभ हो जाता है। सुबह नौ बजे प्रतिदिन सर्दी को देखते हुए केसर मिश्रित दूध निवेदित होता है। दोपहर 12 बजे भोग आरती होती है। राज भोग में दाल चावल रोटी, सब्जी व हलुआ निवेदित होता है। फिर चार बजे के लगभग रामलला को केसरयुक्त तस्मयी का भोग लगाया जाता है। कभी-कभी भगवान को नमकीन का भी अर्पण होता है। शाम साढ़े सात बजे ही संध्या आरती होती है। फिर से दर्शन प्रारंभ होता है। रात्रि नौ बजे भोग दाल, चावल पूड़ी, सब्जी, खीर का भोग लगाया जाता है। रात्रि 10 बजे शयन आरती होती है।

तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने जारी की दर्शन की समय सारिणी

मंगला आरती : सुबह साढ़े चार बजे
शृंगार आरती, (उत्थान आरती) : सुबह साढ़े छह बजे
भक्तों को दर्शन : सुबह सात बजे से
भोग आरती : दोपहर 12 बजे
संध्या आरती : शाम साढ़े सात बजे
रात्रि भोग आरती : रात्रि नौ बजे
शयन आरती : रात्रि 10 बजे

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में मस्जिद पक्ष की अर्जी पर अब 22 को सुनवाई

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

मथुरा स्थित भगवान श्रीकृष्ण विराजमान कटरा केशवदेव व सात अन्य की तरफ से दाखिल सिविल वाद की पोषणीयता पर अब इलाहाबाद हाई कोर्ट 22 फरवरी 2024 को सुनवाई करेगा। शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी तथा सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की तरफ से यह अर्जी दाखिल की गई है। मंदिर पक्ष के अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये अर्जी दोबारा दाखिल करने लिए वापस लेने की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने दोनों पक्षों को एक-दूसरे के जवाबी हलफनामे पर आपत्ति/प्रतिउत्तर दाखिल करने का समय निश्चित करते हुए कहा है कि आगे समय नहीं दिया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण (ठाकुर केशव देव जी महाराज) विराजमान के सिविल वाद की प्रार्थना संशोधित करने की अर्जी कोर्ट ने मंजूर कर ली है।

व्यास जी के तहखाने में पूजा-पाठ की मांग पर आज आएगा आदेश

जागरण संवाददाता, वाराणसी : ज्ञानवापी स्थित व्यास जी के तहखाना को जिलाधिकारी को सौंपने व उसमें पूजा-पाठ का अधिकारी देने की मांग को लेकर पं. सोमनाथ व्यास के नाती शैलेंद्र पाठक की ओर से दाखिल मुकदमे में जिला जज डा. अजय कृष्ण विश्वेश ने मंगलवार को आदेश सुरक्षित रख लिया है। शैलेंद्र कुमार पाठक की ओर से बीते साल 25 सितंबर को वाद दाखिल कर दावा किया गया था कि ज्ञानवापी के दक्षिण की ओर से मौजूद इमारत में तहखाना है। यह प्राचीन मंदिर के मुख्य पुजारी व्यास परिवार की मुख्य गद्दी है। पर्याप्त साक्ष्य हैं कि वंशानुगत आधार पर पुजारी व्यास जी ब्रिटिश शासनकाल में भी वहां काबिज थे। वहां हिंदू धर्म की पूजा से संबंधित सामग्री बहुत सी प्राचीन मूर्तियां और धार्मिक महत्व की अन्य सामग्री वहां मौजूद हैं।

ज्ञानवापी की सर्वे रिपोर्ट वादमित्र को देने का आदेश

जागरण संवाददाता, वाराणसी : वाराणसी स्थित ज्ञानवापी में हुए एएसआइ के सर्वे की रिपोर्ट की प्रति स्वयंभू विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की ओर से 1991 में दाखिल मुकदमे के वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी व अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद को सौंपी जाएगी। सिविल जज (सीनियर डिवीजन) फास्ट ट्रैक प्रशांत कुमार सिंह की अदालत ने मंगलवार को यह आदेश दिया। उन्होंने कहा कि दोनों ही पक्षों को सर्वे रिपोर्ट उपलब्ध कराना जरूरी है ताकि जिन्हें आपत्ति प्रस्तुत करनी हो, वे कर सकें। अगली सुनवाई पांच फरवरी को होगी। एएसआइ ने 24 जनवरी को सर्वे रिपोर्ट सिविल जज (सीनियर डिवीजन) फास्ट ट्रैक कोर्ट को सौंपी थी। वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी व अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद ने भी रिपोर्ट देने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था।

अमेरिका के ह्यूस्टन में आसमान में लहराया 'जय श्रीराम' का बैनर

अमेरिका के ह्यूस्टन में आसमान में हवाई जहाज से लहराया गया बैनर, जिस पर लिखा है, 'यूनिवर्स चैंट्स जय श्रीराम'। प्रेट्र

ह्यूस्टन, प्रेट्र : अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के एक सप्ताह के बाद भी भारतवंशी अमेरिकियों के बीच उत्साह बना हुआ है। अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में हवाई जहाज से एक बैनर लहराया गया जिस पर लिखा था, 'यूनिवर्स चैंट्स जयश्री राम' यानी ब्रह्मांड में गूंज रहा जय श्रीराम। ह्यूस्टन में पिछले दिनों कंपकंपाती सर्दी और बारिश के बावजूद परंपरागत भारतीय परिधान पहने भारतवंशी समुदाय के लोग रविवार को ह्यूस्टन के गुजरात समाज और अन्य स्थानों पर जमा हुए। हाथ में भगवा झंडा लिए लोग 'जय श्रीराम' के नारे लगा रहे थे। जिस विमान पर यह बैनर लहराया गया, उसके पायलट का भी 'जय श्रीराम' के नारे से अभिनंदन किया गया। आयोजकों ने रविवार को दोपहर एक से तीन बजे के बीच पूरे ह्यूस्टन में अपनी तरह के पहले हवाई बैनर के बारे में प्रचार किया। भारतवंशी आसमान में निहारते रहे। इसके लिए प्रचार करने वाले फ्लायर पर लिखा था, 'आसमान पर नजर रखें और जब आप अपने इलाके में विमान को देखें तो जय श्रीराम के नारे लगाएं।' इस शो के आयोजक उमंग मेहता ने कहा, '500 साल के संघर्ष के बाद श्रीराम मंदिर के उद्घाटन का उत्सव मनाने के लिए इस कार्यक्रम की कल्पना की गई और संदेश दिया गया जो हिंदुओं के बीच गूंजता रहे।'

कल से रामनगरी के लिए आठ और उड़ानें

जासं, अयोध्या: रामनगरी को एक फरवरी से आठ नई उड़ानें मिल जाएंगी। अयोध्या से स्पाइस जेट एअरलाइन एक फरवरी से उड़ानें आरंभ करने जा रही है। अयोध्या नए हवाई रूटों से भी जुड़ेगी। स्पाइस जेट अयोध्या को चेन्नई, जयपुर, पटना, दरभंगा से जोड़ेगी। अभी तक इन स्थानों से अयोध्या के लिए उड़ानें नहीं थीं। इसके साथ ही दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई और बेंगलुरु के लिए स्पाइस जेट की उड़ानें आरंभ हो जाएंगी। वर्तमान समय में एयर इंडिया एक्सप्रेस व इंडिगो एअरलाइन की उड़ानें अयोध्या से हैं। दोनों कंपनियां, दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और बेंगलुरु के लिए फ्लाइट उपलब्ध करा रही हैं। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद अयोध्या आने वालों का तांता लगा है। मेट्रो शहरों से लोगों का आना लगातार जारी है। इसी कारण सभी फ्लाइट पूरी क्षमता से यहां यात्रियों को लेकर आ रही है। स्पाइस जेट की भी अयोध्या से उड़ानें आरंभ होने पर तीनों कंपनियों में प्रतिस्पर्द्धा बढ़ेगी, जिसका लाभ यात्रियों को कम किराये के रूप में मिलेगा।

'राजनेताओं को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए'

नई दिल्ली, प्रेट्र : असमी लोगों के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए दर्ज कई प्राथमिकियों के संबंध में गिरफ्तारी से संरक्षण का अनुरोध करने वाली बंगाल के एक राजनीतिक टिप्पणीकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा, 'नेताओं को मोटी चमड़ी वाला (अर्थात लोगों की टिप्पणी से अप्रभावित रहने वाला) होना चाहिए।'

- बंगाल के राजनीतिक टिप्पणीकार की याचिका पर सुनवाई के दौरान की टिप्पणी
- कहा, आजकल पत्रों व साक्षात्कारों के संबंध में जजों को भी सतर्क रहने की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

2020 में ट्विटर (अब एक्स) पर कुछ टिप्पणियां की थीं। '19 अगस्त, 2020 को याचिकाकर्ता ने असम के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली अपनी टिप्पणी के लिए सार्वजनिक माफी मांगी थी

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने बंगाल के एक राजनीतिक टिप्पणीकार गर्ग चटर्जी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, 'नेताओं को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए। आजकल पत्रों और साक्षात्कारों के संबंध में हम जजों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। अगर हम उनकी बात सुनने लगेंगे, तो काम ही नहीं कर पाएंगे।' गर्ग चटर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल और अधिवक्ता आशुतोष दुबे ने पीठ को बताया कि उन्होंने 2020 में ट्विटर (अब एक्स) पर कुछ टिप्पणियां की थीं। उनके विरुद्ध असम और बंगाल में कई प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं, जिन्हें आगे की जांच के लिए एक साथ जोड़कर किसी तटस्थ राज्य में स्थानांतरित करने की जरूरत है।

असम के तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने चटर्जी की गिरफ्तारी का आदेश दिया था, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा, '19 अगस्त, 2020 को याचिकाकर्ता ने असम के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली अपनी टिप्पणी के लिए सार्वजनिक माफी मांगी थी।' पीठ ने उनसे पूछा कि उन्हें जमानत दी गई या नहीं।

अग्रवाल ने कहा कि जमानत दे दी गई और उन्हें नौ सितंबर, 2022 को इस अदालत द्वारा बंगाल और असम में दर्ज प्राथमिकियों के संबंध में गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की गई। इसके बाद पीठ ने मामले को गैर-विविध दिन पर अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया और दलीलें पूरी करने को कहा।

सड़क दुर्घटना में मानवेंद्र सिंह और उनका बेटा घायल, पत्नी का निधन

जासं, जयपुर: पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह की पुत्रवधु और पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह की पत्नी चित्रा सिंह का मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। हादसे में मानवेंद्र सिंह, उनका पुत्र हमीर सिंह और चालक रतन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मंगलवार शाम राजस्थान में अलवर जिले के खुसपुरी के निकट दिल्ली-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। मानवेंद्र के सीने की पसली टूटी है। उनके पुत्र की नाक में फ्रैक्चर है। अलवर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल सिंह ने बताया कि कार (जीप कम्पास) में चार लोग सवार थे। ये दिल्ली से जयपुर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार डिवाइडर पार करते हुए दीवार से टकरा गई। चित्रा सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मानवेंद्र, उनके पुत्र व चालक को अस्पताल तक पहुंचाया। मानवेंद्र पूर्व में भाजपा के टिकट पर बाड़मेर-जैसलमेर सीट से सांसद रहे थे।

अदालत की ओर से फैसला लेने में देरी पर याची क्यों भुगते खामियाजा

दयानंद शर्मा, चंडीगढ़

- भर्ती के 10 साल बाद एक उम्मीदवार को आइटीबीपी कांस्टेबल नियुक्त करने पर विचार करने का आदेश दिया

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) में कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) की चयन प्रक्रिया पूरी होने के लगभग 10 साल बाद पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक ऐसे उम्मीदवार पर विचार करने का निर्देश दिया है, जिसकी उम्मीदवारी इसलिए खारिज कर दी गई थी, क्योंकि वह निर्धारित प्रारूप में ओबीसी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में विफल रहा था। हाई कोर्ट का विचार था कि उम्मीदवार ने तुरंत अदालत का दरवाजा खटखटाया था और उसे अदालत की ओर से न्याय मिलने में हुई देरी के लिए पीड़ित नहीं किया जा सकता है।

कोर्ट ने यह भी माना कि ओबीसी प्रमाणपत्र देर से जमा करने पर उम्मीदवारी रद नहीं की जा सकती। हाई कोर्ट ने केंद्र से कहा कि अगर वह निर्धारित शारीरिक फिटनेस पूरी करता हैं तो उसे नियुक्ति दी जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में चयन प्रक्रिया 2011 में शुरू की गई थी और अंततः 2014 में पूरी हुई है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से कोई देरी या चूक नहीं हुई है, याचिका 2016 से कोर्ट के समक्ष लंबित है और कोर्ट की चूक के कारण किसी को परेशान नहीं किया जा सकता। हाई कोर्ट के जस्टिस जगमोहन बंसल ने हरियाणा निवासी राकेश कुमार की याचिका को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किए हैं। याचिकाकर्ता ने नौकरी के आवेदन के साथ ओबीसी प्रमाणपत्र निर्धारित प्रारूप में नहीं दिया था। याचिकाकर्ता ने दस्तावेजों की जांच के लिए निर्धारित तिथि से पहले निर्धारित प्रारूप में ओबीसी प्रमाणपत्र हासिल कर लिया था, इस पर विचार नहीं किया गया, क्योंकि याचिकाकर्ता के पास आवेदन दाखिल करने के समय उक्त प्रमाण पत्र नहीं था। जस्टिस बंसल ने याचिकाकर्ता को राहत देते हुए आदेश में कहा कि ऐसी सभी संभावनाएं हैं कि याचिकाकर्ता ने उक्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है।

****

50 लाख रुपये का बांड घटाया गया पीजी कोर्स करने वाले सरकारी डाक्टरों के लिए हरियाणा में। पहले यह राशि एक करोड़ रुपये थी। स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के साथ हुई समझौता वार्ता में इस पर सहमति बनी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 31 जनवरी, 2024

तेजस्वी से आठ घंटे पूछताछ, लालू के जवाबों से किया गया मिलान

जमीन के बदले नौकरी घोटाला ▸ दिल्ली के आवास और कमाई के दूसरे स्रोतों सहित कुल 60 सवाल पूछे गए

ईडी ने एक दिन पहले इस मामले में लालू से 10 घंटे तक की थी पूछताछ

राज्य ब्यूरो, पटना

जमीन के बदले नौकरी घोटाले में ईडी ने राजद के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से लगभग आठ घंटे तक पूछताछ की। ईडी के अधिकारियों ने लगभग 60 सवालों की एक सूची तैयार की थी। जिन्हें आधार बनाकर पूछताछ की गई। इससे पहले ईडी ने उन्हें समन भेजा था मगर तेजस्वी पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुए थे।

तेजस्वी यादव को जमीन के बदले नौकरी मामले में बीते साल 19 दिसंबर को पहला समन दिया गया था। समन के अनुसार उन्हें 22 दिसंबर को इस मामले में पूछताछ के लिए हाजिर होना था। लेकिन, राजनीतिक व्यस्तता की वजह से तेजस्वी पूछताछ को नहीं पहुंचे। फिर दूसरा समन देकर तेजस्वी को पांच जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया गया। लेकिन, दूसरे समन में भी तेजस्वी हाजिर नहीं हुए। तीसरे समन के बाद वह मंगलवार को सुबह करीब 11.15 बजे अपने आवास से निकले और बैंक रोड स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे। करीब रात आठ बजे तेजस्वी से पूछताछ समाप्त हुई और वह वहां से अपने आवास के लिए प्रस्थान कर गए।

जमीन के बदले नौकरी घोटाला प्रकरण में मंगलवार को पटना में ईडी के समक्ष पेश होने पहुंचे बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव। प्रेट्र

तेजस्वी के जवाब में देखी गई समानता : उधर, बैंक रोड में तेजस्वी के पहुंचने के पहले ही राजद नेताओं का हुजूम उमड़ पड़ा था। अपने नेता के समर्थन में पार्टी के नेता-कार्यकर्ता प्रदर्शन करते दिखे। तेजस्वी लोगों को समझाते-बुझाते ईडी दफ्तर के अंदर गए। सूत्रों ने बताया कि पौने 12 बजे से पूछताछ शुरू हुई। तेजस्वी यादव से जांच एजेंसी ने उनके दिल्ली स्थित फ्रेंडस कालोनी वाले आवास से लेकर आय के दूसरे स्रोतों के बारे में पूछताछ की गई। लालू प्रसाद ने सोमवार को पूछताछ में जो भी बताया, तेजस्वी के जवाब में उसकी समानता भी परखी गई। दूसरी ओर ईडी दफ्तर के बाहर सुरक्षा कारणों से भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। दोपहर के बाद तेजस्वी के बड़े भाई व पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव अपनी बहन राज्यसभा सदस्य मीसा भारती के साथ ईडी दफ्तर के पास पहुंचे। मीसा ने कहा, उनके परिवार को परेशान करने के लिए ईडी जैसी एजेंसियों का सहारा लिया जा रहा है।

इंटरनेट मीडिया पर हमलावर रहीं रोहिणी आचार्य : तेजस्वी से ईडी की पूछताछ को लेकर रोहिणी आचार्य मंगलवार को भी एक्स मीडिया पर लगातार हमलावर रहीं। रोहिणी ने एक साथ कई पोस्ट डाली। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि तेजस्वी डरने वाला नहीं है। भाजपा को धूल चटाने वाला है।

अकेले डटा है, शेर दिल नेता का जो बेटा है। अगले पोस्ट में कहा, हार का डर सता रहा भाजपा को इसलिए ईडी के बल पर डरा रही तेजस्वी को। इससे पहले सोमवार को ईडी जब लालू प्रसाद से जमीन के बदले नौकरी प्रकरण में पूछताछ कर रही थी, उस वक्त भी रोहिणी इंटरनेट मीडिया पर लगातार सक्रिय रहीं।

लालू परिवार के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल करेगी सीबीआइ

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ केंद्रीय एजेंसी ने राउज एवेन्यू कोर्ट कहा, जांच पूरी होने वाली है

▸ 18 मई 2022 को लालू, राबड़ी समेत 19 के खिलाफ दर्ज किया था केस

जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े मामले में सीबीआइ ने अदालत को बताया कि वह पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ एक महीने के भीतर पूरक आरोपपत्र दाखिल करेगी। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष सीबीआइ ने कहा कि मामले में जांच पूरी होने वाली है। फरवरी के अंत तक पूरक आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा।

सीबीआइ ने जांच के दौरान जब्त किए गए 13 लाख रुपये जारी करने के लिए राजद नेता अहमद अशफाक करीम द्वारा दायर एक आवेदन पर जवाब देते हुए अदालत को यह जानकारी दी। अदालत ने पूरक आरोपपत्र दाखिल होने तक आवेदन को लंबित रखा है। मामले में अगली सुनवाई 27 फरवरी को होगी। मामले में इससे पहले अदालत ने लालू प्रसाद यादव, पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य को तलब किया था।

प्रतीकात्मक

पूरा मामला वर्ष 2004 से 2009 तक रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल के दौरान रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में की गई ग्रुप-डी की नियुक्तियों से संबंधित है। सीबीआइ ने 18 मई 2022 को लालू यादव, राबड़ी देवी, उनकी दो बेटियों और अज्ञात लोक सेवकों और निजी लोगों सहित 15 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

रेलवे बोर्ड ने दिव्यांग कर्मियों को पदोन्नति देने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, प्रेट्र : रेलवे बोर्ड ने अपने सभी जोन व उत्पादन इकाइयों को 30 जून 2016 से दिव्यांग कर्मचारियों को नोशनल पदोन्नति देने का निर्देश जारी किया है। रेलवे बोर्ड ने गत 18 जनवरी को भेजे पत्र में कहा कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने गत 28 दिसंबर को इस संबंध में निर्देश जारी किया था और सभी रेलवे जोन को गैर-राजपत्रित पदों के लिए इसका पालन करना चाहिए।

नेशनल फेडरेशन आफ इंडियन रेलवेमेन (एनएफआइआर) के महासचिव एम राघवैया ने नोशनल पदोन्नति का मतलब समझाते हुए कहा कि कर्मचारियों को 30 जून 2016 से पदोन्नत किया जाएगा, लेकिन उन्हें कोई बकाया नहीं मिलेगा। उन्हें पदोन्नति की वास्तविक तारीख से बढ़ा वेतन मिलेगा। दिव्यांगों के अधिकारों की वकालत करने वालों ने फैसले का स्वागत किया है और इसे सरकार के साथ-साथ रेलवे का भी योग्य कदम बताया है। यूनिवर्सिटी कालेज आफ मेडिकल साइंसेज और गुरु तेग बहादुर हास्पिटलनिदेशक प्रोफेसर डॉ. सतेंद्र सिंह ने कहा कि यह लंबे समय से लंबित था और सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद इसमें अनावश्यक रूप से देरी हुई। आखिरकार सकारात्मक कार्यों को उनका हक दिया जा रहा है।

लालू के साले सुभाष यादव के घर कुर्की का इश्तेहार चस्पा

जागरण टीम, पटना

▸ पूर्व राज्य सभा सदस्य सुभाष ने रुपये देने का आश्वासन दे करा ली जमीन की रजिस्ट्री

▸ रुपये मांगने पर माता-पिता को घर पर बुलाकर बंधक बना लिया तथा जान से मारने की धमकी दी

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के साले व पूर्व राज्यसभा सदस्य सुभाष प्रसाद यादव के घर पर बिहटा के पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को डुगडुगी बजाकर कुर्की जब्ती का इश्तेहार चिपकाया। सुभाष पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर करीब 60 लाख रुपये हड़पने का मामला दर्ज है, वह इस मामले में फरार चल रहे हैं। पुलिस ने यह कार्रवाई मंगलवार को ही पटना के एमपी/एमएलए कोर्ट की विशेष न्यायाधीश सारिका बहालिया द्वारा पूर्व सांसद की अदालत में उपस्थिति के लिए इश्तेहार चस्पा करने के आदेश के बाद की।

बिहटा थाने के इंस्पेक्टर कमलेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा, सुभाष यादव के राजा बाजार के कौटिल्य नगर, विधायक कालोनी स्थित मकान पर न्यायालय के आदेश से इश्तेहार चिपकाया गया है। आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात व रंगदारी से संबंधित मामला बिहटा थाने में दर्ज है। बिहटा के बेला निवासी भीम वर्मा ने जमीन बेचने के लिए 27 फरवरी 2021 को गांव के ही अरुण कुमार से तीन माह के लिए एग्रीमेंट किया था। अरुण ने पैसे नहीं दिए और पेपर भी रख लिए। इसके बाद सुभाष यादव की पत्नी रेणु दवी ने जमीन खरीदने की बात कही। भीम ने रजिस्ट्री कराने से पहले सुभाष यादव को बताया था कि इसे लेकर पहले से अरुण कुमार से एग्रीमेंट है। भीम के अनुसार अगले दिन सुभाष ने उन्हें मां एवं भाई के साथ घर बुलाया और रुपये देने का आश्वासन देते हुए जमीन की रजिस्ट्री करा ली। रुपये की मांग करने पर माता-पिता को घर पर बुलाकर बंधक बना लिया तथा जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद भीम ने चार मई 2023 को पूर्व सांसद के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

दिल्ली में ईडी ने बरामद किए 36 लाख, कार भी जब्त

प्रथम पृष्ठ से आगे

सोमवार सुबह से रात तक ईडी ने दिल्ली में हेमंत सोरेन के शांतिनगर स्थित आवास तथा झारखंड भवन समेत तीन स्थानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान ईडी ने 36 लाख रुपये नकद और एक बीएमडब्ल्यू कार तथा जमीन से संबंधित कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं। जिस बीएमडब्ल्यू कार की बरामदगी हुई है, वह भगवान दास होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर पंजीकृत है। इस कंपनी के नाम की कार सीएम आवास में कैसे पहुंची, इसका पता लगाया जा रहा है।

पत्रकारों ने पूछा कहां थे तो बोले- आपके दिल में... : ईडी पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दिल्ली में तलाशती रही, लेकिन वह वहां नहीं मिले और अगले दिन अचानक रांची में दिखे। इसके बाद उनकी अनुपस्थिति वाले हाई वोल्टेज ड्रामे में थोड़ा ठहराव आया। हेमंत इस दौरान कहां रहे, यह अभी भी रहस्य बना हुआ है। रांची में मुख्यमंत्री से मीडियाकर्मियों ने पूछा कि आप कहां थे तो उन्होंने जवाब दिया- आपके दिल में...।

छापेमारी के दौरान ईडी द्वारा बरामद नकदी। प्रेट्र

भाजपा ने कसे तंज, झामुमो का पलटवार

सोमवार दिनभर हेमंत के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आने तथा ईडी के अफसरों द्वारा उनकी तलाश किए जाने के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे समेत तमाम भाजपा नेताओं ने हेमंत पर तंज कसे। बाबूलाल ने एक्स पर पोस्ट किया कि झारखंड के सीएम लापता हो गए हैं। साथ ही लिखा कि ढूंढने वाले को 11 हजार का इनाम दिया जाएगा। हेमंत के वापस रांची लौटने पर उन्होंने लिखा कि दौड़ते-भागते हांफते झारखंड के सीएम पैदल 1,295 किलोमीटर की यात्रा कर दिल्ली से रांची लौट आए हैं। झारखंड के लिए यह राहत की बात है। सांसद निशिकांत ने भी इस तरह के कई पोस्ट किए। भाजपा ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री ईडी की कार्रवाई के डर से "फरार" हैं। उधर, झामुमो ने पलटवार करते हुए कहा कि हमारी पार्टी बाबूलाल मरांडी के दिमाग का इलाज करने वाले मनोचिकित्सक को 11 लाख रुपये देगी। झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि दिल्ली में बरामद रुपये भाजपा और ईडी ने प्लांट किए हैं। साथ ही हेमंत विरोधी बयानों के लेकर भाजपा नेताओं के विरुद्ध मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी भी दी।

हेमंत की भाभी बोलीं, सीएम के रूप में कल्पना स्वीकार नहीं

राज्य ब्यूरो, रांची

हेमंत सोरेन द्वारा पत्नी कल्पना को सीएम बनाए जाने संबंधी चर्चा पर उनकी भाभी और झामुमो विधायक सीता सोरेन नाराज हैं। वह मंगलवार को विधायक दल की बैठक में शामिल होने नहीं पहुंचीं। उन्होंने बयान जारी कर कहा, अगर हेमंत अपनी पत्नी कल्पना को सीएम बनाने की कोशिश करेंगे तो किसी हाल में समर्थन नहीं करूंगी। सीता सोरेन ने अपनी बेटी को सीएम बनाने की मांग रखी है और कहा कि अगर हेमंत को अपने बड़े भाई की पुत्री से स्नेह है तो वह पिता के तौर पर उसे आशीर्वाद दें। सीता ने दावा किया, पार्टी के कई विधायक मेरे समर्थन में हैं। सीता ने कहा, घर की बड़ी बहू होने के नाते मेरा पहला हक बनता है। 2019 में मैंने हेमंत को सीएम बनाने के फैसले को मैंने स्वीकार कर लिया था। उस वक्त भी मेरी उपेक्षा की गई। तब चुप रही, अब नहीं रहूंगी। मेरे दिवंगत पति दुर्गा सोरेन ने झामुमो की स्थापित के लिए काफी संघर्ष किया था। पति के निधन के बाद दो बच्चियों को मैंने काफी तकलीफों से पाला है। बता दें कि सीता पहले भी हेमंत और अपनी सरकार के खिलाफ बोलती रही हैं।

बिहार में दरभंगा राज परिवार के मंदिरों के करोड़ों के आभूषण बेचे, तीन गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, दरभंगा

▸ राजकुमार कपिलेश्वर सिंह ने फर्जीवाड़ा कर बैंक लाकर से आभूषण निकालने का लगाया आरोप, दर्ज कराई प्राथमिकी

▸ आभूषण व्यवसायी, कामेश्वर धार्मिक न्यास के ट्रस्टी व मैनेजर गिरफ्तार, 1.6 किलो सोना व 33 किलो चांदी जब्त

बिहार में दरभंगा राज परिवार के 108 मंदिरों के करोड़ों के आभूषण फर्जी ढंग से बैंक लाकर से निकालकर बेच दिए गए। राजकुमार कपिलेश्वर सिंह ने मंगलवार को विश्वविद्यालय थाने में बैंक लाकर से अनधिकृत रूप से करोड़ों के आभूषण निकालने और उसे बेचने की प्राथमिकी दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने सोने व चांदी के आभूषणों को खरीदने वाले दुकानदार सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में उदयनाथ झा उर्फ विष्णु, ट्रस्ट के प्रबंधक केदार नाथ मिश्रा और आभूषण व्यवसायी शत्रुघ्न प्रसाद शामिल हैं। पुलिस ने शत्रुघ्न प्रसाद के दरभंगा टावर स्थित दुकान से गला हुआ 1.6 किलो सोना व 33 किलो चांदी जब्त की है। मामले में कई सफेदपोशों के भी संलिप्त होने की आशंका है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

सदर एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि तीनों आरोपितों से थाने में सघन पूछताछ की गई। उदयनाथ झा उर्फ विष्णु ने अपने को निर्दोष बताया। कहा, हमने न तो अनधिकृत रूप से आभूषण निकाला और न ही उसे बेचा। जो किया, उसकी मुझे पावर आफ अटार्नी है। इसी के तहत सब कुछ किया गया है। लगाए गए आरोप निराधार हैं। आभूषण व्यवसायी शत्रुघ्न प्रसाद ने बताया कि उसके उदयनाथ झा उर्फ विष्णु के साथ पुराने संबंध हैं। कुछ दिन पूर्व उन्होंने आभूषण लाकर दिए और उसे बेचने की बात कही थी। आभूषणों का उचित मूल्य जानने के लिए उसे गलाना आवश्यक होता है। यह सलाह देने पर वे आभूषण देने को तैयार हुए। आभूषणों को गलाने से जो सोना और चांदी प्राप्त हुई, उसका मूल्य 88 लाख रुपये निर्धारित हुआ। रुपये मांगने पर उन्होंने उदयनाथ झा से आभूषणों के कागजात मांगे। उन्हें आज कागजात सौंपना था। भुगतान के लिए चेक तैयार कर लिया था। इसी बीच पुलिस ने कार्रवाई की।

बिहार के दरभंगा में जब्त आभूषणों की जांच करते सदर एसडीपीओ अमित कुमार। जागरण

दो दशकों में निचली अदालतों की ओर से दी गई मौत की सजाएं

प्रथम पृष्ठ से आगे

फरवरी 2022 : अहमदाबाद की एक सत्र अदालत ने 2008 के अहमदाबाद सिलसिलेवार विस्फोट मामले में 38 दोषियों को मौत की सजा सुनाई।

दिसंबर 2016 : विशेष एनआइए अदालत ने 2013 के हैदराबाद विस्फोट मामले में इंडियन मुजाहिदीन के सह-संस्थापक यासीन भटकल और चार अन्य को मौत की सजा सुनाई।

अप्रैल 2014 : मुंबई की अदालत ने 2013 में एक कपड़ा मिल के अंदर एक फोटो पत्रकार के साथ दुष्कर्म करने के तीन दोषियों को मौत की सजा सुनाई।

सितंबर 2013 : 2012 के दिल्ली के निर्भया मामले में चार लोगों को मौत की सजा सुनाई गई। उन्हें मार्च 2021 में फांसी दे दी गई।

मार्च 2011 : एक विशेष अदालत ने गोधरा ट्रेन जलाने के मामले में 11 दोषियों को मौत की सजा सुनाई।

जुलाई 2007 : एक विशेष टाडा अदालत ने 1993 के मुंबई सिलसिलेवार विस्फोट मामले में 12 दोषियों को मौत की सजा सुनाई। सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2013 में याकूब मेमन की सजा बरकरार रखते हुए 10 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। उसे 30 जुलाई 2015 को नागपुर सेंट्रल जेल में फांसी दे दी गई।

पंजाब पुलिस ने 616 किलो हेरोइन बरामदगी के मामले में फरार दो भाइयों को किया गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, अमृतसर

▸ वर्ष 2021 में मुंबई पोर्ट पर डीआरआइ ने 260 किलो हेरोइन और दिल्ली में पकड़ी गई थी 356 किलो हेरोइन

▸ आरोपितों से तीन किलो हेरोइन और 5.25 लाख रुपये ड्रग मनी बरामद

पंजाब पुलिस ने मुंबई पोर्ट पर वर्ष 2021 में डीआरआइ की तरफ से 260 किलो हेरोइन और दिल्ली में स्पेशल सेल द्वारा जब्त की गई 356 किलो हेरोइन के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपित दो भाइयों को अमृतसर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने महिला सहित तीन अन्य लोगों को भी पकड़ा है। आरोपितों के पास से तीन किलो हेरोइन, 5.25 लाख रुपये ड्रग मनी, तीन कार व एक मोटरसाइकिल मिली है। आरोपित भाइयों की पहचान मनजीत सिंह उर्फ मन्ना और लवजीत सिंह उर्फ लव के रूप में हुई है। अन्य आरोपितों की पहचान मनप्रीत सिंह हरमनजीत सिंह और केस कौर उर्फ कंतो के रूप में हुई है। दोनों भाइयों ने फर्जी पासपोर्ट भी बनवा लिया था और विदेश भागने की फिराक में थे।

पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि डीसीपी (इन्वेस्टिगेशन) हरप्रीत सिंह मंडेर व एसीपी सुरेंद्र सिंह की टीम ने तरनतारन के हरमनजीत सिंह को दो किलो हेरोइन के साथ 20 जनवरी को पकड़ा था। उसके पास से एक लाख, 25 हजार रुपये की ड्रग मनी और एक कार भी मिली थी। पूछताछ में उसने बताया कि हेरोइन की खेप वह मनजीत से लेकर सप्लाई करने के लिए आया है। इसके बाद मनजीत, लवजीत और मनप्रीत को गिरफ्तार कर लिया गया। इनके कब्जे से एक किलो हेरोइन, एक फार्च्यूनर गाड़ी, चार लाख रुपये की ड्रग मनी और एक मोटरसाइकिल मिली। इसके बाद इनका साथ देने वाली महिला केस कौर को भी पकड़ लिया गया। हरमनजीत, मनप्रीत और केस कौर को जेल भेज दिया गया है। दोनों भाइयों का रिमांड लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। भुल्लर ने बताया कि दोनों भाइयों ने लखीमपुर खीरी के पते से फर्जी पासपोर्ट बनवाया था। मनजीत सिंह जसप्रीत सिंह और लवप्रीत हरमन के नाम से विदेश भागने वाला था। दोनों वर्ष 2015 से ही फरार चले आ रहे थे। ये मुंबई पोर्ट और दिल्ली स्पेशल सेल की तरफ से हेरोइन की भारी खेप पकड़े जाने के बाद मप्र के शिवपुरी जिले में छिपे थे। वहां पर इन लोगों ने जमीन भी खरीदी थी। कई बार वहां से ही इन्होंने हेरोइन की सप्लाई भी दी है। दोनों भाइयों के खिलाफ 12 से अधिक केस दर्ज हैं।

अमृतसर में गिरफ्तार आरोपितों के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर (मध्य)। सौ. पुलिस

दो ड्रोन बरामद, साढ़े पांच किलो हेरोइन भी मिली : बीएसएफ व अमृतसर पुलिस ने अमृतसर के गांव सारंगड़ा और गांव दाउके में पाकिस्तान से आए दो ड्रोन समेत साढ़े पांच किलो हेरोइन बरामद की है।

बस चालक को पड़ा दिल का दौरा, मौत से पहले बचाई 50 यात्रियों की जान

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

▸ ओडिशा के बालेश्वर में सीने में दर्द झेलते हुए बस को किया नियंत्रित

▸ बस सुरक्षित खड़ी करने के बाद स्टेयरिंग पर ही गिर पड़ा चालक

बस सड़क पर तेज रफ्तार में थी तभी चालक को दिल का दौरा पड़ा, पर जान जाने से पहले वह यात्रियों के लिए देवदूत बन गया। सीने में दर्द झेलते हुए तेज रफ्तार बस को नियंत्रित कर सुरक्षित खड़ी करने के बाद वह दुनिया से विदा हो गया। इस दौरान उसने बस में सवार 50 यात्रियों की जिंदगी की रक्षा की। यह घटना ओडिशा के बालेश्वर जिले के नीलगिरी में मंगलवार को घटी।

जानकारी के अनुसार, कोलकाता से 50 पर्यटक नीलगिरी के पंचलिंगेश्वर की यात्रा के लिए बस में सवार होकर आए थे। बस मंगलवार सुबह नीलगिरी पंचलिंगेश्वर रोड पर पाटपुर चौक के पास जब तेज गति से चल रही थी, तभी चालक शेख अख्तर (निवासी हावड़ा) के सीने में अचानक दर्द उठा। इसके बावजूद चालक ने बस सुरक्षित खड़ी कर दी। इसके बाद वह स्टीयरिंग पर ही गिर गया तो पर्यटकों ने लोगों को मदद के लिए बुलाया। स्थानीय युवक चालक को एंबुलेंस में नीलगिरी अस्पताल ले गए, जहां पर डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बस चालक की अचानक मौत से पर्यटक सड़क पर खड़े रहे। तब एक स्थानीय युवक बस चलाकर पर्यटकों को पंचलिंगेश्वर पांथ निवास ले गया।

सड़क किनारे खड़ी बस और यात्री। इंटरनेट मीडिया

उप्र में सामूहिक विवाह में विवाहिताओं के साथ नाबालिग को भी बनाया दुल्हन

जागरण संवाददाता, बलिया

▸ बलिया में जालसाजी के मामले में एडीओ समाज कल्याण सहित नौ लाभार्थियों पर मुकदमा

गरीब परिवार की कन्याओं के विवाह के लिए उप्र में शुरू मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़े पर लगाम नहीं लग पा रही है। ताजा मामला बलिया जिले में सामने आया है। विकास खंड मनियर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में बिना वर के कन्याओं के खुद उनके गले में वरमाला डालने के वीडियो ने इंटरनेट मीडिया पर हर किसी को हैरान किया। विवाह समारोह में विवाहितों के साथ ही नाबालिग लड़की को भी दुल्हन बना दिया गया।

डीएम रवींद्र कुमार के निर्देश पर बनी तीन अधिकारियों की टीम की जांच रिपोर्ट पर जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपक श्रीवास्तव ने सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण सुनील कुमार यादव के साथ ही अपात्र मिले आठ लाभार्थियों पर जालसाजी का मुकदमा दर्ज कराया है। सुनील कुमार को निलंबित करने की संस्तुति भी की गई है। अन्य ब्लाकों में भी योजना का लाभ लेने वालों की जांच के लिए टीम गठित कर दी गई है, जो सत्यापन कर रही है।

> मुख्यमंत्री सामूहिक योजना में धांधली करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण अधिकारी सहित नौ के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। धांधली करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।
>
> -रवींद्र कुमार, जिलाधिकारी, बलिया

विकास खंड मनियर में 25 जनवरी को आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में 545 कन्याओं का विवाह संपन्न हुआ था। आयोजन के दिन से ही इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें कई युवतियां स्वयं ही वरमाला अपने गले में डालती दिख रही थीं। उनके सामने वर के रूप में भी कोई नहीं था। मनियर प्रधान संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र पाठक ने आयोजन में धांधली की शिकायत की, तब जांच शुरू हुई।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि टीम ने सुल्तानपुर, ककरघट्टा खास एवं मानिकपुर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के 25 लाभार्थियों की जांच की थी। इसमें आठ लाभार्थी अपात्र पाए गए। कई की शादी हो चुकी थी। एक नाबालिग को भी दुल्हन बना दिया गया। सहायक विकास अधिकारी ने लापरवाही बरती है।

बरेली में संपत्ति विवाद में बुजुर्ग मां व पिता के हत्यारे को फांसी की सजा

जागरण संवाददाता, बरेली

संपत्ति विवाद में माता-पिता के हत्यारे बेटे को फांसी की सजा सुनाई गई। बरेली की अदालत ने अपने आदेश में रामचरित मानस के उत्तरकांड की चौपाई का भी उल्लेख किया। 23 जनवरी को कोर्ट ने उसे दोषी सिद्ध किया, मंगलवार को फांसी की सजा सुनाई गई। उस पर अर्थदंड भी लगायागया है।

13 अक्टूबर, 2020 को सुबह छह बजे पैतृक मकान में रहने वाले सेवानिवृत शिक्षक लालता प्रसाद पूजा कर रहे थे। उनकी पत्नी मोहिनी देवी शौचालय में थीं। मीरगंज कस्बे में किराये के मकान में रहने वाला उनका बड़ा बेटा दुर्वेश कुमार अचानक घर में घुसा, पिता को जमीन पर पटक दिया। बुजुर्ग पिता की पसलियां टूट गईं। उन्होंने कराहते हुए उठने का प्रयास किया तो बेटे ने तमंचे से तीन गोलियां मारकर हत्या कर दी। फायरिंग की आवाज पर मोहिनी देवी ने शौचालय का दरवाजा खोला तो उन्हें भी तीन गोलियां मारीं। इस बीच दूसरे मकान में रहने वाले छोटे भाई उमेश कुमार पहुंचे, मगर अंधाधुंध फायरिंग कर रहे दुर्वेश को रोकने की हिम्मत नहीं जुटा सके। वह चीखते-चिल्लाते रहे, इस बीच दुर्वेश मोटरसाइकिल से फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि लालता प्रसाद के पास 60 बीघा जमीन थी, उन्होंने उमेश के लिए अलग से भी 10 बीघा जमीन दिलाई थी। इससे दुर्वेश बौखलाया हुआ था। वह संपत्ति में हिस्सा मांगने लगा तो 2010 में 20-20 बीघा जमीन दोनों बेटों को देकर लालता प्रसाद ने शेष 20 बीघा अपने पास रखी। दुर्वेश इससे भी संतुष्ट नहीं था। गिरफ्तारी के बाद दुर्वेश ने बयान दिया था कि मां-पिता ने अपने हिस्से की 20 बीघा जमीन और पेंशन भी उमेश को दे दी थी। उसे बंटवारे में टूटा हुआ पुराना मकान मिला था।

****

22 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन होने लगेगा वर्ष 2031-32 तक परमाणु ऊर्जा से भारत में। वर्तमान में 23 परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से 700 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। इन दिनों 19 नए संयंत्रों का काम विभिन्न चरणों तक पहुंच चुका है।

जम्मू कश्मीर पुलिस में राष्ट्रविरोधी तत्वों की घुसपैठ रोकने की पहल

विदेश जाने से पहले और लौटने पर अधिकारी साझा करेंगे जानकारी

विदेश में अलगाववादी विचारधारा के कई कश्मीरी अधिकारियों से बढ़ाते हैं संपर्क

नवीन नवाज, जम्मू

- भारत विरोधी सम्मेलनों और दावतों में बुलाकर संपर्क बढ़ाने का करते हैं प्रयास
- खाड़ी और यूरोप में सक्रिय ऐसे तत्वों को पाकिस्तान का है पूरा समर्थन

जम्मू कश्मीर पुलिस का मुख्यालय। प्रतीकात्मक

जम्मू कश्मीर पुलिस के राजपत्रित और गैर राजपत्रित अधिकारियों व कर्मियों को अब अपनी विदेश यात्रा की सारी जानकारी संबंधित विभाग के साथ साझा करनी होगी। प्रदेश प्रशासन ने उनके लिए विदेश जाने से पहले 'ब्रीफिंग' और लौटने के बाद 'डी-ब्रीफिंग' अनिवार्य कर दी गई है। यानी उन्हें विदेश में किन नियमों का पालन करना है, किन तत्वों से नहीं मिलना है इसकी जानकारी दी जाएगी। लौटने के बाद सभी आवश्यक जानकारियां प्रदान करनी होंगी। यह कदम जम्मू कश्मीर पुलिस संगठन में किसी भी तरीके से राष्ट्रविरोधी तत्वों की घुसपैठ और प्रभाव को रोकने के लिए उठाया गया है। इसके साथ अब कोई भी आवेदन स्वीकार होने से पहले विदेश यात्रा पर नहीं जाएगा।

खुफिया विभाग की सूचना के अनुसार, जम्मू कश्मीर के कई पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने सेवा नियमों की अवहेलना कर यूरोपीय और खाड़ी देशों की यात्रा की और अपनी यात्रा के दौरान वह कई राष्ट्रविरोधी तत्वों से भी मिले हैं। हालांकि ऐसे अधिकारियों की संख्या और नाम की पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन कुछ पुलिस अधिकारियों को उनके तत्कालीन पदभार से हटाकर अन्यत्र तैनात किया गया है और कई के बारे में जांच भी जारी है।

विदेश यात्रा में इसका करना होगा पालन

ब्रीफिंग और डी-ब्रीफिंग की प्रक्रिया को जम्मू या श्रीनगर में स्थित एसएसपी सीआइडी (विशेष शाखा) के जरिए पूरा किया जाएगा। एसएसपी अधिकारियों को बताएंगे कि उन्हें विदेश में क्या-क्या सावधानी बरतनी है। वहां किस तरह का आचरण करना है और किन लोगों से बचना है। अगर कोई अवांछित तत्व उनके संपर्क में आता है तो उसे कैसे बचाव करना है। जब वह विदेश से लौटेंगे तो उन्हें पूछे जाने पर बताना होगा कि वह किन स्थानों पर गए व किससे मिले। उनकी जानकारी को अन्य सुरक्षा एजेंसियों के माध्यम से सत्यापित भी किया जाएगा। सभी संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है कि उनके विदेश जाने वाले उनके अधीनस्थ ब्रीफिंग व डी-ब्रीफिंग सत्र में भाग लें।

इसलिए उठाया गया कदम

खाड़ी और यूरोप के विभिन्न देशों के अलावा अमेरिका और तुर्किये में कट्टरपंथी और अलगाववादी विचारधारा के कई कश्मीरी सक्रिय हैं। 'कश्मीर डायस्पोरा' के नाम से सक्रिय इन तत्वों को पाकिस्तान का पूरा समर्थन प्राप्त है। यह कश्मीर से आने वाले लोगों के साथ संपर्क करते हैं, उन्हें दावत के नाम पर अपनी भारत विरोधी बैठकों में शामिल करते हैं या फिर कश्मीर के संदर्भ में भारत विरोधी सम्मेलनों, कश्मीर में तथाकथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर होने वाले कार्यक्रम में भी ले जाने का प्रयास करते हैं। यह पुलिस व अन्य सरकारी सेवाओं में शामिल लोगों को प्रमुखता से निशाना बनाने का प्रयास करते हैं। इस प्रक्रिया में कई पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ, आतंकी और अलगाववादी संगठनों के प्रभाव में आ जाते हैं। विदेशी धरती पर सक्रिय कश्मीरी अलगाववादियों में से कई इस समय इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय हैं और कई के खिलाफ कश्मीर में राष्ट्रद्रोह के मामले भी दर्ज हैं।

आतंकियों के लिए हथियार पहुंचाता था लश्कर का माड्यल

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर: आतंकियों के लिए हथियार पहुंचाने वाले लश्कर-ए-तैयबा के तीन सदस्यों के खिलाफ बारामुला पुलिस ने मंगलवार को एनआइए की विशेष अदालत में आरोपपत्र दायर कर दिया। उड़ी सेक्टर के रहने वाले तीनों आतंकी बीते वर्ष हथियार व अन्य सामान संग पकड़े गए थे।

सूत्रों ने बताया कि शौकत अली आवान को 17 अगस्त, 2023 को उड़ी सेक्टर में उसके गांव के पास ही पकड़ा गया था। उससे दो ग्रेनेड मिले थे। पूछताछ में उसने दो साथियों अहमद दीन खटाना और मोहम्मद सदीक खटाना के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने इन दोनों को भी पकड़ लिया। दो ग्रेनेड, एक पिस्तौल, एक मैगजीन व चार कारतूस भी मिले थे। तीनों ने पूछताछ में बताया था कि वे गुलाम जम्मू कश्मीर में बैठे लश्कर के हैंडलर के इशारे पर हथियार व अन्य सामान घाटी के विभिन्न इलाकों में पहुंचाते थे। वह जवानों पर हमलों को अंजाम देने में भी भूमिका निभाते हैं।

कुलगाम में नशा तस्कर का मकान अटैच: नशा तस्करी के मामले में श्रीनगर पुलिस ने मंगलवार को कुलगाम में एक निर्माणाधीन मकान अटैच कर दिया। यह मकान नशा तस्कर एजाज अहमद गनई का है। वह प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी और बिक्री के मामले में कई बार पकड़ा जा चुका है। गनई के खिलाफ नशा तस्करी के दो मामलों की जांच जारी है।

भारत-पाक सीमा के निकट दो शक्तिशाली आइईडी बरामद

- सीमा से दो और जम्मू-पठानकोट हाईवे से 10 किमी दूर हुई बरामदगी

कठुआ के हीरानगर सेक्टर में बेई नाले में मिली आइईडी की जांच करते एएसपी कठुआ परमजीत सिंह तथा अन्य। जागरण

जागरण टीम, कठुआ

जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में पुलिस ने मंगलवार को दो शक्तिशाली आइईडी बरामद कर बड़े षड्यंत्र को विफल कर दिया। डेढ़ और एक किलोग्राम की ये दोनों आइईडी सक्रिय नहीं थी, पर कभी भी इनका इस्तेमाल किया जा सकता था। इस आशंका से भी इन्कार नहीं है कि इन आइईडी को समय आने पर किसी दूसरी जगह पहुंचाया जाना था। जिस जगह से आइईडी बरामद हुई है, वहां से जम्मू-पठानकोट हाईवे करीब 10 किलोमीटर दूर है और वहां कूटा क्षेत्र में सीआरपीएफ का ग्रुप सेंटर और करीब आधा किलोमीटर दूर भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) का सेंटर भी है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पूरे सीमांत क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया है।

एसओजी के डीएसपी तिलक राज भारद्वाज के नेतृत्व में सुबह ओल्ड सांबा-कठुआ मार्ग पर लालाचक व शेरपुर के बीच बहने वाले बेई नाले के साथ नियमित तलाशी अभियान चलाया गया था। बेई नाला सीमा पार से आने वाले आतंकियों की घुसपैठ का रूट भी रहा है। इस दौरान श्मशान घाट के पास झाड़ियों में जवानों को पालीथीन के एक पैकेट में दो संदिग्ध वस्तुएं पड़ी मिलीं। बम निरोधक दस्ते व एफएसएल की टीमों ने जांच की तो दोनों आइईडी निकलीं।

ड्रोन साजिश की भी आशंका : जिस जगह से आइईडी मिली वह भारत-पाक सीमा से मात्र दो किमी दूर है। इससे भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि इसे सीमा पार से ड्रोन के जरिये इस क्षेत्र में पहुंचाया गया हो और यहां सक्रिय आतंकियों के किसी ओवर ग्राउंड ग्राउंड वर्कर ने बेई नाले में छिपाकर रखा हो। पाकिस्तान अक्सर ड्रोन से हथियारों, विस्फोटकों व नशीले पदार्थ की तस्करी की साजिशें करता रहता है।

मतांतरण मामले के आरोपित शुआट्स के कुलपति को गिरफ्तारी से राहत बरकरार

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने अवैध मतांतरण, दुष्कर्म और तस्करी के मामले में उप्र के सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी और विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) के कुलपति राजेंद्र बिहारी लाल व संस्थान के कुछ अन्य अफसरों को प्राप्त गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण मंगलवार को बढ़ा दिया। ज्ञात हो, चार नवंबर 2023 को हमीरपुर में पूर्व संविदा महिला कर्मी ने उन पर नौकरी की पेशकश के बाद दुष्कर्म करने और मतांतरण का आरोप लगाया था। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और संजय कुमार की पीठ ने कुलपति द्वारा दायर याचिका पर उप्र सरकार को एक हफ्ते में जवाब देने को कहा है। राजेंद्र बिहारी लाल व अन्य ने इलाहाबाद हाई कोर्ट 11 दिसंबर 2023 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें समर्पण करने को कहा गया था।

कोर्ट ने कहा था कि उन पर जघन्य अपराध का आरोप है। हम आदेश देते हैं कि 20 दिसंबर 2023 को या उससे पहले अदालत में समर्पण करें तथा जमानत के लिए आवेदन करें। कोर्ट ने कहा था कि कोई भी भगवान या धर्म इस प्रकार के कदाचार को मंजूरी नहीं देगा।

राजस्थान की शिक्षण संस्थाओं में हिजाब पहनने पर लगेगी रोक

जागरण संवाददाता, जयपुर

- प्रतिबंध को लेकर अन्य राज्यों की स्थिति के बारे में शिक्षामंत्री ने मांगी रिपोर्ट
- कृषिमंत्री ने ड्रेस कोड को अनिवार्य बताते हुए उठाई है रोक की मांग
- कहा, एसे तो थानेदार भी कुर्ता-पायजामा व टोपी पहनकर आएगा

राजस्थान के स्कूलों और मदरसों में हिजाब पर प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जा रहा है। इसको लेकर शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में सभी छात्र-छात्राओं को तय ड्रेस पहनकर आने के नियम का सख्ती से पालन होगा।

दिलावर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि दूसरे राज्यों में हिजाब पर पाबंदी को लेकर जानकारी एकत्रित करवाकर रिपोर्ट पेश की जाए। दिलावर ने इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भी चर्चा की है। इस बीच प्रदेश के कृषिमंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं पर हिजाब पर पूरी तरह से रोक लगाई जानी चाहिए। स्कूलों और मदरसों में ड्रेस कोड होना चाहिए। उन्होंने कहा कि तय ड्रेस कोड की पालना नहीं होगी तो कभी पुलिस थाने में थानेदार भी कुर्ता-पायजामा और टोपी पहनकर आने लग जाएंगे।

उन्होंने कहा कि कई मुस्लिम देशों में हिजाब और बुर्का स्वीकार्य नहीं है तो फिर हमारे यहां इन्हें क्यों अपनाया जा रहा है। शिवसेना (शिंदे गुट) के प्रदेश प्रभारी चंद्रराज सिंघवी ने भी इस कदम का समर्थन किया और बयान में कहा कि स्कूल और कालेज में हिजाब व बुर्के पर रोक लगनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि हिजाब को लेकर पिछले सप्ताह जयपुर के भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य ने एक सरकारी स्कूल के कार्यक्रम में बयान दिया था। इससे नाराज छात्राओं व उनके अभिभावकों ने सोमवार को सुभाष चौक पुलिस थाने का घेराव किया था। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने इस मसले पर दो दिन बाद धरने पर बैठने की घोषणा की है।

कर्नाटक में भाजपा सरकार ने रोक लगाई थी

कर्नाटक में तत्कालीन भाजपा सरकार ने फरवरी, 2022 में स्कूल और कालेजों में सभी तरह के धार्मिक पहचान वाले कपड़े पहनने पर रोक लगाई थी। आदेश में कहा गया था कि कोई भी कपड़ा, जो समानता, अखंडता के विपरीत होगा, उसके पहनने की अनुमति नहीं होगी। मामला हाई कोर्ट में पहुंचा तो कर्नाटक हाई कोर्ट ने भी सरकार के आदेश पर रोक लगाने से इन्कार किया था। बाद में कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद हिजाब पर रोक के फैसले को पलट दिया गया। कांग्रेस सरकार ने स्कूल व कालेजों में बुर्का और हिजाब पहनने की छूट दे दी।

देश के लिए बलिदान हमें राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है : मोदी

नई दिल्ली, प्रेट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राजघाट पर पहुंच कर उन्हें याद किया। मोदी ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि मैं पूज्य बापू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं उन सभी को भी श्रद्धांजलि देता हूं जो हमारे देश के लिए शहीद हुए हैं। उनका बलिदान हमें लोगों की सेवा करने और राष्ट्र के लिए उनके सपने को पूरा करने की प्रेरणा देता है। एक्स पर पीएम के जीवन से जुड़ी बातों को अक्सर साझा करने वाले मोदीआर्काइव नामक अकाउंट पर मोदी की पर्सनल डायरी के कुछ पन्ने गांधी के उद्धरणों के साथ साझा किए गए। मोदीआर्काइव ने एक्स पर लिखा कि हम नरेन्द्र मोदी की पर्सनल डायरी के पन्ने आपके साथ साझा कर रहे हैं जो दर्शाते हैं कि उन्होंने न केवल महात्मा गांधी को काफी पढ़ा था, बल्कि अपनी निजी डायरी में गांधी के उद्धरण भी लिखे थे, जिनसे उन्हें प्रेरणा मिलती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी गांधी के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपिता के सम्मान में कुछ देर का मौन भी रखा गया।

- महात्मा गांधी के पुण्यतिथि पर पीएम ने राजघाट पर दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर मंगलवार को नई दिल्ली में पीएम नरेन्द्र मोदी ने गांधी स्मृति में भी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रेट्र

वहीं, कांग्रेस ने कहा, राष्ट्रपिता को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि नफरत की आंधी में सच्चाई व सद्भाव की लौ बुझने न दी जाए। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, महात्मा गांधी का जीवन सिर्फ भारत के लिए एक प्रकाशस्तंभ नहीं है, करुणा, मानवता और मानव जाति की एकता का उनका संदेश दुनिया भर की सभ्यताओं के लिए एक संदेश है।

एनएचआरसी ने न्यायिक हिरासत में मौत पर बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी

राज्य ब्यूरो, कोलकाता: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने राज्य के सुधार गृह में न्यायिक हिरासत में एक दोषी की अप्राकृतिक मौत के संबंध में बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी है। पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग (डब्ल्यूबीएचआरसी) ने भी इस संबंध में राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत पहले ही उस अप्राकृतिक मौत के पीछे न्यायिक जांच का आदेश दे चुकी है। पीड़ित हातेम अली मंडल (83) की सोमवार को बंगाल के पूर्व बर्द्धमान जिले के जिला सुधार गृह में मौत हो गई। रिकार्ड के अनुसार उसे पिछले वाम मोर्चा शासन के दौरान वर्ष 2005 में जिले के कालना की एक जिला अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। दर्ज की गई शिकायतों के अनुसार रविवार देर रात शारीरिक बेचैनी की शिकायत के बाद दोषी को सुधार गृह परिसर से जिला मेडिकल कालेज और अस्पताल ले जाया गया। सोमवार सुबह उसकी हालत बिगड़ने पर उन्हें फिर से मेडिकल कालेज एवं अस्पताल लाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

गुजरात में छह ड्रग्स तस्करों को 20 साल की सजा

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

- चार को दस-दस साल की सजा, खंभात की खाड़ी में बरामद हुई थी 1445 किलोग्राम ड्रग्स

गुजरात में खंभात की खाड़ी से करीब 1445 किलोग्राम ड्रग्स के साथ पकड़े गये 13 तस्करों में से 10 को सजा सुनाई गई है। छह को बीस साल और चार को 10 साल की सजा सुनाई गई है। तटरक्षक बल ने जुलाई 2017 में हेनरी नामक मर्चेंट शिप से यह मादक पदार्थ बरामद किया था। इसमें एक हजार किलोग्राम से अधिक की हेरोइन थी।

विशेष अदालत ने उप्र के संतकबीर नगर के संजय यादव, कानपुर के विनय यादव, उन्नाव के मनीष पटेल, कोलकाता के गिरीशचंद्र, सुप्रित तिवारी, बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के देवेश, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा निवासी मुनीश कुमार को 20 साल की सजा सुनाई गई है। वहीं, कोलकाता के सुजीत तिवारी, उप्र के मऊ जिला के विशाल यादव, मुंबई के सुलेमान भडेला व डोंगरी के साउद पटेल को दस साल की सजा सुनाई गई है। सभी पर एक एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसकी भरपाई न करने पर इन्हें अतिरिक्त जेल काटनी पड़ेगी।

पोरबंदर की नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंसेज (एनडीपीएस) कोर्ट के जज पीएच शर्मा ने ड्रग्स तस्करी को समाज व देश विरोधी कृत्य बताते हुए 13 में से 10 आरोपितों को सजा सुनाई। शर्मा ने कहा, आरोपितों द्वारा लाया गया ड्रग्स देश के विभिन्न राज्यों में पहुंचाया जाना था। युवा नशे की हालत में समाज व देश विरोधी कृत्य कर बैठते हैं।

तटरक्षक बल के जवानों ने गश्त के दौरान 29 जुलाई 2017 को खंभात की खाड़ी में एक मर्चेंट शिप हेनरी को रोका। शिप के क्रू मेंबर ने भावनगर अलंग शिप ब्रेकिंग यार्ड में जाने की बात कही थी। इस दावे को गुजरात मैरीटाइम बोर्ड ने नकार दिया था। तटरक्षक बल के जवानों ने क्रू मेंबर को हिरासत में लेकर उनके पास से 1526 पैकेट में 1445 किलोग्राम ड्रग्स जब्त किया था। आरोपितों ने ड्रग्स की सप्लाई के लिए इरानी तस्कर सैयद अली मोरानी का नाम लिया था।

कर्नाटक में हनुमान ध्वज विवाद पर पीडीओ निलंबित

- मुख्यमंत्री ने नाराजगी जाहिर करते हुए विपक्ष पर शांति भंग का लगाया आरोप
- भाजपा-जेडीएस के लोग इस मामले में सरकार के खिलाफ कर रहे प्रदर्शन

बेंगलुरु, प्रेट्र: कर्नाटक के मांड्या जिले में हनुमान ध्वज उतारने के मामले पर जारी हंगामे के बीच केरागोडु ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) को निलंबित कर दिया। पूरे मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने नाराजगी जाहिर करते हुए विपक्ष पर शांति भंग का आरोप लगाया है। ज्ञात हो, मांड्या जिले के केरागोडु गांव में प्रशासन ने 108 फीट ऊंचे स्तंभ से हनुमान ध्वज उतरवा दिया था, जिसका लोगों ने कड़ा विरोध किया था। भाजपा व जनता दल सेक्यूलर (जदएस) के कार्यकर्ता इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेख तनवीर आसिफ द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि केरागोडु गांव में केवल भारतीय ध्वज तिरंगा फहराने की अनुमति दी गई थी। पीडीओ ने न केवल लोगों को हनुमान ध्वज फहराने का मौका दिया बल्कि इसे हटाने के लिए भी कदम नहीं उठाया। पंचायत उपमंडल अधिकारी ने 28 जनवरी को तहसीलदार और पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर झंडा हटा दिया जिससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो गई। इसके लिए पीडीओ जिम्मेदार हैं। विपक्षी दल भाजपा और जदएस ने मांड्या में हनुमान ध्वज को हटाए जाने के विरोध में और उसे फिर से लगाए जाने की मांग करते हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण सुरक्षा बढ़ा दी गई।

इस पूरे विवाद पर सीएम सिद्दरमैया ने कहा कि हमारे बीच ऐसे भी लोग हैं, जो गोडसे की पूजा करते हैं। हालांकि, वे महात्मा गांधी की बात करते हैं। शांति भंग करने वाले गोडसे के वंशज हैं। लोगों को समाज में शांति के लिए प्यार और विश्वास के साथ रहना चाहिए। किसी को भी सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। सिद्दरमैया ने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए शांति भंग करने की कोशिश की जा रही है।

जान दे दूंगी, बंगाल में एनआरसी लागू नहीं होने दूंगी : ममता

जागरण संवाददाता, रायगंज: बंगाल की मुख्यमंत्री तथा तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि जान दे दूंगी पर राज्य में एनआरसी लागू नहीं होने दूंगी। एनआरसी लागू करने की कोशिश पहले भी हुई लेकिन नहीं होने दिया। आगे भी ऐसा नहीं होने देंगी।

ममता ने मंगलवार को उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में प्रशासनिक बैठक के बाद लोगों को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। उन्होंने कहा, बीएसएफ सीमा क्षेत्र के लोगों को एक कार्ड दे रही है। इस कार्ड को आप नहीं लें। आप इस देश के नागरिक पहले से ही हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, आप इस देश के नागरिक नहीं हैं तो आपको सरकारी सुविधाएं कैसे मिल रही है। केंद्र की भाजपा सरकार के पास काम दिखाने के नाम पर कुछ भी नहीं है। इसी कारण इस प्रकार के मुद्दे को उठाकर लोगों का ध्यान भटकाना चाहती है। ममता ने कहा, केंद्रीय राशि बंद होने से विकास के काम प्रभावित हो रहे हैं। केंद्र सरकार को बकाया भुगतान के लिए एक तारीख दे दी है। भुगतान नहीं होता है तो आंदोलन करेंगी। वह भाजपा के डर से भागने वाली नहीं हैं।

हाई कोर्ट के दो जजों के विवाद पर बोले मुख्य न्यायाधीश, 'मैं शर्मिंदा हूं'

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- कहा- कानून के मंदिर से ऐसी उम्मीद नहीं की जा सकती

कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम ने कहा कि न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय और खंडपीठ के न्यायाधीश सौमेन सेन के बीच टकराव का जिक्र करते हुए कहा कि वह इस स्थिति से दुखी और शर्मिंदा हैं। कहा कि समस्या का जल्द समाधान निकालने का प्रयास किया जा रहा है। न्यायाधीश ने यह टिप्पणी मंगलवार दोपहर अदालत कक्ष से निकलने से पहले की।

मालूम हो कि बंगाल के मेडिकल कालेजों व अस्पतालों में एमबीबीएस में प्रवेश में कथित अनियमितताओं के मामले को लेकर दोनों जजों के बीच टकराव सामने आने के तुरंत बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान कार्रवाई की है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने मामले को अपने हाथ में ले लिया है। जस्टिस गंगोपाध्याय ने मेडिकल प्रवेश मामले की सीबीआइ जांच के आदेश दिए थे। न्यायमूर्ति सेन की खंडपीठ ने आदेश को खारिज कर दिया। इसके बाद जस्टिस गंगोपाध्याय ने उक्त जज पर किसी विशेष राजनीतिक दल का पक्षपात करने का आरोप लगाया।

वहीं जस्टिस गंगोपाध्याय ने खंडपीठ के आदेश को खारिज कर दिया और सीबीआइ से जांच जारी रखने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पहल पर कार्रवाई करते हुए मामले की सुनवाई के लिए एक विशेष पीठ का गठन किया है। मामले से जुड़े सभी पक्षों को हलफनामा दाखिल करने को कहा गया है। शीर्ष अदालत में इस मामले की सुनवाई तीन हफ्ते बाद होगी।

शिक्षा से जुड़े सभी मामले जस्टिस गंगोपाध्याय की बेंच से हटाए गए : शिक्षा से जुड़े किसी भी मामले की सुनवाई अब कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय की बेंच में नहीं होगी। उनके हाथ से शिक्षा के सभी मामले उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा को सौंप दिए गए हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट ने मंगलवार को एक निर्देश के जरिए यह जानकारी दी। गौरतलब है कि जस्टिस गंगोपाध्याय ने ही बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला समेत कई मामलों की सीबीआइ जांच के आदेश दिए हैं।

जागरण विशेष

तकनीक की मदद से बंदियों को आत्मनिर्भर बना रही 'जेल की रोटी'

बंदियों व सजा पूरी कर चुके लोगों के पुनर्वास की पहल, ई-कामर्स कंपनियां भी जुड़ेंगी

आशुतोष मिश्रा • कानपुर

जेल के बंदियों और सजा पूरी कर चुके लोगों के पुनर्वास को कानपुर जिला प्रशासन ने अनूठी पहल की है। इन्हें रोजगार से जोड़ने को जिला जेल परिसर में खोले गए बंदी रसोई काउंटर को अच्छी प्रतिक्रिया मिलने पर अब इसे विस्तार दिया जा रहा है। तत्कालीन जिलाधिकारी विशाख जी की पहल पर अब जल्द ही ई-कामर्स कंपनियों के द्वारा कानपुर जेल की रोटी घर-घर पहुंचेगी।

मिली अच्छी प्रतिक्रिया: बंदी रसोई की शुरुआत होने पर प्रतिदिन करीब छह हजार रुपये की बिक्री होने लगी तो जिला प्रशासन ने इसे और प्रोत्साहित करने का सोचा। दफ्तरों व घरों में जेल के खाने और नाश्ते की मांग बढ़ने पर ई-कामर्स कंपनियों से संपर्क किया गया है। विशाख जी की पहल पर कारागार प्रशासन ने 10 दिसंबर को जेल गेट पर खाने, नाश्ते, चाय और काफी की बिक्री के लिए बंदी रसोई काउंटर खोलते हुए नया प्रयोग शुरू किया था। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसका लोकार्पण किया था।

चाय-काफी भी: बंदी कल्याण पुनर्वास सहकारी समिति द्वारा संचालित बंदी रसोई काउंटर पर सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक खाद्य पदार्थों की बिक्री होती है। दाल, चावल, रोटी, सब्जी, पूड़ी, समोसा, गुलाब जामुन, ब्रेड पकौड़ा जेल की रसोई में बनाकर काउंटर पर पहुंचाया जाता है। चाय व मैगी काउंटर पर ही जेल से छूटा बंदी तैयार करता है। बंदी रसोई काउंटर के नोडल अधिकारी व डिप्टी जेलर अनिल कुमार बताते हैं कि लोग अक्सर दफ्तरों और घरों में आर्डर पर भोजन की थाली की मांग करते हैं। हाल-फिलहाल यह सुविधा न होने से इन्कार कर दिया जाता है। अब हम इन मांग को भी पूरा करेंगे तो अधिक बिक्री व आय होगी।

10 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन

जेल अधीक्षक बीडी पांडेय बताते हैं कि अभी भोज्य पदार्थ बनाने के लिए चार बंदी लगे हैं। सजा पूरी कर चुके तीन व्यक्तियों को जेल गेट पर बने काउंटर को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है। इन सभी को 10-10 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाता है। ई-कामर्स कंपनियों के माध्यम से घरों और दफ्तरों में जेल में बने खाद्य पदार्थ पहुंचाने की व्यवस्था से कई अन्य बंदियों और सजा पूरी कर चुके लोगों को रोजगार मिलेगा।

कानपुर जेल के गेट पर खोला गया बंदी कल्याण पुनर्वास सहकारी समिति द्वारा संचालित काउंटर • जागरण

कानपुर जेल के बंदियों को रोजगार देने और सजा पूरी कर छूटे कैदियों के पुनर्वास के उद्देश्य से बंदी रसोई काउंटर खोला गया है। कुछ ही दिन में अच्छे परिणाम सामने आए हैं। इसलिए ई-कामर्स कंपनियों से बिक्री की योजना बनी।
विशाख जी, तत्कालीन जिलाधिकारी, कानपुर

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

मणिपुर में फिर हिंसा, एक की मौत

इंफाल, प्रेट्र : मणिपुर के कांगपोकपी जिले में मंगलवार को अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में एक ग्रामीण वालंटियर की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि घटना इंफाल पश्चिम जिले से सटे कडांगबंद गांव में हुई। अज्ञात बंदूकधारियों ने वालंटियरों के शिविर पर हमला कर दिया। वालंटियरों ने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान एक वालंटियर मारा गया और दूसरा घायल हो गया। कार्रवाई के बाद हमलावर पीछे हट गए, लेकिन फिर हमला किया। गोलीबारी जारी है। गोलीबारी शुरू होने के बाद कडांगबंद व पड़ोसी गांव से महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग सुरक्षित इलाकों में चले गए हैं। इलाके में अतिरिक्त फोर्स भेजी गई है।

****

दैनिक जागरण

एक सत्य व्यक्ति को सौ झूठ बोलने से बचा लेता है

बजट सत्र से उम्मीदें

संसद के बजट सत्र के पहले पिछले सत्र में निलंबित किए सांसदों को बहाल करने की पहल इस उम्मीद में की गई है कि इससे माहौल को सकारात्मक बनाने और दोनों सदनों का कामकाज सुगम तरीके से चलाने में आसानी होगी, लेकिन इसके आसार कम ही हैं। इसलिए कम हैं, क्योंकि बजट सत्र वर्तमान लोकसभा का अंतिम सत्र है। इस सत्र के बाद कभी भी आगामी लोकसभा चुनावों की घोषणा हो सकती है। ऐसे में बजट सत्र में विपक्ष सत्तापक्ष के प्रति और अधिक हमलावर दिख सकता है। विपक्ष अपने हमलावर रवैये के जरिये यही दिखाना चाहेगा कि वह लोकसभा चुनावों में मोदी सरकार का डटकर सामना करने के लिए तैयार है। स्पष्ट है कि इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ेगा। इसके नतीजे में संसद में अच्छा-खासा हंगामा देखने को मिल सकता है। यह हंगामा इसके बाद भी देखने को मिल सकता है कि बजट सत्र के पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में पक्ष-विपक्ष के नेताओं ने संसद को सही तरीके से चलाने पर सहमति व्यक्त की। अतीत का अनुभव यही बताता है कि इस तरह की सहमतियों का कोई मूल्य-महत्व नहीं रह गया है। इसी कारण संसद के बाहर ही नहीं, संसद के भीतर भी विरोध के लिए विरोध वाली राजनीति ही अधिक देखने को मिलती है। इस नकारात्मक राजनीति के कारण ही संसद में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी कोई सार्थक चर्चा मुश्किल से ही देखने को मिलती है।

बजट सत्र में अंतरिम बजट पेश होना है। अंतरिम बजट की अपनी सीमाएं होती हैं। ऐसे बजट में किसी भी नई योजना को लागू नहीं किया जाता। केवल पहले से चल रही योजनाओं के लिए राशि आवंटित की जाती है। इसके बाद भी इसकी उम्मीद की जा रही है कि अंतरिम बजट केवल चुनावों को ध्यान में रखकर ही पेश नहीं किया जाएगा। इसका एक कारण यह है कि विपक्षी मोर्चे आइएनडीआइए में टूट-फूट के चलते भाजपा की चुनावी संभावनाएं कहीं अधिक बेहतर नजर आ रही हैं। अनुकूल चुनावी संभावनाओं के चलते अंतरिम बजट में ऐसे कदम उठाए जाने आवश्यक हैं, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था को बल मिले। यह संतोषजनक है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। अंतरिम बजट के पहले वित्त मंत्रालय की ओर से पेश विस्तृत रिपोर्ट यह संकेत कर रही है कि अगले वित्त वर्ष में भी विकास दर सात प्रतिशत रह सकती है। इस पर भरोसा इसलिए किया सकता है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था के आधार मजबूत हैं। इसके बाद भी इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। वैश्विक स्तर पर व्यापार घट रहा है और मैन्यूफैक्चरिंग में निवेश कम हो रहा है। इसके अलावा अर्थव्यवस्था की बेहतर स्थिति के बाद भी रोजगार के उतने अवसर नहीं पैदा हो रहे हैं, जितने अपेक्षित हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि अंतरिम बजट में भावी चुनौतियों का ध्यान रखा जाए।

पर्यटन की त्रिवेणी

अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने के बाद निश्चित रूप से वहां श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी और इनमें बहुत से ऐसे लोग हैं जो काशी और प्रयागराज भी जाना चाहेंगे। ऐसे ही अगले वर्ष प्रयागराज के महाकुंभ में भी करोड़ों लोग आएंगे, जिनमें अधिकांश काशी और अयोध्या जाने को भी लालायित होंगे। इसे देखते हुए प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने अपनी ओर से पर्यटन विभाग को बसें देने की जो पहल की है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है। समय रहते ऐसा टूर पैकेज प्लान करने की जरूरत है जो श्रद्धालुओं को यथोचित शुल्क लेकर सुविधाजनक ढंग से अयोध्या और काशी पहुंचाए। प्रयागराज के आसपास ही चित्रकूट, मैहर और विंध्याचल भी है, जिन्हें भी टूर पैकेज में जोड़ा जा सकता है। इसी तरह काशी और अयोध्या से भी आसपास के धार्मिक स्थलों को बसों एवं ट्रेन से जोड़ने की जरूरत है। कुंभ में लगभग 45 करोड़ लोगों के आने की संभावना है, इसलिए भीड़ प्रबंधन की दृष्टि से भी ऐसा किया जाना जरूरी है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और आवश्यक सेवाओं के लिए उन्हें इधर-उधर भटकना न पड़े, यह योजना भी समय रहते ही तैयार की जानी चाहिए। कोई संदेह नहीं कि प्रयागराज, काशी और अयोध्या की त्रिवेणी प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को वैश्विक पहचान देने के साथ ही आर्थिकी को भी नई दिशा देगी। यहां पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या को इसके प्राथमिक प्रमाण के रूप में देखा जा सकता है। अयोध्या में पिछले वर्ष लगभग दो करोड़ पर्यटक पहुंचे हैं तो काशी में लगभग सात करोड़ और प्रयागराज में यह आंकड़ा पांच करोड़ तक पहुंच रहा है। प्रयागराज में कुंभ के समय काशी और अयोध्या भी पर्यटकों के अपने सभी पिछले रिकार्ड तोड़ देंगे। अभी अयोध्या और काशी के लिए अधिक आकर्षण है तो इसलिए कि एक जगह श्रीराम का भव्य मंदिर और दूसरी जगह काशी विश्वनाथ धाम कारिडोर है।

आगे की राह दिखाए अंतरिम बजट

तरुण गुप्त

एक फरवरी को होने वाली बजट घोषणाओं से वह मंशा और दिशा अवश्य स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिए हम कौन सी राह पकड़ने वाले हैं

अवधेश राजपूत

बजट से जुड़ी अपेक्षाओं को सामान्य तौर पर कुछ समय पहले व्यक्त किया जाता है, लेकिन यह साल अन्य वर्षों से अलग और विशिष्ट है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कुछ दिनों पहले ही पूरा विश्व अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य कार्यक्रम का साक्षी बना। उसकी आभा से हम सभी इतने अभिभूत रहे कि राम मंदिर से इतर ध्यान देने में थोड़ा समय लग गया। चूंकि यह चुनावी साल भी है तो सरकार एक फरवरी को पूर्ण बजट के बजाय वोट आन अकाउंट यानी लेखानुदान प्रस्तुत करेगी। लेखानुदान के माध्यम से सरकार भारत की संचित निधि से अपने खर्च के लिए संसद की अनुमति प्राप्त करती है। प्रायः यह अनुमति अक्सर दो महीने की होती है। पूर्ण या सामान्य बजट से इतर यह एक अंतरिम व्यवस्था होती है, जिसमें कर व्यवस्था और नीतियां शामिल नहीं होतीं। हालांकि कई बार सरकार पर ऐसे आरोप भी लगते हैं कि वह पूर्ण बजट और अंतरिम बजट के बीच की महीन रेखा के अंतर को मिटा देती है।

एक फरवरी को होने वाली घोषणाओं को चाहे जो नाम दिया जाए, उनसे वह मंशा और दिशा अवश्य स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिए हम कौनसी राह पकड़ने वाले हैं। किसी भी सामान्य वर्ष की तरह वित्त मंत्री से बड़ी अपेक्षाएं लगी हुई हैं। चूंकि इस समय भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने को लेकर चर्चा चल रही है, उसके बीच यह देखना उपयोगी होगा कि जिस मंजिल तक हमें जाना है, उस लक्ष्य और वर्तमान स्थिति में कितना अंतर है। इस समय हमारी अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी आर्थिकी बनने जा रही है। इसके बावजूद प्रति व्यक्ति आय के पैमाने पर हम बहुत पीछे हैं। यह सही है कि लक्ष्यों की पूर्ति के लिए आर्थिक विकास अत्यंत आवश्यक होता है, लेकिन अपने आप में केवल यही पर्याप्त नहीं होता। मानव पूंजी में निवेश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होने की पूर्वनिर्धारित शर्त है।

यदि शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर पर बात करें तो प्रति व्यक्ति आधार और जीडीपी के अनुपात दोनों कसौटियों पर हमारा व्यय आवश्यकता के अनुरूप बहुत कम है। कायाकल्प की दृष्टि से महत्वपूर्ण इन दोनों विषयों पर पिछले कुछ समय से केंद्र और राज्यों का कुल संसाधन आवंटन जीडीपी के दो से तीन प्रतिशत के दायरे में है। इस मोर्चे पर हम विश्व के शीर्ष सौ देशों की सूची से बाहर हैं। हमारी आबादी के आकार को देखते हुए प्रति व्यक्ति स्तर पर तो स्थिति और भी दयनीय है। ऐसे में कोई हैरानी नहीं होती कि हम कमजोरियों से जूझ रहे हैं। एक के बाद एक आने वाली सर्वे रिपोर्ट दर्शाती हैं कि पठन-पाठन का स्तर कितना लचर है। निःसंदेह आवंटन एवं गुणवत्ता के लिहाज से हम रातोंरात विकसित देशों की बराबरी नहीं कर सकते, किंतु आवंटन में चरणबद्ध बढ़ोतरी एक अच्छी शुरुआत होगी।

बुनियादी ढांचागत विकास को प्राथमिकता देने के लिए हमें मौजूदा सरकार की सराहना करनी चाहिए। आर्थिक वृद्धि को आवश्यक आधार प्रदान करने के साथ ही बुनियादी ढांचागत परियोजनाएं रोजगार सृजन के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होती हैं। इसके परिणाम भी प्रत्यक्ष दिख रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि अभीष्ट की पूर्ति के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है, लेकिन इस रुझान में निरंतरता बनी रहनी चाहिए।

हमारा समाज जितने स्तरों पर विभाजित है और जहां विकास के मोर्चे पर इतनी गहरी खाई विद्यमान हो, वहां चुनावी दबाव के चलते लोकलुभावनवाद के कुछ तत्व अपरिहार्य हैं। इसके बावजूद यदि हम कुछ चुनावी रेवड़ियों पर पुनर्विचार करते हुए सब्सिडी की एक आर्थिक परिधि तय करने पर सहमति बनाते हुए अनुत्पादक खर्चों एवं कर रियायतों पर विराम लगा पाएं तो यह बहुत कारगर होगा। हालांकि, चुनावी वर्ष में ऐसी संभावनाएं दूर की कौड़ी दिखती हैं। इसकी स्वाभाविक परिणति यही होगी कि राजकोषीय अनुशासन का अपेक्षित स्तर पर अनुपालन संभवतः न हो पाए। हमारा राजकोषीय घाटा और ऋण का स्तर महामारी के बाद से निरंतर बढ़ा है। तार्किक आर्थिक समझ तो यही कहती है कि लंबे समय तक इसे नजरअंदाज करना उपयुक्त नहीं होगा।

चालू वित्त वर्ष में हमारे कर संग्रह लक्ष्य से अधिक हो गए हैं। यह सराहनीय है, लेकिन इस बीच हमें खामियों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों से विनिवेश की तस्वीर निराशाजनक रही है। जब शेयर बाजार ऐतिहासिक ऊंचाई पर है तब यह अवसर को भुनाने का बढ़िया समय है। भूमि संसाधनों का मौद्रीकरण भी राजस्व जुटाने का एक अच्छा स्रोत है, जिसे अभी तक भुनाया नहीं गया।

बजट में सबसे अधिक निगाहें प्रत्यक्ष कर से जुड़े प्रस्तावों पर टिकी होती हैं। इस परिदृश्य के गहन मूल्यांकन की आवश्यकता है। कर प्रक्रिया को आवश्यक रूप से सरल एवं तार्किक बनाने के लिए नई प्रत्यक्ष कर संहिता काफी समय से लंबित एवं प्रतीक्षित है। लाभांश कराधान, उच्च आय वर्ग पर ऊंची आयकर दरें, मानक कटौती में वृद्धि और वेतनभोगी वर्ग के लिए कुछ सरकारी रियायतें उचित ही अपेक्षित हैं। वर्ष 2019 में कारपोरेट कर में कटौती को उद्योग जगत और पूंजी बाजार ने हाथोंहाथ लिया। जबकि अधिकांश एमएसएमई लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप-एलएलपी, साझेदारी एवं स्वामित्व स्वरूप में हैं। यह उचित होगा कि इन्हें भी कर में कटौती का लाभ मिले।

जहां तक व्यापक कर प्रस्तावों का प्रश्न है तो वह जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट का हिस्सा होंगे, मगर कुछ अनुकूल संकेत परिदृश्य में उत्साह का संचार करेंगे। सबसे आवश्यक तो सरलता, तार्किकता और निरंतरता के प्रवाह को बनाना है। कर संग्रह में उछाल के बावजूद जीडीपी के अनुपात में करों की स्थिति अभी भी निचले स्तर पर है। हमें एक छोटे समूह से अधिक से अधिक खींचने के बजाय करों के दायरे को बढ़ाने की आवश्यकता है। यह एक वास्तविक सुधार होगा और ऐसे सुधार के विरुद्ध कभी दांव नहीं लगाना चाहिए। यदि उपरोक्त प्रस्ताव से कुछ अस्थायी राजस्व क्षति होती है तो व्यापक अनुपालन से न केवल उसकी भरपाई, अपितु अधिक राजस्व प्राप्ति संभव है। राज्य की नीति को दिशा देने का एक पहलू यह भी होना चाहिए कि नागरिकों को अनुभूति हो कि उनके द्वारा अदा किए गए कर का उपयोग अभिजात्य वर्ग की समृद्ध जीवनशैली को और संवारने के बजाय राष्ट्र निर्माण से संबंधित गतिविधियों में हो रहा है। ऐसे में वे कर अदायगी को लेकर अधिक सकारात्मक होते हैं।

response@jagran.com

स्याह दिखने लगा कांग्रेस का भविष्य

राज कुमार सिंह

अगर विपक्षी मोर्चा आइएनडीआइए बिखरता है तो उसका सबसे अधिक राजनीतिक नुकसान कांग्रेस को ही होगा

बढ़ रही है कांग्रेस की कठिनाई। फाइल

बिहार का मुख्यमंत्री बने रहने के लिए नीतीश कुमार ने फिर से पाला बदल कर केवल अपनी विश्वसनीयता को ही चोट नहीं पहुंचाई। उन्होंने विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया। नीतीश ही बेहतर जानते होंगे कि 17 महीने बाद वह क्यों राजग में लौटे। वहीं ऐसे नेता पर बार-बार विश्वास कर लेने का कारण भी भाजपा ही बेहतर जानती होगी, पर इन सवालों के चलते विपक्षी मोर्चे की दुर्दशा और उसमें कांग्रेस की भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती। जो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे नीतीश की विश्वसनीयता पहले से ही संदिग्ध होने की बात कह रहे हैं या फिर जयराम रमेश उन्हें गिरगिट बता रहे हैं, उन्हें इन सवालों का जवाब भी देना चाहिए कि ऐसे नेता को विपक्षी एकता का सूत्रधार क्यों बनाया गया? यह भी कि अभी तक किसी विश्वसनीय नेता को संयोजक क्यों नहीं बना दिया गया? राजनीतिक नैतिकता में विश्वास रखने वाला शायद ही कोई नीतीश की राजनीति को सही मानेगा, पर कांग्रेस इस तथ्य से मुंह नहीं मोड़ सकती कि उन्हीं की बदौलत वह विपक्षी एकता की धुरी बनती दिखी।

सब जानते हैं कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी से लेकर आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव तक ज्यादातर क्षत्रप कांग्रेस-भाजपा से समान दूरी के आधार पर तीसरा मोर्चा या संघीय मोर्चा बनाने के पक्षधर थे। तेलंगाना के तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव तो इसके लिए देश भर में घूम कर विपक्षी क्षत्रपों से मिले भी थे। राजग छोड़कर फिर राजद-कांग्रेस के महागठबंधन में लौटे नीतीश कुमार ही वह नेता थे, जिन्होंने दो टूक कहा था कि अगर भाजपा को हराना है तो दूसरा-तीसरा नहीं, बल्कि एक ही विपक्षी मोर्चा बनाना होगा, जो कांग्रेस के बिना नहीं बन सकता। उसके बाद नीतीश ने ज्यादातर क्षत्रपों को ऐसे मोर्चे के लिए मनाया भी, जो अंततः पिछले साल करीब दो दर्जन दलों के विपक्षी मोर्चे आइएनडीआइए के रूप में सामने आया। नीतीश का सपना प्रधानमंत्री बनना था। भाजपा जैसी जनाधार वाली पार्टी तो उनका वह सपना पूरा करने से रही। हां, चुनाव से पहले सत्ता के लिए होने वाला विपक्षी जमावड़ा वह मंच हो सकता था। अतीत में एचडी देवेगौड़ा और इंद्र कुमार गुजराल जैसे नेता उसी मंच पर चढ़कर प्रधानमंत्री बने।

सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस की दशा नेतृत्व के मामले में अच्छी नहीं है। देश तो दूर, अपनी पार्टी में भी राहुल गांधी वैसा विश्वास अभी तक जगा नहीं पाए हैं और नेहरू-गांधी परिवार किसी और कांग्रेस नेता पर आसानी से विश्वास नहीं करता। ऐसे में नीतीश की रणनीति थी कि विपक्षी गठबंधन का सूत्रधार बनकर वह कांग्रेस का विश्वास अर्जित कर लें और 2024 के लोकसभा चुनाव में बहुमत मिलने पर प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक दावेदार बन जाएं। शायद नीतीश भूल गए कि नरेन्द्र मोदी की भाजपा के सत्ता में आने के बाद कांग्रेस चुनाव जीतने की बिसात बिछाने में भले पिछड़ गई हो, पर राजनीतिक तिकड़मबाजी में वह कम नहीं। इसीलिए विपक्षी एकता के लिए पटना में हुई पहली बैठक तक तो कांग्रेस नीतीश के प्रति आभारी दिखी, लेकिन उसके बाद बड़ी चतुराई से उसने स्टीयरिंग अपने हाथ में ले लिया। इसके बाद भी नीतीश ने उम्मीद नहीं छोड़ी। उनका दांव था कि प्रधानमंत्री चुनने की जरूरत तो चुनाव में बहुमत मिलने पर आएगी, फिलहाल संयोजक भी बन जाएं तो दावा मजबूत रहेगा, पर गठबंधन की पिछली बैठक में ममता और केजरीवाल ने मल्लिकार्जुन खरगे के नाम की चर्चा कर उनका वह खेल भी बिगाड़ दिया। माना जाता है कि इसके बाद ही नीतीश ने भाजपा से अपना टूटा हुआ संपर्क फिर जोड़ा। भाजपा को भी लगा कि अगर विपक्षी गठबंधन का सूत्रधार ही उसके पाले में आ जाएगा तो उसे बड़ी मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी और विपक्ष धूल-धूसरित हो जाएगा। वैसा होता दिख भी रहा है, लेकिन अगर आइएनडीआइए बिखरता है तो सबसे बड़ा राजनीतिक नुकसान कांग्रेस को ही होगा।

बंगाल में तृणमूल कांग्रेस तथा दिल्ली और पंजाब में आप अकेले चुनाव लड़ती रही है। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन बिना भाजपा आप को चुनौती नहीं दे सकती, लेकिन दिल्ली में वह सातों लोकसभा सीटें अपने दम पर जीत लेती है। जबकि कांग्रेस ज्यादातर राज्यों में अपने बूते चुनाव लड़ने की स्थिति में भी नहीं है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के वार्ताकारों का इंतजार करते-करते अखिलेश यादव ने जिस तरह उसे 11 सीटें देने का एकतरफा एलान कर दिया, उसे अल्टीमेटम भी समझा जा सकता है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की राकांपा में विभाजन के बाद महाराष्ट्र में भी कांग्रेस जिस तरह बड़ा भाई बनने की कोशिश कर रही है, उसके परिणाम सकारात्मक नहीं होंगे। ऐन चुनाव से पहले राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का एकतरफा फैसला कर घटक दलों के नेताओं को अपने-अपने प्रभाव क्षेत्रों में शामिल होने का निमंत्रण भेजने वाली कांग्रेस शायद भूल रही है कि आइएनडीआइए की सफलता सबसे ज्यादा उसके राजनीतिक भविष्य के लिए जरूरी है। अन्य घटक दलों के दांव राज्य की राजनीति तक सीमित हैं, जबकि कांग्रेस का भविष्य लोकसभा में उसकी सदस्य संख्या पर निर्भर करेगा, जहां पिछले दो चुनावों में वह क्रमशः 44 और 52 सीटों पर सिमटती रही है। कांग्रेस के शर्मनाक प्रदर्शन की हैट्रिक, मोदी सरकार की हैट्रिक तो सुनिश्चित करेगी ही, उसके भविष्य पर प्रश्नचिह्न भी लगा देगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

अपमान की वेदना

तिरस्कार या अपमान का विष सहन कर पाना हर किसी के लिए संभव नहीं होता। इसकी प्रतिक्रिया में कोई क्रोधाग्नि में जलने लगता है या कोई मन में किसी ग्रंथि को पाल बैठता है। हमारी अपनी किसी कमी, त्रुटि या दुर्बलता के कारण सम्मान न मिले तो इसे पश्चाताप के रूप में निगलना ही होता है। हालांकि जब इसके पीछे कुछ ऐसे कारण हों, जिन पर हमारा वश नहीं है तब तिरस्कार या असम्मान की स्थिति को झेलना वास्तव में बेहद कष्टकारी हो जाता है। ऐसे में तीव्र वेदना के क्षणों में मनुष्य ईश्वर पर पक्षपाती होने का आरोप लगा बैठता है।

वस्तुतः, अपयश, असम्मान, तिरस्कार और अपमान भी एक प्रकार का दंड है, जो हम पूर्व में किए गए बुरे कर्मों के फल के रूप में भोगते हैं। किसी को कम परिश्रम पर भी अधिक यश मिल जाता है और किसी को अधिक परिश्रम करने पर रत्ती भर यश मिलता है। वह भी किसी न किसी 'किंतु-परंतु' के साथ। वर्तमान में हम जो कुछ भी भोगते हैं, उसके बीज कहीं न कहीं अतीत में बोए गए थे, इसलिए वर्तमान में मिल रहे सुख या दुख पर हमारा कोई वश नहीं। जो कुछ भी आज सामने आया है, उस पर हमारी प्रतिक्रिया ही निर्धारित करेगी कि हमारा भविष्य कैसा रहेगा।

यदि ऐसा लगता है कि जिस सम्मान के हम अधिकारी थे, वह नहीं मिला या जिन परिस्थितियों को हम बदल नहीं सकते, वे बार-बार हमारे अपमान का माध्यम बनती हैं, तो साक्षी भाव से देखकर मुस्कुराइए कि कुछ बुरे फल थे, जो कट गए। ऐसे में क्रोध या निराशा के अश्व पर सवार न होकर, जीवन के उन पक्षों पर कार्य करना चाहिए जो हमें सम्मान दिला सकें। हर किसी के पास कोई न कोई ऐसा गुण अवश्य होता है जो तमाम कमियों और अभावों पर एक मोटा आवरण डालकर जीवन में सुखद ऊष्मा का संचार करता रहे।

ट्विंकल तोमर सिंह

जलवायु संकट के मनोवैज्ञानिक प्रभाव

सुधीर कुमार

'क्लाइमेट एंग्जाइटी' वर्तमान समय की हकीकत है। इससे कमोबेश सभी प्रभावित हैं

जलवायु परिवर्तन का मानसिक स्वास्थ्य के साथ गहरा संबंध है। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी आपदाएं और चरम मौसमी दशाएं व्यक्ति एवं समुदाय विशेष की मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित सकती हैं। जलवायविक दशाएं वर्तमान और भविष्य दोनों के प्रति चिंता, चिड़चिड़ापन, तनाव, नींद संबंधी विकार, पोस्ट-ट्रामैटिक स्ट्रेस डिसआर्डर और अवसाद को जन्म देकर मानसिक परेशानी उत्पन्न करती है। मानसिक स्वास्थ्य का खासकर उन लोगों पर प्रभाव अधिक होते हैं, जिन्होंने अधिक नुकसान का अनुभव किया है।

'क्लाइमेट एंग्जाइटी' वर्तमान समय की हकीकत है। इससे कमोबेश सभी प्रभावित हैं। इससे तात्पर्य जलवायु परिवर्तन से जुड़ी घटनाओं का मानव की मनोदशा पर पड़ने वाले प्रभावों से है। भविष्य में जलवायु परिवर्तन के संभावित दुष्प्रभावों के बारे में चिंता होना स्वाभाविक है। इससे घबराहट, अनिद्रा, जीवन की अनिश्चितता जैसे मानसिक विकार सामने आ रहे हैं। शोध बताते हैं कि प्राकृतिक आपदाएं मानसिक स्वास्थ्य पर तात्कालिक और दूरगामी प्रभाव डालती हैं। मसलन 1992 में दक्षिण फ्लोरिडा में तूफान 'एंड्रयू' के आने के लगभग एक साल बाद भी उस क्षेत्र में रहने वाले 18 प्रतिशत बच्चे पोस्ट-ट्रामैटिक स्ट्रेस डिसआर्डर जैसे लक्षणों से जूझ रहे थे, जबकि 2005 में तूफान कैटरीना से पीड़ित लगभग 30 प्रतिशत बच्चे जटिल दुख से पीड़ित थे। उन बच्चों में हानि की तीव्र भावनाएं लंबे समय तक बनी रहीं। इसी तरह अफ्रीका के सोमालिया में सूखे के कारण वहां की लगभग आधी आबादी (80 लाख) अकाल का सामना कर रही है। पाकिस्तान में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी विनाशकारी बाढ़ ने क्षेत्र में रहने वाले 3.3 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित किया है। इसके अलावा विश्व बैंक के 2019 के आंकड़ों के अनुसार, होंडुरास की लगभग 30 प्रतिशत आबादी कृषि क्षेत्र के लिए काम करती है, जहां बढ़ते तापमान और सूखा बड़े पैमाने पर पलायन में योगदान दे रहे हैं। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया औसत ताप में वृद्धि का सामना कर रही है, तब इससे होने वाली फसल उत्पादन में कमी, संक्रामक रोगों के प्रसार, आपदाओं और प्रदूषण में वृद्धि, जैव विविधता की हानि और शुद्ध हवा के संकट से मनुष्य की अनुकूलन क्षमता प्रभावित हो रही है, जिसका हमारे मन-मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

मानसिक स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। व्यक्तिगत स्तर पर जहां हम हर परिस्थिति में खुश रहने की कोशिश कर सकते हैं, वहीं सामुदायिक स्तर पर जलवायु संकट से निपटने के निमित्त पर्यावरण संरक्षण की कोशिशों को जारी रख सकते हैं।

(लेखक बीएचयू में शोधार्थी हैं)

मेलबाक्स

बिखरता हुआ विपक्षी मोर्चा

'कांग्रेस की राजनीतिक जमीन' शीर्षक से प्रकाशित संपादकीय टिप्पणी में उचित ही लिखा गया है कि पार्टी वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य का सही आकलन करने में अक्षम दिख रही है। कांग्रेस खुद को जिस मोर्चे आइएनडीआइए का अगुआ समझकर सत्ता वापसी का सपना देख रही है, उसके लिए इससे बड़ा झटका और क्या हो सकता है कि विपक्षी एकता की कड़ियां जोड़ने वाले सूत्रधार नीतीश कुमार ने ही उससे किनारा कर लिया। गठबंधन के सहयोगी दल कांग्रेस से निरंतर शिकायत करते आ रहे हैं, लेकिन कांग्रेस उनकी शिकायतों की अनदेखी करते हुए विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। यही कारण रहा कि बिहार में उसका खेल बिगड़ गया है। बंगाल में ममता बनर्जी पहले ही उसे किनारे कर चुकी हैं। आम आदमी पार्टी जहां पंजाब और दिल्ली में उसे ज्यादा भाव नहीं दे रही, वहीं हरियाणा में भी उसके समीकरण बिगाड़ने को तैयार है। उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी उसे एक तरह से तिरस्कृत करते हुए महज 11 सीट देने को तैयार है, जबकि केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक सीमित रालोद को उसने सात सीटों की पेशकश की है। जब कांग्रेस को सहयोगी दलों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उनके साथ सभी मुद्दों को सुलझाना चाहिए था, तब उसने राहुल गांधी की यात्रा को प्राथमिकता दी, जिसका शायद ही उसे कोई राजनीतिक लाभ मिले। केशव तिवारी, आजमगढ़

रामराज्य और नागरिक

'साकार हो गांधी के रामराज्य का सपना' शीर्षक से लिखे आलेख में राघवेंद्र प्रसाद तिवारी के विचार अत्यंत समीचीन हैं। इतने कालखंड के बाद प्रभु श्रीराम का अयोध्याधाम में आना कोई सामान्य घटना नहीं है। यह भारतवासियों के लिए अनुपम घटना है। अब प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपना कार्य पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से करे। रामराज्य में सभी नागरिक अपना-अपना कार्य करते हुए समाज के उत्थान में योगदान करते हैं। आज की युवा पीढ़ी ऊर्जा से ओतप्रोत है। उसके पास ज्ञान-विज्ञान का भंडार है। अभिभावकों, राजनीतिज्ञों एवं नीति-नियंताओं का यह कार्य है कि हमारी युवा शक्ति की इच्छाशक्ति किसी भी स्तर पर क्षीण न हो। उन्हें प्रचुर अवसर उपलब्ध करवाए जाएं। भारत के निर्माण में युवाशक्ति का महत्वपूर्ण योगदान होगा। वे नई राहों का अन्वेषण करेंगे और सनातन मूल्यों को आत्मसात कर अपने-अपने क्षेत्र में निर्मल मन से समाज के उत्थान के लिए कार्य करेंगे। हमारी युवाशक्ति ऐसे समाज का निर्माण करेगी जिसमें कोई अशिक्षित नहीं होगा। स्वास्थ्य सेवाएं सभी के लिए उपलब्ध होंगी, कोई भूखा नहीं सोएगा, सभी के पास जीवनोपयोगी सभी सुविधाएं होंगी। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों, हमारे पुरखों का यही तो सपना था कि हमारे देश से अभाव एकदम मिट जाए। प्रचुरता से हर नागरिक की जरूरतें पूरी हों, हमारे प्राकृतिक संसाधन सुरक्षित एवं संरक्षित रहें, उनका शोषण न होकर केवल दोहन हो, विकास का हमारे सांस्कृतिक मूल्यों से अमिट नाता रहे, समाज में सौमनस्य बढ़े, कहीं कोई आर्तस्वर न हो-यही तो रामराज्य है। योगराज, खरड़ (पंजाब)

पाला बदल की राजनीति

'पाला बदल फिर से' शीर्षक से लिखी गई संपादकीय टिप्पणी में बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू प्रमुख नीतीश कुमार के पाला बदल को राजनीतिक मूल्यों-मर्यादाओं के विपरीत बताना सर्वथा उचित है। माना कि उन्होंने स्वयं के हितों की रक्षा के लिए यह कदम उठाया है, लेकिन राजनीतिक मर्यादा की भी अपनी एक सीमा होती है। नीतीश कुमार ने जिस तरह से इस सीमा रेखा को अतिक्रमित किया है, उससे उनकी 'सुशासन बाबू' की छवि तो तार-तार हो ही गई, अब भविष्य में उनकी बात का भरोसा भी खत्म हो गया। नीतीश कुमार ने कहा था कि उन्हें मरना कबूल है, लेकिन भविष्य में भाजपा का साथ मंजूर नहीं है। यदि बिहार की जनता ने इसे गंभीरता से ले लिया तो इससे आगामी आम चुनाव में भाजपा को नुकसान भी हो सकता है।

yograj62@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

76 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं, भारतीय जेलों में जिनके मामले विचाराधीन हैं, नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक।

आजकल

नियमन से निखरेगी कृत्रिम बुद्धिमत्ता

अरविंद कुमार मिश्रा
लोक नीति विश्लेषक

अगर समय रहते एआइ को अनुशासित नहीं किया गया तो यह काफी खतरनाक साबित हो सकती है। अपने आरंभिक दौर में ही यह निजता हनन के साथ श्रम बाजार में उथल-पुथल मचा रही है। इन आशंकाओं के बीच भारत, अमेरिका, यूरोपीय संघ समेत विश्व भर में एआइ के नियमन को लेकर इन दिनों हलचल है। इसी क्रम में अमेरिका ने कृत्रिम मेधा के नियमन से जुड़े आदेश को मंजूरी दी है। इसे ब्लूप्रिंट फार एन एआइ बिल आफ राइट्स नाम दिया गया है

धीरे-धीरे रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन रही है कृत्रिम बुद्धिमत्ता। प्रतीकात्मक

अंग्रेजी शब्दकोश कालिंस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता अथवा मेधा को 2023 का सर्वश्रेष्ठ शब्द बताया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता धीरे-धीरे रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन रही है। ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने से लेकर मौसम के पूर्वानुमान बताने और वस्तुओं के उत्पादन से लेकर आपरेशन थियेटर में यह मशीनी मेधा मददगार साबित हो रही है। कविताएं लिखने से लेकर शोध संकल्पनाओं को अंतिम रूप देने में चैटजीपीटी का धड़ल्ले से प्रयोग हो रहा है। जेनरेटिव एआइ से तस्वीरों, शब्दों और आवाज को हजारों रूप दिए जा रहे हैं। एआइ एल्गोरिदम कैंसर और मधुमेह जैसी बीमारियों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान तय करने में सहायक है। मिट्टी की नमी जांचने से लेकर खरपतवारों का संभावित खतरा बताने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपयोगी हो रही है। एआइ एक्सल से लेकर चैटबाट कार्यालयी कामकाज को आसान बना रहे हैं। कंप्यूटर विज्ञान और इंटरनेट के इस नवाचार की ताकत में ही कमजोरियां भी छिपी हैं। एआइ पर चलने वाली डीपफेक तकनीक से अभिनेत्री रश्मिका मंदाना समेत कई हस्तियों की छवि धूमिल करने की कोशिश हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कृत्रिम मेधा से होने वाली अनैतिक गतिविधियों पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। कई एआइ टूल ऐसे व्यक्ति (अवास्तविक इंसान) की तस्वीर बना सकते हैं, जो दुनिया में कभी आया ही नहीं। इन तस्वीरों का इस्तेमाल लोगों को गुमराह करने के लिए हो सकता है। मशीनी मेधा से चलने वाले उपकरण विशुद्ध रूप से डाटा से संचालित होते हैं। एआइ कंपनियों में अधिक से अधिक डाटा हासिल करने की होड़ इसी का नतीजा है। आपकी रेटिना और अंगूठे का निशान ही निजी डाटा नहीं हैं। आप गूगल पर क्या खोजते-पढ़ते हैं। मोबाइल-लैपटाप पर कौन से एप और साफ्टवेयर इस्तेमाल करते हैं। इंटरनेट मीडिया पर तैर रही पोस्ट पर आप कितनी देर ठहरे, ये सब टेक कंपनियों के लिए बेशकीमती डाटा हैं। इनके आधार पर आपको वस्तुएं और उत्पाद पेश किए जाते हैं। यह हमारे सोच और स्वभाव को एआइ के जरिये हांकने जैसा है।

अमेरिका ने की नियमन की शुरुआत : यदि समय रहते कृत्रिम मेधा को अनुशासित नहीं किया गया तो यह पक्षपातपूर्ण सामग्री पैदा करेगी। अपने शुरुआती दौर में ही यह निजता हनन के साथ श्रम बाजार में उथल-पुथल मचा रही है। इन आशंकाओं के बीच भारत, अमेरिका, यूरोपीय संघ समेत दुनिया भर में एआइ के नियमन को लेकर इन दिनों हलचल तेज है। इसी क्रम में अमेरिका में बाइडन प्रशासन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नियमन से जुड़े कार्यकारी आदेश को मंजूरी दी है। इसे ब्लूप्रिंट फार एन एआइ बिल आफ राइट्स नाम दिया गया है। किसी भी देश द्वारा कृत्रिम मेधा को नियमन के दायरे में लाने से जुड़ी यह पहली कवायद है। व्हाइट हाउस का दावा है कि राष्ट्रपति जो बाइडन का कार्यकारी आदेश कृत्रिम मेधा की गलत इस्तेमाल पर रोक लगाएगा। इससे कापीराइट, नकल (डीपफेक) और निजता के उल्लंघन पर रोक लगेगी। यह आदेश इंटरनेट पर मौजूद सामग्री को उठाकर उसके संकलन और नकल की प्रवृत्ति पर लगाम लगाएगा। इस प्रकार विश्व में पहली बार बनावटी बुद्धि से तैयार होने वाली सामग्री को निगरानी के दायरे में लाया गया है। अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय कंटेंट की चोरी रोकने के लिए दिशानिर्देश बनाने जा रहा है। एआइ से सृजित सामग्री पर वाटरमार्किंग को अनिवार्य किया जा रहा है। अमेरिका में अब एआइ कंपनियों को अपने उत्पाद सार्वजनिक करने से पहले सरकार से मंजूरी लेनी होगी। उन्हें यह भी बताना होगा कि उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए कौन से उपाय हैं। अब अमेरिका जल्द ही इससे जुड़े मानक विकसित करेगा। इसे सभी टेक कंपनियों को मानना होगा। अमेरिका का आंतरिक सुरक्षा विभाग इस बात की निगरानी रखेगा कि ये मानक पारदर्शिता से लागू हो रहे हैं या नहीं। यहां तक कि अमेरिकी सेना भी मशीनी बुद्धि का सीमित दायरे में उपयोग करेगी। इसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद निर्देशिकाएं तैयार करेगा।

यूरोपीय संघ ने दिखाई सख्ती : वर्ष 2021 से जारी बहस के बाद पिछले साल यूरोपीय संघ की संसद ने भी एआइ के नियमन से संबंधित एक एक्ट का मसौदा पेश किया था। अब यूरोपीय संघ के सदस्य देश इसे लागू करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। यूरोपीय संघ के कानून में कृत्रिम मेधा के लिए प्रतिबंधित, उच्च जोखिम और सामान्य क्षेत्र तय किए गए हैं। कोई दल चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित न करे, इसके लिए इंटरनेट मीडिया में चुनाव प्रचार को उच्च जोखिम सूची में डाला गया है। कंपनियों को इस बात की घोषणा करनी होगी और स्पष्टीकरण भी देना होगा कि कौन सी सामग्री बनावटी बुद्धि से तैयार की गई है। इस एक्ट के लागू होने के बाद मशीनी दिमाग के जरिये लोगों की जिंदगी में गैर जरूरी दखल देने पर कंपनियों पर उनकी कमाई का छह प्रतिशत जुर्माना लगेगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नियमन का भारतीय परिदृश्य : भारत में विभिन्न उद्योग संगठन पहले ही कृत्रिम मेधा के लिए एक नियामकीय तंत्र की जरूरत पर बल दे चुके हैं। नीति आयोग ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर 2018 में एक रणनीतिक दृष्टिपत्र प्रकाशित किया था। उसमें बताया गया है कि भारत में कृत्रिम मेधा से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, स्मार्ट सिटी एवं आधारभूत संरचना तथा आधुनिक परिवहन की शक्ल बदली जा सकती है। उसमें एआइ जनित चुनौतियों एवं समाधानों का भी उल्लेख है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने भी 2017 में एआइ पर एक कार्यदल का गठन किया था। उसके द्वारा की गई अहम सिफारिशों में अंतर मंत्रालयी कृत्रिम मेधा मिशन का गठन प्रमुख है। इसके अलावा रक्षा क्षेत्र में एआइ के उपयोग एवं जोखिम की पड़ताल करने के लिए एक कार्यदल का गठन 2018 में किया गया था। उसने सैन्य कृत्रिम मेधा परिषद (डीएआइसी), सैन्य कृत्रिम मेधा परियोजना एजेंसी के गठन तथा डाटा प्रबंधन, प्रशिक्षण एवं पृथक बजट से जुड़े कई अहम सुझाव दिए थे। इनमें से एक डीएआइसी का गठन किया भी जा चुका है। इसके साथ-साथ 23 साल पुराने सूचना प्रौद्योगिकी कानून की जगह लेने वाले डिजिटल इंडिया अधिनियम में एआइ के नियमन से जुड़े प्रविधान शामिल किए जा रहे हैं। इसमें एआइ की उच्च जोखिम की पहचान करने के साथ इसकी जवाबदेही तय करने की बात भी कही गई है।

कृत्रिम मेधा पर वैश्विक साझेदारी : एआइ पर वैश्विक नियमन का मुद्दा भी अहम है। पिछले साल अक्टूबर में ब्रिटेन की मेजबानी में वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन आयोजित हुआ था। उसमें अमेरिका, ब्रिटेन, भारत और चीन समेत 30 देश कृत्रिम मेधा के वैश्विक नियमन पर सहमत हुए थे। भारत ने कुछ दिन पहले ही कृत्रिम मेधा पर वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन (जीपीएआइ) की मेजबानी की है। मालूम हो कि 2020 में स्थापित जीपीएआइ के 29 सदस्य देश हैं। अच्छी बात है कि भारत इसके जरिये संयुक्त राष्ट्र सलाहकार समूह और यूके एआइ सुरक्षा शिखर सम्मेलन को एक मंच पर लाने में सफल हुआ है। इससे पहले जी-20 के दिल्ली घोषणापत्र में भी मानवता के हित में कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल का आह्वान किया गया था। यह सच है कि भारत की पहचान आइटी उद्योग के वैश्विक अगुआ की है। कंप्यूटर आधारित ज्ञान की समृद्ध बुनियाद पर खड़े हमारे देश के लिए कृत्रिम बुद्धि रोजगार और सामाजिक उन्नति के नए अवसर लाएगी। देश की आधी से अधिक आबादी 25 साल से कम उम्र की है। यदि हम जल्द ही संभावनाओं भरे इस क्षेत्र को अनुशासित कर लेते हैं तो यह तकनीक भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में सामाजिक बदलाव का वाहक बनेगी।

एआइ से बढ़ेगी आपराधिक न्याय प्रणाली की दक्षता

नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय जेलों में बंद 76 प्रतिशत कैदी विचाराधीन हैं। वे पुलिस जांच और अदालती सुनवाई के इंतजार में हैं। न्यायालयों में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। उच्च न्यायालयों में 60,62,953 और जिला एवं निचली अदालतों में चार करोड़ 41 लाख 35,357 केस लंबित हैं। अपराध की जांच, आरोपपत्र दायर करने में विलंब और न्यायिक मामलों की सुनवाई पर लेटलतीफी बड़ी चुनौती है। पुलिस की जांच प्रक्रिया से लेकर अदालती सुनवाई में कृत्रिम मेधा के अनुप्रयोग वरदान बन सकते हैं। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएन) में अपराधों से जुड़े डाटा का विशिष्ट एल्गोरिदम से विश्लेषण कर अपराध की प्रवृत्ति का पता लगाया जाता है। इससे उसके समाधान के प्रभावी विकल्प पुलिस को मिलते हैं। हाल में दिल्ली पुलिस ने एआइ टूल की मदद से हत्या की एक वारदात को उजागर किया है। इसमें क्षत-विक्षत अवस्था में मिले लावारिस शव की पहचान सुनिश्चित करने में एआइ सृजित तस्वीर सहायक हुई। उत्तर प्रदेश की गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने एआइ आधारित सर्च इंजन जियोस्पेशियल डाटा इंटेलिजेंस प्लेटफार्म (जीडीआइपी) की ओर कदम बढ़ाया है। इसमें सभी थानों में दर्ज एफआइआर, आरोपपत्र, जब्ती, आरोपियों और दोषियों की जानकारी जांच अधिकारी को एक क्लिक पर मिलेगी। इसमें शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी संबद्ध किया जाना है।

सर्वोच्च न्यायालय में विभिन्न मामलों की सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग के साथ लिखित अभिलेख एआइ से तैयार किए जा रहे हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने जसविंदर सिंह बनाम पंजाब सरकार मामले में सुनवाई के दौरान वारदात के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालने के लिए चैटजीपीटी का सफल उपयोग किया। कृत्रिम मेधा से न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले सुबूत और तथ्यों का भी सटीक विश्लेषण संभव है।

-अरविंद कुमार मिश्रा

खरी-खरी

प्रभाव दिखाने का दौर

धर्मेंद्र जोशी

पड़ोसी टिंकू पहलवान के बेटे की शादी का कार्ड मुझे और मित्र बब्बन जी को सामूहिक रूप से मिला था। इस युक्ति से उन्होंने एक कार्ड की बचत कर ली थी। शादी के दौरान बिना सीजन के कहीं से भी बारिश आ टपकती है। उस दिन भी दोपहर बाद यायावरी करते बादल आए और बिन मौसम बरस कर चले गए। हालांकि हमने ठंड की परवाह नहीं की। भोज खाने का अवसर हाथ से न छूटे इसलिए पुराने स्कूटर पर सवार होकर निकल गए। टिंकू पहलवान और उनके शागिर्द स्वागत द्वार पर खड़े थे। वहां देखा कुछ महिलाओं पर कड़कड़ाती ठंड का असर न के बराबर था। वहीं दूसरी ओर पुरुष वर्ग बड़ी मुश्किल से पहचान में आ रहा था।

उधर तंदूर जलने के मुड़ में नहीं था, इसलिए मक्के की रोटी के मारा-मारी मची थी। सारे वीआइपी लोग मक्के की रोटी को बड़ी हसरत भरी नजरों से देख रहे थे। मैं और बब्बन जी भी लाइन का हिस्सा बन गए। धक्का-मुक्की के हालात बन चुके थे। जब हम मक्के की रोटी पाने में सफल नहीं हुए तो पुड़ी की कढ़ाई की ओर लपके, मगर वहां भी हालात बेकाबू हो चुके थे। लोग सीधे कढ़ाई से ही झपट रहे थे। मिठाइयों के काउंटर पर केवल साइन बोर्ड ही स्पष्ट दिखाई दे रहे थे।

खैर, भोज मनमाफिक हो न हो, मगर लिफाफा देने का परम दायित्व सभी को निभाना ही पड़ता है। वैसे भी आजकल तो वीडियो कैमरे वाले मुस्तैद खड़े होते हैं। साथ ही सिर के ऊपर ड्रोन कैमरा भी मंडराता रहता है, इसलिए हम भी लिफाफा काउंटर पर पहुंच गए। हमारे साथ कई और लोग भी एक-दूसरे का मुंह देख रहे थे और मन ही मन में उनकी पीड़ा समझ रहे थे। बब्बन जी बोले-इससे तो अच्छी पुराने समय की शादियां थीं, जिसमें शहर के बीच की धर्मशाला में आत्मीयता पूर्वक भोजन की व्यवस्था की जाती थी। इस पर मैंने कहा, समय का परिवर्तन है, पहले जैसा प्रेम और भाव अब बीते दिनों की बात हो गई है। इस पर बब्बन जी ने कहा कि पहले लोग अभाव में भी स्नेह भाव बनाए रखते थे, मगर अब तो प्रभाव दिखाने और दिखावे का दौर चल रहा है। मैंने स्कूटर स्टार्ट की ओर हम दोनों घर की ओर चल दिए।

पोस्ट

रवींद्र जडेजा और केएल राहुल की दूसरे टेस्ट के लिए अनुपलब्धता भारत के लिए बड़ा झटका है। दोनों ने हैदराबाद टेस्ट में बढ़िया प्रदर्शन किया। विराट कोहली पहले से ही उपलब्ध नहीं हैं।
आकाश चोपड़ा@cricketaakash

भारत में कोई मुस्लिम अर्जुन अवार्ड जीत सकता है। पद्म सम्मान प्राप्त कर सकता है। बिग बास जैसा रियलटी शो जीत सकता है। इसरो का शीर्ष विज्ञानी बनकर अहम अभियानों की कमान संभाल सकता है। गीत, संगीत से लेकर अभिनय की दुनिया का सिरमौर बन सकता है। टेनिस कोर्ट पर छाप छोड़ सकता है। यह भारत है, जहां योग्यता ही मायने रखती है।
शेहला राशिद@Shehla_Rashid

परीक्षा पे चर्चा जैसे आयोजन को लेकर लोग प्रधानमंत्री मोदी की योग्यता पर सवाल उठाते हैं कि उनके पास भला कौन-सी डिग्री है। ऐसे लोगों को समझना चाहिए कि उनके पास जो डिग्री है वह किसी के पास नहीं। वह एक साधारण परिवार से आकर दो बार अपने दम पर देश के प्रधानमंत्री बन चुके हैं। उनके पास व्यावहारिक एवं अनुभवजन्य ज्ञान है।
सत्या चौधरी@satyagodara

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में सरफराज खान का चयन उचित है?

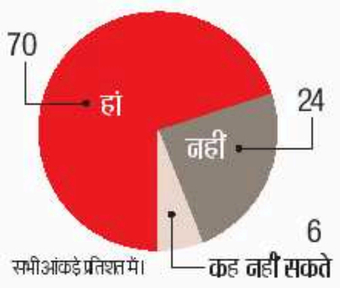

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या रवींद्र जडेजा और केएल राहुल के दूसरे टेस्ट से बाहर होने से भारतीय टीम कमजोर दिखने लगी है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

धंधा-पानी कुछ नहीं पर कुबेर से होड़,
हैं असंख्य संपत्तियां रुपए कई करोड़।
रुपए कई करोड़ बोलिए कैसे आए,
होती है जब जांच घूमते हो झल्लाए!
लूट-लूट कर देश करें जनता की हानी,
राजनीति को आप बनाकर धंधा-पानी!!
- ओमप्रकाश तिवारी

रामराज्य का आधार है ज्ञानवान समाज

डा. विवेक नाथ त्रिपाठी
असिस्टेंट प्रोफेसर, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ रामराज्य की अवधारणा भी आकार लेने लगी है। रामराज्य का एक आधार ज्ञानवान समाज भी है। ज्ञान आधारित समाज के निर्माण से ही देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बन सकेगा। रामराज्य में अज्ञान नहीं हो सकता। इसके लिए हमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास एवं अनुसंधान पर केंद्रित होकर देश की जनता को विश्व का सबसे सशक्त एवं समृद्ध मानव संसाधन बनाना होगा, तभी हम ज्ञान आधारित समाज का निर्माण कर सकेंगे। वैसे भी 21वीं सदी ज्ञान की सदी मानी गई है। ऐसी स्थिति में भी हमें ज्ञानवान समाज के निर्माण को महत्व देना चाहिए। ज्ञान आधारित समाज के लिए ज्ञान की गतिकी को समझना आवश्यक है। ज्ञान धन की अपेक्षा अत्यंत सरलतम, सहज एवं स्वतंत्रता से भ्रमण करता है। ज्ञान द्वारा ही लोगों को सशक्त एवं समृद्ध बनाने का कार्य किया जा सकता है। सामाजिक परिवर्तन भी ज्ञानवान समाज की गतिकी द्वारा ही संभव होते हैं। ऐसा समाज जो नवीन प्रयोगों के प्रति प्रतिबद्ध, ज्ञान के संरक्षण, ज्ञान के सफल उपयोग, बेहतर शिक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य तथा नए ज्ञान के निर्माण में अग्रसर हो वही ज्ञानवान समाज कहलाता है।

मूल्यांकन की दृष्टि से अगर हम भारत की प्राचीन सभ्यता की प्रभावशाली उपलब्धियों को देखें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत पिछली सहस्त्राब्दी में एक उन्नत एवं ज्ञानवान समाज के मानकों को पूरा करने वाला सशक्त राष्ट्र था। भारत में बौद्धिक पुनर्जागरण की प्रक्रिया निरंतर चलती रही। हमारे विज्ञानियों, खगोल शास्त्रियों, गणितज्ञों एवं दार्शनिकों के प्रेरक योगदान समस्त विश्व का मार्गदर्शन करने के साथ-साथ ज्ञानवान समाज के निर्माण में भी एक ठोस आधार प्रदान करते रहे। शैक्षिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से भारत एक समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र रहा।

हमें अपने गौरवशाली अतीत से सीख लेते हुए ज्ञानवान समाज के निर्माण की तरफ बढ़ना होगा। फाइल

उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों की एक श्रेष्ठ परंपरा भारत में रही, जहां पूरे विश्व से ज्ञान प्राप्ति के साधक ज्ञान प्राप्त करने के लिए भारत आते रहे। आचार्यों की एक श्रेष्ठ श्रृंखला में कौटिल्य, पाणिनि एवं पतंजलि जैसे प्रसिद्ध आचार्य भी रहे। ज्ञान के आविष्कार एवं विकास में भी भारत की बड़ी भूमिका रही है। शून्य का आविष्कार, दशमलव पद्धति, ज्यामिति एवं वृत्त की परिधि, सूर्य सिद्धांत, गुरुत्वाकर्षण का नियम, औषधि विज्ञान आदि ज्ञान के क्षेत्रों में आर्यभट्ट, भास्कराचार्य एवं आचार्य चरक ने हमें गर्व की अनुभूति कराई है।

इस समृद्ध विरासत के बावजूद आज भारत ज्ञानवान समाज बनने में कतिपय कारणों से पिछड़ गया है। देश में ज्ञानवान समाज का निर्माण एक चुनौती बन गई है। यहां ज्ञान के वितरण एवं प्राप्ति में पक्षपातपूर्ण रवैया अलग चुनौती है। ज्ञानवान समाज के निर्माण में बाधाओं को देखते हुए 2005 में राष्ट्रीय ज्ञान आयोग का गठन किया गया था। वर्तमान परिदृश्य में समाज विज्ञानियों के द्वारा जो अनुसंधान हो रहे हैं विश्वविद्यालयों में उनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेखांकित न होना एक अलग विमर्श का विषय है। हमें अपने गौरवशाली अतीत से सीख लेते हुए वर्तमान उपलब्धियों पर गर्व करते हुए ज्ञानवान समाज के निर्माण की तरफ बढ़ना होगा।

अच्छी बात है कि आज भारत पुनः बौद्धिक समाज में परिवर्तित होने के लिए कदम बढ़ा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से ज्ञान के संरक्षण एवं संवर्धन की बात की जा रही है। 21वीं शताब्दी में कौशल के निर्माण में प्रधानमंत्री मोदी का एक भारत-श्रेष्ठ भारत की संकल्पना मूर्त रूप ले रही है। इसे सफल बनाने के लिए हमें सजगता के साथ वर्तमान सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य पर विचार कर आगे बढ़ना होगा। इस प्रक्रिया में सरकारी तंत्र का सकारात्मक सहयोग भी अपेक्षित होगा।

यह सच है कि ज्ञान हमेशा से ही सामाजिक विकास का प्रेरक रहा है। ज्ञान के निर्माण, अन्वेषण, प्रसार एवं प्रयोग की क्षमता वाला समाज हमेशा से आर्थिक रूप से समृद्ध रहा है। लिहाजा ज्ञानवान समाज के निर्माण के लिए हमें समृद्ध समाज, समृद्ध शासन पर विचार करना होगा। हमें ज्ञान उत्पत्ति के लिए भी उपयुक्त रणनीतियां बनानी होंगी। वर्तमान में सतत विकास के एजेंडे को प्राप्त करने में भी ज्ञान की भूमिका महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

इस कड़ी में भारत की युवा शक्ति को हम ज्ञान की दृष्टि से लाभांश के रूप में देख सकते हैं। विश्व की 65 प्रतिशत युवा आबादी भारत में निवास करती है। उनको एक सकारात्मक वातावरण के साथ-साथ उनकी दक्षताओं का पूर्ण उपयोग किया जाना चाहिए। इसके साथ-साथ शैक्षिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भारतीय युवाओं को भी चाहिए कि वे भारत को एक ज्ञानवान समाज के निर्माण का संपल्प लें। तभी रामराज्य का सपना साकार हो सकेगा।

मंथन

सबके हित में 'परीक्षा पे चर्चा'

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम केवल स्कूल और कालेज के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, अपितु प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है

डा. वेदप्रकाश
असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

चिंतन, सृजन एवं परिवर्तन के लिए विचार रूपी बीज अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। 'परीक्षा पे चर्चा' मूलतः एक ऐसा सकारात्मक विचार है, जो सभी के लिए लाभकारी है। सभी को चिंतन-परिवर्तन के लिए प्रेरित भी कर रहा है। जीवन की संपूर्ण यात्रा प्रतिपल परीक्षाओं से गुजरती है। इसलिए 'परीक्षा पे चर्चा' केवल स्कूल, कालेज के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं है, अपितु प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है।

गत दिनों ग्वालियर में एक बिल्डर, पत्नी एवं बेटे के शव फांसी के फंदे से लटके मिले। उस घटना के पीछे कारण कार्य-व्यवसाय का तनाव, आपसी संबंध अथवा धोखाधड़ी आदि कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन आत्महत्या कहीं न कहीं जीवन को जीने की समझ में असमर्थता का ही संकेत कर रही है। इसी प्रकार राजस्थान के कोटा में भी एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। उसने सुसाइड नोट में लिखा, 'मम्मी-पापा सारी। आई एम लूजर। इसलिए सुसाइड कर रही हूं। यही अंतिम विकल्प है।' कोटा अथवा कोचिंग हब कहे जाने वाले विभिन्न स्थानों पर किसी छात्र-छात्रा द्वारा आत्महत्या का यह पहला मामला नहीं है, लेकिन विचारणीय यह है कि इस प्रकार की आत्महत्या की घटनाएं क्यों बढ़ रही हैं? क्या यह भी सच नहीं है कि आज बालक मशीन में परिवर्तित होते जा रहे हैं? कुछ प्रश्नों के पूर्व निर्धारित उत्तर और आंकड़ों की जानकारी ही नौकरी अथवा प्रवेश के पैमाने बन रहे हैं। क्या किसी परीक्षा में सफल न होना जीवन जीने के अन्य रास्ते बंद कर देता है? लूजर और सक्सेस के बीच के अंतर और मानसिकता को आज गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। ईश्वर ने प्रत्येक व्यक्ति को दिव्य बनाया है। प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशेषता है। आज यह भी समझने-समझाने की आवश्यकता है कि सुसाइड अंतिम विकल्प नहीं है। ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने पढ़े-लिखे न होते हुए भी कीर्तिमान बनाए हैं। व्यक्ति के विभिन्न प्रकार के विकास में परीक्षा एक महत्वपूर्ण कसौटी है। परीक्षा व्यक्ति को बहुत कुछ सीखने के लिए प्रेरित करती है, पर परीक्षा में सफलता-असफलता ही जीवन का सर्वस्व नहीं है।

आज व्यक्ति और समाज के सामने यह एक बड़ा संकट है कि आपसी संवाद निरंतर घटता जा रहा है। माता-पिता और परिवार के लोग बच्चे को कोचिंग अथवा शिक्षण संस्थानों में भेजकर अपने दायित्व को पूरा मान लेते हैं। जब व्यक्ति तनाव अथवा संकट में होता है तो नकारात्मकता उसे घेर लेती है, जिसका प्रभाव उसके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर तो पड़ता ही है, अनेक बार यह नकारात्मकता उसे आत्महत्या तक भी ले जाती है। ऐसे में संवाद अथवा बातचीत उसे सकारात्मकता और विकल्प प्रदान कर सकती है। 'परीक्षा पे चर्चा' नामक कार्यक्रम आज एक वैचारिक आंदोलन बन चुका है। इसके सातवें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत स्पष्ट विचार दिया कि 'छात्र खुद से प्रतिस्पर्धा करें, दूसरों से नहीं। माता-पिता भी अपने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न बनाएं। बच्चों को दबाव से निपटने में मदद करने के लिए उनमें लचीलापन और सामर्थ्य बढ़ाने की आवश्यकता है। अपने बच्चों पर भरोसा रखें, उनकी तुलना दूसरे बच्चों से न करें। बच्चे भी अपने स्वास्थ्य को लेकर इस तरह सतर्क रहें जैसे मोबाइल की बैटरी को लेकर रहते हैं। परीक्षा की तैयारी के दौरान रोज लिखने का अभ्यास करें, इससे विषय अच्छे तरीके से तैयार होंगे। विषयों के चयन में खुद पर भरोसा रखें। मोबाइल फोन का घंटों तक इस्तेमाल करने से बचें। अच्छी और पर्याप्त नींद जरूर लें। शिक्षक भी कक्षा में सभी बच्चों के साथ एक समान जुड़ाव रखें। अगर लाखों चुनौतियां हैं तो उनके करोड़ों समाधान भी हैं।'

एक वैचारिक आंदोलन बन चुका है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम। प्रेट्र

यह सच है कि आज पूरे देश में प्रवेश परीक्षाएं, कक्षा परीक्षाएं, प्रतियोगी परीक्षाएं और अन्य अनेक रूपों में परीक्षाओं का चलन और दबाव निरंतर बढ़ता जा रहा है। अनेक स्थानों पर छोटे-बड़े अनेक कोचिंग सेंटर कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे हैं। मनमानी फीस वसूली जारी है। अभिभावकों की इच्छाएं और महत्वाकांक्षाएं बढ़ रही हैं। परिणामस्वरूप परीक्षार्थी विभिन्न प्रकार के तनाव से गुजर रहे हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि परीक्षाओं को लेकर तनाव से मुक्ति एवं सकारात्मकता के उपायों पर व्यापक विमर्श हो और परीक्षा पे चर्चा जैसे कार्यक्रम प्रत्येक विद्यालय, महाविद्यालय, शिक्षण संस्थाओं, कारपोरेट संस्थाओं एवं समाज के लिए भी आयोजित किए जाएं। परीक्षा एक उत्सव है। यह बात परीक्षा पे चर्चा के विचार को आवश्यक और व्यापक बनाकर ही समझी और समझायी जा सकती है।

****

मीशो ने दो लाख उत्पाद गैर-सूचीबद्ध किए

नई दिल्ली: ई-कामर्स कंपनी मीशो ने मंगलवार को कहा कि उसने पिछली तिमाही में गुणवत्ता परीक्षण के बाद करीब दो लाख उत्पादों को अपने प्लेटफार्म से गैर-सूचीबद्ध किया है। कंपनी ने कहा कि वह अगले छह महीनों के दौरान कम रेटिंग वाले उत्पादों की दृश्यता 20 प्रतिशत कम करने की योजना बना रही है। वहीं, वैश्विक निवेश फर्म फिडेलिटी ने मीशो के मूल्यांकन को और घटाकर 3.5 अरब डालर कर दिया है। (प्रेट्र)

कंस्ट्रक्शन उद्योग की निरंतर वृद्धि और विकास के लिए परियोजनाओं का समय पर पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाना जरूरी है।
— वी. विवेकानंद, प्रेसिडेंट, इंडियन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन

सेंसेक्स	71,139.90	▼ 801.67
निफ्टी	21,522.10	▼ 215.50
सोना प्रति दस ग्राम	₹ 63,300	▲ ₹200
चांदी प्रति किलोग्राम	₹76,700	▲ ₹300
$ डालर	₹ 83.10	▼ ₹0.06
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$ 82.57	

एक नजर में

अनिल लाहोटी बने दूरसंचार नियामक ट्राई के चेयरमैन

नई दिल्ली : रेलवे बोर्ड के पूर्व चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी को भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। चार महीने पहले पूर्व चेयरमैन पीडी वाघेला का कार्यकाल खत्म होने के बाद यह पद खाली पड़ा था। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की अधिसूचना के अनुसार, लाहोटी की नियुक्ति पद संभालने से तीन वर्ष या 65 वर्ष की उम्र पूरी होने तक रहेगी। (प्रेट्र)

भारत मोबिलिटी एक्सपो को संबोधित करेंगे पीएम

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो फरवरी को भारत मंडपम में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो को संबोधित करेंगे। यह तीन दिवसीय एक्सपो एक फरवरी को शुरू होगा। इस एक्सपो का उद्देश्य वैश्विक बाजार में भारत की ताकत को प्रदर्शित करना है। एक्सपो में 50 देशों के 800 से ज्यादा प्रदर्शकों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। 25 से ज्यादा वाहन निर्माता कंपनियां भी नए माडल और ईवी का प्रदर्शन करेंगी। (प्रेट्र)

विलय को लेकर एनसीएलटी पहुंचे जी के शेयरधारक

मुंबई : सोनी पिक्चर्स के साथ विलय की मांग को लेकर जी एंटरटेनमेंट के शेयरधारकों ने नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ में याचिका दायर की है। एनसीएलटी ने तीन सप्ताह में सोनी से जवाब मांगा है। सोनी ने पिछले सप्ताह ही जी एंटरटेनमेंट के साथ विलय समझौता खत्म करने की घोषणा की थी। यह याचिका जी एंटरटेनमेंट की शेयरधारक मैड मैन फिल्म वेंचर्स ने दाखिल की है। (प्रेट्र)

6-7 महीने में 5जी सेवा शुरू कर सकती है वोडाफोन

नई दिल्ली : कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया ने मंगलवार को कहा कि फंडिंग सुरक्षित किए जाने के बाद हम 5जी सेवा शुरू करने के लिए 6-7 महीनों की आवश्यकता होगा। वोडाफोन आइडिया के सीईओ अक्षय मुंद्रा ने वित्तीय परिणामों की जानकारी देते हुए कहा कि पैसा जुटाने के लिए कई निवेशकों के साथ बातचीत चल रही है। (प्रेट्र)

ग्रीन एनर्जी से घटेगा पेट्रोल-डीजल का आयात

वित्त मंत्रालय का अनुमान, 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन से बचेंगे एक लाख करोड़

2600 मेगावाट सोलर उत्पादन क्षमता थी वर्ष 2014 में

76 हजार मेगावाट हुई वर्ष 2023 में सोलर उत्पादन की क्षमता

- इस अवधि तक कार्बन उत्सर्जन में सालाना पांच करोड़ टन की आएगी कमी
- भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत पेट्रोल-डीजल का आयात करता है

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सरकार की तरफ से परंपरागत ऊर्जा की जगह हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) को बढ़ावा देने के प्रयास का नतीजे अब दिखने लगे हैं। अब सबकुछ ठीक रहा तो वर्ष, 2030 तक पेट्रोल-डीजल जैसे जीवाश्म ईंधन के आयात में गिरावट से एक लाख करोड़ रुपये तक की बचत का अनुमान लगाया गया है। इसके अलावा इस अवधि तक कार्बन उत्सर्जन में सालाना पांच करोड़ टन की कमी भी आएगी। वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा के अनुमान के मुताबिक वर्ष 2030 तक देश में ग्रीन हाइड्रोजन की उत्पादन क्षमता 50 लाख टन तक हो जाएगी। जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी के साथ इसके आयात को घटाने के उद्देश्य से पिछले साल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन लांच किया गया था। भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत पेट्रोल-डीजल का आयात करता है।

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए सरकार फास्टर एडाप्शन एंड मैन्यूफैक्चरिंग आफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम) स्कीम लेकर आई थी, जिसकी मदद से दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी छह प्रतिशत से अधिक हो गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन के लिए गत दिसंबर तक देशभर में 10,000 चार्जिंग स्टेशन की स्थापना हो चुकी है। देशभर में मेट्रो का जाल 450 किलोमीटर तक पहुंच गया है। वर्ष 2014 में मेट्रो रेल की सेवा पांच शहरों में थी जो वर्ष 2023 तक बढ़कर 21 शहरों में हो गई।

सोलर और अन्य ग्रीन एनर्जी की उत्पादन क्षमता में हुई भारी वृद्धि : वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले नौ सालों में सोलर व अन्य ग्रीन एनर्जी की उत्पादन क्षमता में भारी बढ़ोतरी हुई है। सोलर की उत्पादन क्षमता में वर्ष 2014 के मुकाबले 25 गुना बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2014 में सोलर की उत्पादन क्षमता सिर्फ 2600 मेगावाट थी जो नवंबर 2023 में 76,000 मेगावाट हो गई थी।

ग्रीन एनर्जी पर पूरी तरह शिफ्ट होना बड़ी चुनौती : गैर जीवाश्म बिजली उत्पादन की क्षमता पिछले नौ सालों में बढ़कर 1.87 लाख मेगावाट तक पहुंच गई। हालांकि सरकार यह भी मानती है कि ग्रीन एनर्जी पर पूरी तरह से शिफ्ट होना बहुत बड़ी चुनौती है और इससे हमारी मैन्यूफैक्चरिंग लागत भी बढ़ेगी।

अब अधिक रकम भारत भेज रहे प्रवासी कामगार

जाब्यू, नई दिल्ली : भारतीय युवाओं की शिक्षा का स्तर व उनकी कुशलता बढ़ने से विदेश में रह रहे भारतीय कामगार अब पहले के मुकाबले अधिक विदेशी मुद्रा भारत भेज रहे हैं। इसे रेमिटेंस भी कहा जाता है। वित्त मंत्रालय का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023-24 में वित्त वर्ष 2022-23 के मुकाबले रेमिटेंस में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। वित्त वर्ष 2022-23 में इन कामगारों की तरफ से 125 अरब डालर भारत भेजे गए थे, जो इस साल बढ़कर 135 अरब डालर से अधिक होने का अनुमान है। वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में रेमिटेंस में 36 प्रतिशत हिस्सेदारी उच्च कुशल भारतीय प्रवासियों की थी, जिनमें हाईटेक कामगारों का अधिक योगदान था। रिपोर्ट के मुताबिक पहले की तुलना में अधिक कुशल व योग्य होने से भारतीय अब अमेरिका व ब्रिटेन जैसे विकसित देशों में कुशल काम के लिए जा रहे हैं, जिससे उनकी आय बढ़ रही है और रेमिटेंस में भी बढ़ोतरी हो रही है।

2024 में 6.5 प्रतिशत की मजबूत दर से बढ़ेगी भारतीय आर्थिकी

- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने ताजा आर्थिक परिदृश्य में जताया अनुमान
- चालू कैलेंडर वर्ष में वैश्विक विकास दर 3.1 प्रतिशत रहने की बात कही

वाशिंगटन, प्रेट्र : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने कहा कि कैलेंडर वर्ष 2024 और 2025 के दौरान भारतीय आर्थिकी 6.5 प्रतिशत की मजबूत विकास दर के साथ बढ़ेगी। आइएमएफ ने मंगलवार को जारी ताजा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में यह अनुमान जताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 के दौरान वैश्विक विकास दर 3.1 प्रतिशत और 2025 में 3.2 प्रतिशत रह सकती है।

ताजा परिदृश्य में चीन की विकास दर के अनुमान को 0.4 प्रतिशत बढ़ाकर 2024 के लिए 4.6 प्रतिशत और 2025 के लिए 4.1 प्रतिशत किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू कैलेंडर वर्ष में अमेरिका की विकास दर 2023 की 2.5 प्रतिशत से घटकर 2.1 प्रतिशत रह सकती है। 2025 में अमेरिका की विकास दर 1.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। आइएमएफ ने कहा है कि घरेलू मांग में लचीलेपन को देखते हुए 2024 और 2025 के लिए भारत की विकास दर में अक्टूबर 2023 के अनुमान के मुकाबले 0.2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। आइएमएफ की रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ने वाली रहेगी।

आइएमएफ का मानना है कि 2024 में वैश्विक महंगाई दर घटकर औसतन 5.8 प्रतिशत पर आ जाएगी, जो 2023 में 6.8 प्रतिशत रही है। एजेंसी ने 2025 में वैश्विक महंगाई दर 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। एजेंसी ने अनुमान जताया है कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में इस वर्ष महंगाई घटकर दो प्रतिशत पर आ जाएगी। वहीं, विकासशील और उभरते बाजारों में इस वर्ष महंगाई दर 0.3 प्रतिशत घटकर 8.1 प्रतिशत रह सकती है।

बड़ी कंपनियों में बिकवाली से 801 अंक लुढ़का सेंसेक्स

मुंबई, प्रेट्र : रिलायंस इंडस्ट्रीज, आइटीसी और बजाज फाइनेंस जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली के चलते घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 801.67 अंक की गिरावट के साथ 71,139.90 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी 215.50 अंक गिरकर 21,522.10 अंक पर जाकर बंद हुआ। सोमवार को सेंसेक्स 1,240.90 अंक की वृद्धि के साथ 71,941.57 अंक पर बंद हुआ था।

बाजार विश्लेषकों को कहना है कि बजट से पहले निवेशकों ने प्रमुख शेयरों में अपनी स्थिति कम की है। इस कारण कारोबार के अंत में बिकवाली तेज रही। कई एशियाई सूचकांकों में कमजोरी ने भी गिरावट में योगदान दिया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों को स्थर रखा जा सकता है। इससे निवेशक और परेशान हो सकते हैं। सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.03 प्रतिशत की गिरावट रही। टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी के शेयर भी गिरकर बंद हुए।

दूसरी मूल्यवान आटो कंपनी बनी टाटा मोटर्स

टाटा मोटर्स के शेयरों में तेजी का सिलसिला जारी है। बीएसई में मंगलवार को कंपनी के शेयर 2.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 859.25 रुपये प्रति इकाई पर बंद हुए। इस वृद्धि के साथ कंपनी का कुल बाजार पूंजीकरण 2,85,515.64 करोड़ रुपये हो गया है और अब टाटा मोटर्स भारत की दूसरे मूल्यवान आटो कंपनी बन गई है। 3,13,058.50 करोड़ के बाजार पूंजीकरण के साथ मारुति पहले स्थान पर है।

कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, दवा क्षेत्र की पीएलआइ में बदलाव पर विचार

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण और दवा सहित कुछ क्षेत्रों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआइ) योजनाओं में बदलाव करने पर विचार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि शीर्ष अधिकारियों से बदलावों की मंजूरी लेने के लिए मंत्रिमंडल टिप्पणी (नोट) को अंतिम रूप दिया गया है। बदलावों से इन क्षेत्रों को अधिक कंपनियों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी।

इस योजना की घोषणा 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 2021 में 14 क्षेत्रों के लिए की गई थी। इसमें दूरसंचार, 'व्हाइट गुड्स', चिकित्सकीय उपकरणों की मैन्यूफैक्चरिंग, मोटर वाहन, विशेष इस्पात, खाद्य उत्पाद, उच्च दक्षता वाले सौर पीवी माड्यूल, उन्नत रसायन विज्ञान सेल बैटरी, ड्रोन और दवा शामिल हैं। इलेक्ट्रानिक का प्रदर्शन अच्छा है, जबकि अन्य का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा है।

डिजिटल होंगे कृषि और ग्रामीण विकास बैंक : अमित शाह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 225 करोड़ रुपये की लागत से कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों के साथ सहकारी समितियों के पंजीयक के लिए कंप्यूटरीकरण कार्यक्रम शुरू किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण से उनकी दक्षता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही में सुधार होगी। साथ ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सकेगा। सहकारिता के माध्यम से करोड़ों लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने का मजबूत तंत्र खड़ा किया जा सका है। सहकारिता क्षेत्र डिजिटल दुनिया में जाने के लिए तैयार है। इस मौके पर केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री बीएल वर्मा भी मौजूद थे।

अमित शाह ने कहा कि डिजिटल माध्यम से सहकारिता भी गांवों तक पहुंचने लगी है। सहकारी समिति के रजिस्ट्रार कार्यालय एवं कृषि तथा ग्रामीण विकास बैंकों के कंप्यूटरीकरण के जरिये पैक्स के साथ पूरी सहकारिता व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है। इससे विभिन्न राज्यों की स्थानीय भाषाओं में संवाद हो सकेगा। साथ ही ऋण लेने वाले किसानों के लिए सरल सुविधा की शुरुआत होगी। शाह ने कहा कि कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों पर ध्यान नहीं देने के कारण ये अपनी भूमिका अच्छे तरीके से नहीं निभा पाए हैं। मध्यम और दीर्घकालीन ऋण के लिए यह उपयोगी व्यवस्था है जो आधुनिक खेती की ओर जाने के लिए किसान को पूंजी उपलब्ध कराती है।

उन्होंने कहा कि अगर हम खेती को आधुनिक नहीं बनाएंगे तो न हम उपज बढ़ा पाएंगे और न ही किसानों को समृद्ध कर पाएंगे। देश के 13 राज्यों के 1851 कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों की शाखाओं का कंप्यूटरीकरण होने से इनसे जुड़े एक करोड़ 20 लाख किसानों को बहुत फायदा होगा। इन शाखाओं को एक कामन नेशनल साफ्टवेयर के माध्यम से नाबार्ड से जोड़ने का लक्ष्य है। इससे सभी प्रकार के कृषि ऋण का लिंकेज मजबूत हो सकेगा। कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों का अन्य राज्यों में विस्तार किया जाएगा।

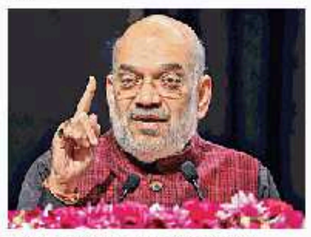

नई दिल्ली में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ● प्रेट्र

- केंद्रीय मंत्री बोले-कंप्यूटराइजेशन से दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगा
- किसानों को सहज मिलेगा कृषि ऋण, भ्रष्टाचार पर भी अंकुश

देश के 23 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के दस वर्ष के दौरान गांव, गरीब और किसानों के लिए दो महत्वपूर्ण काम हुए हैं। देश के करोड़ों गरीबों का जीवनस्तर बेहतर हुआ है। लगभग 23 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं। सहकारिता के जरिये करोड़ों लोगों को स्वरोजगार के साथ जोड़ने का मजबूत तंत्र खड़ा हुआ है। राष्ट्रीय डाटाबेस के माध्यम से राज्यों, तहसील, जिला और ग्रामस्तर पर सहकारिता की जानकारी मिल सकेगी।

65 हजार पैक्स एवं सहकारी बैंकों का कंप्यूटरीकरण हुआ

सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछले दो वर्षों में केंद्र सरकार ने सहकारिता में डिजिटल इकोसिस्टम बढ़ाने के लिए चरणबद्ध तरीके से काम किया है। अलग सहकारिता मंत्रालय बनने के तुरंत बाद सबसे पहले 65 हजार पैक्स एवं राज्य सहकारी बैंकों का कंप्यूटरीकरण किया गया। इसके बाद डाटाबेस बनाया गया। केंद्रीय पंजीयक कार्यालय के सभी काम एक ही साफ्टवेयर से हो सकेंगे।

राष्ट्रीय फलक

देश में मिले 718 हिम तेंदुए, लद्दाख में सर्वाधिक

- भारतीय वन्यजीव संस्थान ने पहली बार की वैज्ञानिक गणना
- विलुप्त हो रही प्रजाति के संरक्षण में मिलेगी काफी मदद

हिम तेंदुओं की संख्या जानने को 2019 से 2023 तक किया गया सर्वे। फाइल फोटो

नई दिल्ली, एएनआइ : भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआइआइ) ने देश में पहली बार हिम तेंदुओं की गणना है। देश में देश में कुल 718 हिम तेंदुए हैं और इनकी आबादी लद्दाख में सर्वाधिक है। यह जानकारी केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री, भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को आयोजित राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की बैठक में रिपोर्ट जारी कर दी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत में हिम तेंदुआ जनसंख्या आकलन (एसपीएआइ) देश का पहला वैज्ञानिक सर्वे था। यह सर्वे सभी हिम तेंदुए रेंज वाले राज्यों और दो संरक्षण भागीदारों नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन, मैसुरु और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सहयोग से किया। हिम तेंदुओं की आबादी की जानकारी करने के लिए यह सर्वे 2019 से 2023 तक दो चरणों में चलाया गया। इस सर्वे में कैमरों की मदद से हिम तेंदुओं की अनुमानित आबादी का पता लगाया गया। हाल के वर्षों तक व्यापक राष्ट्रीय मूल्यांकन की कमी के कारण भारत में हिम तेंदुए की रेंज अपरिभाषित थी। हालांकि इस सर्वे के बाद देश में 80 प्रतिशत हिम तेंदुआ रेंज की जानकारी हो सकी। यादव ने बताया कि रिपोर्ट में मंत्रालय के तहत डब्ल्यूआइआइ में एक समर्पित हिम तेंदुआ सेल बनाने की भी जरूरत बताई गई है। इससे विलुप्त होते जा रहे हिम तेंदुओं की आबादी बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसके लिए राज्य व केंद्र शासित प्रदेश भी हिम तेंदुआ रेंज में हर चार वर्ष में आवधिक जनसंख्या आकलन पर विचार कर सकते हैं। इससे चुनौतियों को पहचानने व प्रभावी संरक्षण रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी।

राज्य	संख्या
लद्दाख	477
उत्तराखंड	124
हिमाचल प्रदेश	51
अरुणाचल प्रदेश	36
सिक्किम	21
जम्मू-कश्मीर	9
कुल	718

कूनो से निकलकर बस्ती तक पहुंची मादा चीता वीरा लौटी

मादा चीता वीरा की फाइल फोटो। सौ. कूनो नेशनल पार्क

नईदुनिया, श्योपुर : मध्य प्रदेश में कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकलकर सोमवार को मुरैना से सटे श्योपुर के वीरपुर में बस्ती तक पहुंची मादा चीता वीरा कूनो की सीमा में लौट आई है।

मंगलवार सुबह उसकी लोकेशन चक सीताराम गांव में मिली थी। यहां से मुरैना और चंबल नदी पास ही है। वन विभाग की टीम लगातार उसकी ट्रेकिंग कर रही थी। यदि वीरा राजस्थान की सीमा की ओर रुख करती तो उसे ट्रैंकुलाइज करने की तैयारी थी। इस समय वीरा के अलावा चीता पवन ही खुले जंगल में घूम रहा है। शेष 11 चीते और आठ शावक बाड़े में हैं।

कूनो वन मंडल के डीएफओ थिरूकुराल आर ने बताया कि मंगलवार की शाम चार बजे तक वीरा सामान्य वन मंडल क्षेत्र में पहुंच गई है, जो कूनो नेशनल पार्क से थोड़ी ही दूरी पर है। चिंता की कोई बात नहीं है। संभावना है कि जल्द वह पार्क के अंदर आ जाएगी। बता दें कि कूनो फेस्टिवल के दौरान 20 दिसंबर को स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद वीरा, पवन, अग्नि व वायु को राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ा गया था, जहां से चीतों को पर्यटक भी देख सकते थे। हालांकि, अब तक किसी पर्यटक को चीतों के दीदार की पुष्टि नहीं हो सकी है, जबकि खुले जंगल से बाहर जाने पर ग्रामीण जरूर चीता देख चुके हैं। वायु चीता के पार्क से बाहर निकल जाने की वजह से उसके साथ अग्नि को भी दोबारा बाड़े में बंद कर दिया गया था।

रामदेव की मोम की प्रतिमा का अनावरण

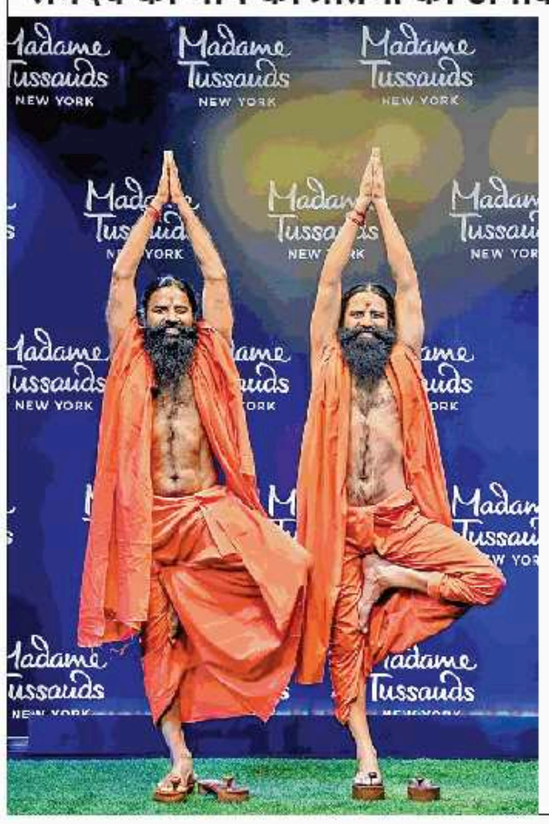

नई दिल्ली में मंगलवार को योग गुरु बाबा रामदेव की मोम की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित बाबा रामदेव ने वृक्षासन मुद्रा में बनी प्रतिमा की तरह पोज भी दिया। बाबा रामदेव तथा उनकी प्रतिमा में अंतर खोज पाना कठिन प्रतीत हुआ। यह प्रतिमा न्यूयार्क में मैडम तुसाद संग्रहालय में लगेगी। रामदेव ने कहा कि मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि मेरी मोम की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। यह मेरे लिए केवल पहचान का एक विषय भर नहीं है, बल्कि योग, आयुर्वेद एवं सनातन संस्कृति की भी मान्यता है। एएनआइ

प्रश्नपत्र लीक मामले में आरआरबी मुंबई के पूर्व अध्यक्ष को पांच साल की कैद

- मामले में दस दोषियों पर 7.87 लाख रुपये का लगाया जुर्माना
- छह जून 2010 को रेलवे भर्ती बोर्ड ने आयोजित की थी परीक्षा

नई दिल्ली, प्रेट्र : हैदराबाद में विशेष सीबीआइ कोर्ट ने 2010 में 1936 सहायक स्टेशन मास्टर और सहायक लोको पायलट की भर्ती के लिए प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी), मुंबई के तत्कालीन अध्यक्ष सतेंद्र मोहन शर्मा, आसन-मैंगलोर रेल विकास निगम के पूर्व सीईओ एके जगन्नाधम और आठ अन्य को पांच साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने शर्मा पर 1.75 लाख, जगन्नाधम पर 1.31 लाख रुपये और आठ अन्य दोषियों पर कुल मिलाकर 7.87 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

रेलवे भर्ती बोर्ड ने छह जून 2010 को सहायक स्टेशन मास्टर व सहायक लोको पायलट के लिए परीक्षा आयोजित की थी। परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में सीबीआइ ने 15 जून 2010 को आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया। आरोप लगाया गया था कि शर्मा व जगन्नाधम ने साढ़े तीन लाख से चार लाख रुपये में एजेंटों के माध्यम से प्रश्नपत्र लीक करने की साजिश रची। सीबीआइ के प्रवक्ता ने बताया कि एजेंसी ने आरोपितों के आधिकारिक व आवासीय परिसरों की तलाशी के दौरान 36.90 लाख रुपये (लगभग) की नकदी बरामद की थी। एजेंसी ने तीन माह के भीतर 13 सितंबर 2010 को मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। अदालत में सुनवाई के दौरान चार आरोपितों को बरी कर दिया गया। मौत के कारण एक आरोपित के खिलाफ मुकदमा रद कर दिया गया।

बोनी कपूर की कंपनी बनाएगी उप्र में फिल्म सिटी

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

फिल्म निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी बनाएगी। इसके लिए मंगलवार को खोली गई वित्तीय निविदा में बोनी कपूर की कंपनी ने सबसे ऊंची बोली लगाकर परियोजना को अपने नाम कर लिया। केसी बोकाड़िया की कंपनी दूसरे स्थान पर रही। फिल्म सिटी तीन साल में बनकर तैयार होगी। इसके विकास पर 1570 करोड़ रुपये खर्च होंगे। विकासकर्ता को 90 साल के लिए लाइसेंस मिलेगा। यह फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर 21 में विकसित की जाएगी। बता दें, उप्र फिल्म सिटी से लिए सबसे पहले 23 नवंबर, 2021 और फिर 11 जुलाई, 2022 को निविदा आमंत्रित की गईं थीं पर कोई निवेशक सामने नहीं आया था। तीसरी बार 30 सितंबर, 2023 को निविदा आमंत्रित की गई थी।

सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज, अभिनेता अक्षय कुमार निविदा में पिछड़े

यमुना प्राधिकरण कार्यालय में फिल्म सिटी परियोजना की वित्तीय निविदा खोलने के दौरान सीईओ डा. अरुणवीर सिंह व निविदा में शामिल कंपनियों के प्रतिनिधि। जागरण

उत्तर प्रदेश की फिल्म सिटी को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। इसमें वह सभी सुविधाएं होंगी जो फिल्म निर्माण के लिए आवश्यक हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्म का निर्माण यहां हो सकेगा। मैं उत्तर प्रदेश में तीन फिल्मों की शूटिंग कर चुका हूं। यूपी अब मेरे घर जैसा हो गया है। -बोनी कपूर, फिल्म निर्माता

फिल्म सिटी के लिए अक्षय कुमार की कंपनी सुपर सोनिक टेक्नोबिल्ड प्रा. लि., बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स, सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि. व केसी बोकाड़िया की कंपनी फोर लायंस फिल्म्स प्रा. लि. ने निविदा डाली थी। यमुना प्राधिकरण कार्यालय में कंपनियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में वित्तीय निविदा खोली गई। विकासकर्ता चयन का प्रस्ताव परियोजना मूल्यांकन समिति, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति की स्वीकृति के बाद प्रदेश कैबिनेट में रखा जाएगा। इसके बाद विकासकर्ता को लेटर आफ अवार्ड जारी किया जाएगा। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बताया कि तीन साल में फिल्म सिटी परियोजना क्रियाशील हो जाएगी। इसमें बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

बिग बास विजेता की जीत के जश्न में भीड़ जुटाने पर तीन पर मुकदमा

- डोंगरी में जश्न मनाने को सोमवार शाम पांच हजार युवा जुटे
- दो घंटे यातायात रहा बाधित, पुलिस को करनी पड़ी मशक्कत

मुंबई, मिड-डे

बिग बास सीजन 17 के विजेता मुनव्वर फारुकी की जीत का जश्न मनाने के लिए भीड़ एकत्रित करने और ड्रोन का प्रयोग करने के आरोप में महाराष्ट्र पुलिस ने तीन लोगों शफाकत खान, सद्दाकत खान और कासिफ खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस कार्रवाई से क्षेत्र में भगदड़ जैसी स्थिति होने से बच गई।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सदानंद माने ने बताया कि 29 जनवरी की शाम करीब चार बजे पांच हजार लोग स्टैंड अप कामेडियन मुनव्वर फारुकी की जीत का जश्न मनाने के लिए जमा हुए थे। इनमें अधिकांश डोंगरी में रहने वाले युवा थे। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए 40-50 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। माने ने कहा, आयोजकों ने हमसे संपर्क कर आवेदन सौंपा था, जिसमें 50 लोगों के जुटने की उम्मीद जताई थी। कहा था कि फारुकी अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए डोंगरी में अपनी ट्राफी लाना चाहते हैं। हालांकि हमने अनुमति देने से इन्कार कर दिया था। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि भीड़ फारुखी की कार की छत पर चढ़ने का प्रयास कर रही थी। भीड़ एकत्रित होने के कारण डोंगरी में तकरीबन दो घंटे तक यातायात ठहर गया। संकरे रास्ते, भारी भीड़ और सड़क के दोनों ओर पार्किंग ने यातयात संभालने में हमारे सामने मुसीबत खड़ी कर दी।

****

10 भारतीय मछुआरों को श्रीलंका की एक अदालत ने देश की जल सीमा में मछली पकड़ने के आरोप में दो वर्ष जेल की निलंबित सजा सुनाई है। निलंबित सजा का अर्थ है कि मछुआरे जेल नहीं जाएंगे। सजा पांच वर्ष बाद निलंबित की जाएगी। मछुआरों को प्रत्यर्पण की औपचारिकता पूरी होने तक कोलंबो के इमिग्रेशन हिरासत केंद्र भेजा जाएगा।

नौसेना का एक और सफल आपरेशन, समुद्री लुटेरों से छुड़वाए 19 पाकिस्तानी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- 36 घंटों के दौरान तीन बड़े सफल आपरेशन को दिया अंजाम
- 17 ईरानी और छह श्रीलंकाई नागरिकों की भी बचाई थी जान
- अरब सागर में फिर दिखाई दिया भारतीय नौसेना का पराक्रम

भारतीय नौसेना ने सोमालिया के पूर्वी तटीय क्षेत्र में अल-नईमी नामक जहाज तथा 19 पाकिस्तानियों को बचाने के साथ समुद्री लुटेरों को पकड़ा। प्रेट्र

भारतीय नौसेना के युद्धपोत आइएनएस सुमित्रा ने सोमालिया के पूर्वी तटीय क्षेत्र में सोमवार को ईरान के झंडे लगे मछली पकड़ने वाले जहाज ईमान को उसके चालक दल के 17 सदस्यों सहित समुद्री लुटेरों से सुरक्षित छुड़वाने के कुछ ही घंटों बाद इसी क्षेत्र में एक और ईरानी ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाज को अपहरणकर्ताओं से छुड़वाया। इस जहाज पर सवार चालक दल के सभी 19 नागरिक पाकिस्तानी थे।

नौसेना प्रवक्ता ने बताया कि युद्धपोत आइएनएस सुमित्रा ने गत 36 घंटों के दौरान कोच्चि से 850 समुद्री मील दूर अरब सागर में दो सफल कार्रवाइयों में 17 ईरानी व 19 पाकिस्तानी नागरिकों को सुरक्षित बचाया है। बता दें कि नौसेना के स्वदेशी जहाज आइएनएस सुमित्रा को सोमालिया के पूर्व व अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती को रोकने व समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए तैनात किया गया है।

लाल सागर में हाउती आतंकियों की वजह से इस क्षेत्र के समूचे समुद्री क्षेत्र में फिलहाल अस्थिरता का माहौल है और ऐसे दौर में भारतीय नौसेना इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय नाविकों को सुरक्षा देने वाली सबसे भरोसेमंद एजेंसी बन गई है। वह लाल सागर की अस्थिरता की आड़ में इस क्षेत्र में छोटे जहाजों को निशाना बनाने में जुटे समुद्री दस्यु गिरोहों के लिए काल बन गई है।

भारतीय नौ सेना की तरफ से मंगलवार को बताया गया कि अरब सागर में युद्ध पोत आइएनएस सुमित्रा ने सोमालियाई समुद्री लुटेरों के खिलाफ सफल कार्रवाई करके अल-नईमी नाम के एक मछली पकड़ने वाले जहाज को सुरक्षित बचाया। 11 समुद्री लुटेरों ने इस जहाज को 19 पाकिस्तानी मछुआरों समेत बंधक बना रखा था। उन्हें अब सुरक्षित उनके देश रवाना कर दिया गया है। नौसेना ने बताया कि सेशल्स के तटरक्षक बलों व श्रीलंकाई नौसेना की मदद से एक अन्य अपहृत जहाज को भी सुरक्षित किया गया। यह कार्रवाई सोमालिया के समुद्री तट से 955 समुद्री मिल दूर की गई थी। यह भी मछली मारने वाला जहाज था जिस पर 27 जनवरी को सोमालियाई समुद्री दस्यु गिरोह ने कब्जा कर लिया था। भारतीय नौसेना ने 28 जनवरी को आइएनएस शारदा नाम के जहाज को इसकी खोज में लगाया था। अपहृत जहाज का पता 29 जनवरी को लगा था। भारतीय नौ सेना की कार्रवाई में इसमें सवार सभी तीन अपहर्ताओं ने आत्मसमर्पण कर दिया था जबकि इसमें सवार छह श्रीलंकाई मछुआरे सुरक्षित हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में दोनों दलों ने झोंकी ताकत

- बाइडन और ट्रंप में चुनावी मुकाबले की बढ़ रही संभावना
- निक्की बोलीं, ट्रंप के समर्थन में मैदान नहीं छोड़ेंगी, 48 राज्यों में चुनाव बाकी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन (बाएं) तथा पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। फाइल/एपी

वाशिंगटन, एपी: अमेरिका में इस वर्ष नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुकाबले की संभावना बढ़ती जा रही है। रिपब्लिकन पार्टी में उम्मीदवारी की दौड़ में ट्रंप काफी आगे हैं। आपराधिक मुकदमों से जूझ रहे ट्रंप का आत्मविश्वास कम नहीं हुआ है। वह जोर शोर से चुनावी अभियान में जुटे हैं। दूसरी ओर, डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से बाइडन ने चुनाव अभियान तेज कर दिया है। मंगलवार को बाइडन चुनावी चंदा एकत्र करने फ्लोरिडा में थे। यह रिपब्लिकन का गढ़ माना जाता है।

सोमवार को भारतवंशी सांसद रो खन्ना ने दक्षिण कैरोलिना में बाइडन के पक्ष में अभियान चलाया। यह रिपब्लिकन प्रत्याशी की दौड़ में शामिल भारतवंशी हेली निक्की गृह राज्य है। यहां तीन फरवरी को डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राथमिक चुनाव होना है जबकि रिपब्लिकन का प्राथमिक चुनाव 24 फरवरी को तय है। खन्ना ने कहा, डेमोक्रेटिक पार्टी में बाइडन का रास्ता साफ है क्योंकि वह अकेले दावेदार हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप और निक्की हेली में प्रतिद्वंद्विता है। वहीं, निक्की ने कहा है वह मुकाबले से हटने वाली नहीं है। प्रत्याशी बनने के लिए अभी 48 राज्यों में प्राथमिक चुनाव होने हैं। अभी ट्रंप को आगे बताना ठीक नहीं।

इजरायली बल ने वेस्ट बैंक के अस्पताल पर हमला कर तीन आतंकी मार गिराए

महिलाओं व चिकित्साकर्मियों के वेश में जेनिन के अस्पताल में घुस की छापेमारी

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से दबाव डालने की अपील की

- मारे गए आतंकियों में एक हमास और दूसरा इस्लामिक जिहाद से जुड़ा था
- 24 घंटे में गाजा में 114 फलस्तीनी मारे गए और 249 लोग हुए घायल

इजरायली बलों ने वेस्ट बैंक के जेनिन स्थित अस्पताल में महिलाओं एवं चिकित्साकर्मियों के वेश में धावा बोला। रायटर

यरुशलम, एपी: गाजा में संघर्ष विराम की कोशिशों के बीच इजरायली गुप्त बल ने मंगलवार को वेस्ट बैंक में एक अस्पताल पर नाटकीय अंदाज में छापेमारी कर तीन फलस्तीनी आतंकियों को मार गिराया है। महिलाओं और चिकित्साकर्मियों के वेश में अस्पताल में घुसे इजरायली बल के हमले से अस्पतालकर्मी अवाक रह गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने हमले की निंदा करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इजरायली सेना पर दबाव डालकर अस्पतालों पर इस तरह के अभियानों को रोकने की अपील की है। कहा, बीते 24 घंटे में गाजा में 114 फलस्तीनी मारे गए है और 249 लोग घायल हुए हैं।

फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजरायली बल ने वेस्ट बैंक के जेनिन टाउन में आइबीएन सिना अस्पताल परिसर में धावा बोल दिया। अस्पताल के प्रवक्ता ने कहा कि वहां पर कोई जवाबी कार्रवाई नहीं, इसका मतलब कि यह लक्षित हमला था। वहीं, इजरायली सेना ने बिना कोई साक्ष्य दिए अपनी कार्रवाई का बचाव करते हुए कि आतंकी अस्पताल को छिपने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। इजरायली बल ने बताया कि मारे गए आतंकियों में एक हमास सदस्य, दूसरा हमास के सहयोगी संगठन इस्लामिक जिहाद से जुड़ा था और तीसरा जेनिन का स्थानीय आतंकी था। दावा किया कि इनमें से एक हमला करने की योजना के तहत हथियार और गोला बारूद एकत्र करने में जुटा था। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित अस्पताल के सुरक्षा कैमरे के फुटेज में लगभग एक दर्जन गुप्त बल के जवानों को दिखाया गया है, जिनमें से अधिकांश सशस्त्र थे। वे महिलाओं, व चिकित्साकर्मियों की वेशभूषा में थे। सर्जिकल मास्क पहने एक व्यक्ति के एक हाथ में राइफल और दूसरे हाथ में मुड़ी हुई व्हीलचेयर थी।

इजरायल बल ने करीब सौ फलस्तीनियों के शव सौंपे

इजरायल बल ने गाजा में बीते सप्ताह मारे गए दर्जनों फलस्तीनियों के शव फलस्तीनी प्राधिकरण को सौंप दिए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने तत्काल इसकी पुष्टि नहीं की है कि कितने शव सौंपे हैं। हालांकि, स्थानीय निवासियों ने यह संख्या करीब 100 बताई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि बीते साल सात अक्टूबर के बाद इजरायली हमले में अब तक 26,751 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 65,636 लोग घायल हैं।

बंधकों की रिहाई और स्थायी युद्धविराम के प्रयास जारी

इजरायल, कतर, मिस्र और अमेरिका द्वारा बंधकों की रिहाई और स्थायी युद्ध विराम के प्रयास जारी हैं। हमास संघर्ष विराम समझौते के प्रस्ताव का अध्ययन कर रहा है। इस बीच, इजरायल में नेतन्याहू सरकार को उसके धुर दक्षिणपंथी सहयोगियों ने धमकी दी है कि अगर लापरवाही से कोई समझौता किया गया तो वह सरकार से समर्थन वापस ले लेंगे।

मालदीव में विपक्ष का आग्रह, मोदी से माफी मांगें राष्ट्रपति मुइज्जू

- विपक्षी दल जेपी ने भारतीयों से भी औपचारिक माफी मांगने को कहा

मोहम्मद मुइज्जू। फाइल फोटो

माले, एएनआइ : भारत का विरोध और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अपमान मालदीव की राजनीति में भूचाल ला चुका है। इसी क्रम में विपक्षी दल मालदीव जम्हूरी पार्टी (जेपी) के नेता कासिम इब्राहिम ने मालदीवी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को औपचारिक रूप से पीएम मोदी और भारत की जनता से माफी मांगने को कहा है। द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए कूटनीतिक सुलह का रास्ता निकालने की सलाह दी है।

डिजिटल प्लेटफार्म वाइस आफ मालदीव के अनुसार माले में मंगलवार को विपक्षी नेता कासिम इब्राहिम ने कहा, 'पड़ोसी देश के बारे में हमें ऐसे बात नहीं करनी चाहिए जो दोनों देशों के रिश्ते को प्रभावित करे। मैं राष्ट्रपति मुइज्जू से औपचारिक रूप से माफी मांगने के लिए कहता हूं।' उन्होंने कहा कि हमारा अपने देश के प्रति जो दायित्व है, उस पर विचार होना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रपति सोलिह ने इस प्रतिबद्धता पर विचार किया था और राष्ट्रपति रहते हुए भारत विरोधी 'इंडिया आउट' अभियान पर प्रतिबंध लगाने की राजाज्ञा (डिक्री) जारी की थी। लेकिन मौजूदा सरकार को इस डिक्री को नहीं हटाना चाहिए क्योंकि मालदीव को नुकसान होगा। पिछले साल तत्कालीन राष्ट्रपति सोलिह ने डिक्री पर हस्ताक्षर कर कहा था कि विपक्ष का 'इंडिया आउट' अभियान मालदीव की सुरक्षा के लिए खतरा है। चीन समर्थक मुइज्जू ने 13 जनवरी को चीन दौरे के बाद कहा था कि 'हम भले ही छोटे देश हों, लेकिन इससे हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता।'

महाभियोग का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

माले, प्रेट्र : मालदीव में मुख्य विपक्षी दल के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाने की तैयारी के बीच सरकार ने महाभियोग की प्रक्रिया को सरल बनाने संबंधी संशोधन का विरोध दर्ज किया है। अटार्नी जनरल कार्यालय ने रविवार को संसद में मारपीट वाले दिन ही एक केस दर्ज किया है। लिहाजा मालदीव सरकार ने महाभियोग की प्रक्रिया को सरल बनाने के संसद के हाल के संशोधन पर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उल्लेखनीय है कि मालदीव की संसद में सबसे बड़ी मुख्य विपक्षी पार्टी एमडीपी ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पर महाभियोग चलाने के लिए एक प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर ली है। इससे मुइज्जू सरकार गिरने की आशंका है।

भारतीय पर्यटक घट कर पांचवें नंबर पर आए

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीयों के दम पर चलने वाला मालदीव का पर्यटन अब उनकी बेतहाशा कमी का सामना कर रहा है। पिछले तीन हफ्ते में मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या पहले स्थान से घटकर पांचवें पर आ गई है। इस साल मालदीव में 28 जनवरी तक 1.74 लाख पर्यटक पहुंचे जिसमें केवल 13,989 ही भारतीय थे। 18.561 पर्यटकों के साथ रूस पहले, इटली दूसरे (18,111), चीन तीसरे (16,529) और ब्रिटेन चौथे (14,588) स्थान पर आ गया। मालदीव के पर्यटन मंत्रालय के अनुसार तीन सालों से हर साल दो लाख से अधिक पर्यटक मालदीव जाते थे। लेकिन मोदी के इस साल लक्षद्वीप का दौरा करने के बाद मालदीव के तीन मंत्रियों ने भारत और पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी की। तब से बहुत से भारतीयों ने मालदीव जाना रद कर दिया।

न्यूज गैलरी

ट्रंप के टैक्स रिकार्ड लीक करने वाले को पांच वर्ष जेल

वाशिंगटन : अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हजारों अन्य के टैक्स रिकार्ड चुराने एवं लीक करने वाले व्यक्ति को पांच वर्ष जेल की सजा सुनाई गई है। 38 वर्षीय चार्ल्स लिटिलजान ने अनधिकृत रूप से आयकर रिटर्न उजागर करने का दोष स्वीकार कर लिया है। आंतरिक राजस्व सेवा के साथ काम करने के दौरान उसने ट्रंप के टैक्स रिटर्न के साथ देश के हजारों धनी लोगों के कर डाटा चुरा लिए थे। उसने दो समाचार संस्थानों को सूचना लीक कर दी और राजस्व सेवा द्वारा दिए गए लैपटाप को लौटाने से पहले दस्तावेज मिटा दिए थे। (एएनआइ)

ब्रिटेन में भारतवंशी दंपती कोकेन तस्करी का दोषी

लंदन : ब्रिटेन में भारतवंशी दंपती को आधा टन कोकेन आस्ट्रेलिया भेजने का दोषी करार दिया गया है। मई 2021 में आस्ट्रेलियाई सीमा बल ने सिडनी पहुंचने के बाद कोकेन पकड़ी और उसके बाद हुई जांच में ब्रिटेन की नेशनल क्राइम एजेंसी ने 59 वर्षीया आरती धीर और 35 वर्षीय कवलजीत सिंह रायजादा की पहचान की। मेटल टूलबाक्स में वे लोग नशीला पदार्थ भेजते थे। इससे पहले इस दंपती पर 2017 में बीमा के लिए अपने 11 वर्षीय गोद लिए गए पुत्र गोपाल सेजानी की हत्या कराने का आरोप लग चुका है। भारत ने इसी मामले में इस दंपती को प्रत्यर्पित करने की मांग की है। (प्रेट्र)

कनाडा में भारतवंशी की हत्या में भारतवंशी गिरफ्तार

टोरंटो : कनाडा में 18 वर्षीय भारतवंशी प्रीतपाल सिंह को 19 दिसंबर, 2023 को 18 वर्षीय भारतवंशी निशान थिंड की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। एक 16 वर्षीय किशोर के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। फरार किशोर का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। (आइएएनएस)

सड़क दुर्घटना में जान लेनेवाला भारतीय कनाडा से निर्वासित

ओटावा : 26 वर्षीय बिपिनजोत गिल को कनाडा से निर्वासित कर दिया गया है। पंजाब निवासी बिपिनजोत को 2019 में अल्बेर्टा प्रांत में दो महिलाओं उजमा अफजल और उसकी मां बिलकिस बेगम को कुचल कर मार डालने का दोषी करार दिया जा चुका है। (प्रेट्र)

अमेरिका में चीनी छात्रों से दुर्व्यवहार पर भड़का चीन

- दर्ज कराया विरोध, कहा-घंटों पूछताछ के बाद जबरन स्वदेश भेजना स्वीकार्य नहीं

बीजिंग, एपी: अमेरिका में पढ़ाई के लिए आने वाले चीनी छात्रों से दुर्व्यवहार का आरोप लगा चीन सरकार ने अमेरिकी प्रशासन से विरोध दर्ज कराया है। चीन ने आरोप लगाया है कि कुछ छात्रों से घंटों पूछताछ की गई, उनके इलेक्ट्रानिक उपकरणों की जांच की गई। कुछ मामलों में उन्हें जबरन वापस स्वदेश भेज दिया गया और उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यह स्वीकार्य नहीं है।

अमेरिका में चीनी राजदूत शी फेंग ने कहा, पिछले कुछ महीनों में अमेरिका से बाहर जाने या अपने परिवार से मिलने घर जाने के बाद वापस स्कूल लौटने वाले दर्जनों चीनी छात्रों को अमेरिका में प्रवेश देने से इन्कार कर दिया गया। वाशिंगटन में रविवार को चीनी दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान शी फेंग ने कहा कि जब चीनी छात्र घर से वापस अमेरिका लौटे तो हवाई अड्डे पर अमेरिकी अधिकारियों द्वारा उनसे आठ घंटे तक लंबी पूछताछ की गई। कुछ को जबरन वापस चीन भेज दिया गया और उनका प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया। चीनी दूतावास की वेबसाइट के अनुसार, अमेरिका में 2,90,000 चीनी छात्र पढ़ते हैं, यह संख्या देश में विदेशी छात्रों की एक तिहाई है।

बैंकाक में अमेरिका-चीन के बीच 12 घंटे वार्ता, नाटो ने जताया विरोध : व्हाइट हाउस ने सोमवार को कहा, अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच 12 घंटे तक बैठक हुई है। इस दौरान पिछले साल नवंबर में दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच व्यापार, नारकोटिक्स समेत विभिन्न तनाव के मुद्दों पर हुई बातचीत के बाद प्रगति की समीक्षा की गई। इस पर नाटो के महासचिव जेंस स्टोलटेन्बर्ग ने चीन द्वारा रूस को समर्थन और पश्चिम एशिया में संदिग्ध भूमिका को लेकर हिदायत दी है। कहा, चीन की बड़ी अर्थव्यस्था न केवल नाटो के लिए बल्कि अमेरिका के लिए भी खतरा है।

पाक के पूर्व पीएम इमरान खान व कुरैशी को 10-10 वर्ष की सजा

- गोपनीय दस्तावेज लीक करने के आरोप में स्पेशल कोर्ट ने सुनाया फैसला
- आम चुनाव से पहले झटका, तोशाखाना मामले में पहले ही हो चुकी है सजा

इमरान खान।

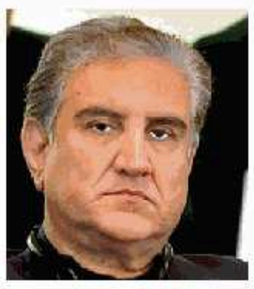

शाह महमूद कुरैशी। फाइल/एएफपी

इस्लामाबाद, प्रेट्र: पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। जेल में बंद इमरान खान और उनके सहयोगी पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक करने के आरोप में विशेष अदालत ने 10-10 साल जेल की सजा सुनाई है।

आफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत मंगलवार को अदियाला जेल स्थित स्पेशल कोर्ट में सुनवाई करते हुए जज अबुल हसनत जुल्कारनैन ने फैसला सुनाया। इमरान खान को इससे पहले तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में भी तीन वर्ष की सजा सुनाई जा चुकी है। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के नेताओं ने इसे शर्मनाक बताते हुए कहा कि सुनवाई के दौरान लोगों और मीडिया को दूर रखा गया। पार्टी इसके विरुद्ध हाई कोर्ट में अपील करेगी। पार्टी को चुनाव से पहले ही कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसमें पार्टी का चुनाव चिह्न 'क्रिकेट का बल्ला' जब्त करने, इमरान, कुरैशी समेत बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं के नामांकन निरस्त करना शामिल है।

गोपनीय दस्तावेज लीक करने का मामला तब सामने आया जब प्रधानमंत्री रहने के दौरान पिछले वर्ष 27 मार्च को इमरान खान ने एक सार्वजनिक सभा में राजनयिक केबल (साइफर) दिखाया। दावा किया कि इसे अमेरिका स्थित पाकिस्तानी दूतावास से भेजा गया है, इसमें हमारी सरकार गिराने के अंतरराष्ट्रीय साजिश के साक्ष्य हैं। संयोग से अगले महीने अप्रैल में ही इमरान सरकार को अविश्वास मत के जरिये हटा दिया गया। इसके बाद पिछले साल 15 अगस्त को संघीय जांच एजेंसी (एफआइए) ने इमरान और कुरैशी के विरुद्ध सीक्रेट एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था।

नकली नोटों से परेशान पाकिस्तान में जारी किए जाएंगे नए नोट

कराची, प्रेट्र : भारत में नकली नोटों के लिए बदनाम रहा पाकिस्तान अब स्वयं इस बुराई से परेशान है। आर्थिक संकट से जूझ रहे इस देश में नकली नोट से निपटने के लिए नए नोट जारी करने की घोषणा की गई है। पाकिस्तान पर नकली नोट भेजकर भारतीय अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाने का आरोप लगता रहा है।

स्टेट बैंक आफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद ने मीडिया को बताया कि नए नोट उन्नत अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा फीचर से लैस होंगे। इसमें पाकिस्तानी मुद्रा को आधुनिक बनाने के लिए विशिष्ट सुरक्षा संख्या और डिजाइन शामिल होंगे।

कुछ वित्तीय विशेषज्ञों ने सवाल किया कि नए नोटों को जारी करने में नकली नोट और काले धन से मुकाबला करने के लिए 5000 रुपये या इससे ज्यादा मूल्यवर्ग के नोटों को बंद किया जाना भी शामिल होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, आर्थिक संकट से जूझ रही अर्थव्यवस्था काले धन के उपयोग से काफी प्रभावित है। अधिक मूल्यवर्ग के नोट काले धन को बल देते हैं।

दुनिया के बदनाम बाजारों की सूची में भारत के तीन शामिल

- ये बाजार ट्रेडमार्क, जालसाजी या कापीराइट चोरी में शामिल
- अमेरिका की इस सूची में तीन आनलाइन भारतीय बाजार भी

वाशिंगटन, प्रेट्र: अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधियों ने मंगलवार को बदनाम बाजारों की सूची जारी की है। इसमें दिल्ली सहित तीन शहरों के तीन भारतीय बाजार और तीन आनलाइन बाजार शामिल हैं। इस सूची में चीन पहले स्थान पर है। अमेरिका की 2023 बदनाम बाजार सूची में 33 बाजारों और 39 आनलाइन बाजारों को चिह्नित किया गया है। इनके बारे में बताया गया है कि ये बड़े पैमाने पर ट्रेडमार्क जालसाजी या कापीराइट चोरी में संलग्न हैं या उन्हें बढ़ावा देते हैं।

ये तीन भारतीय बाजार मुंबई में हीरा पन्ना, नई दिल्ली में करोल बाग का टैंक रोड और बेंगलुरु में सदर पटरप्पा रोड मार्केट हैं। इस सूची में शामिल हुए आनलाइन भारतीय बाजारों में इंडियामार्ट, वेगामूवीज व डब्ल्यूएचएमसीएस स्मार्टर्स हैं। अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने कहा कि नकली और जालसाजी वाली वस्तुओं का कारोबार श्रमिकों, उपभोक्ताओं और छोटे व्यवसायों को नुकसान पहुंचाता है। इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है।

उन्होंने कहा, इस वर्ष की बदनाम बाजार सूची इसलिए भी अहम है क्योंकि यह नकली वस्तुओं के संभावित खतरों को रेखांकित करती है। सूची के अनुसार, चिह्नित 33 बाजारों और 39 आनलाइन बाजारों के बारे में बताया गया है कि वे बड़े पैमाने पर ट्रेडमार्क जालसाजी या कापीराइट चोरी में शामिल हैं या उसे बढ़ावा देते हैं। इसमें चीन के ई-कामर्स और सोशल कामर्स बाजारों ताओबाओ, वीचैट, डीएचगेट, और पिनडुओडुओ के साथ-साथ क्लाउड स्टोरेज सेवा बाइडू वांगपैन को रखा है।

उत्तर कोरिया ने समुद्र में फिर दागीं क्रूज मिसाइलें

सियोल, एपी : उत्तर कोरिया नए वर्ष में भी हथियारों के परीक्षण में जुटा है। उसने मंगलवार को अपने पश्चिमी तट से समुद्र में कई क्रूज मिसाइलें दागीं। उत्तर कोरिया ने जनवरी में इस तरह के हथियारों का तीसरी बार परीक्षण किया है।

उत्तर कोरिया ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच यह परीक्षण किया है। दूसरी तरफ अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने संयुक्त सैन्य अभ्यास को गति दे दी है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ ने कहा कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सेनाएं प्रक्षेपणों का विश्लेषण कर रही हैं। हालांकि ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ ने मिसाइलों की संख्या और अन्य कोई विवरण नहीं दिया है।

इससे पहले उत्तर कोरिया ने 24 और 28 जनवरी को परीक्षण किया था। प्योंगयांग ने इसे पनडुब्बी से लांच के लिए नई क्रूज मिसाइल करार दिया था। उत्तर कोरिया ने 14 जनवरी को नई ठोस-ईंधन इंटरमीडिएट रेंज मिसाइल का परीक्षण किया था।

जलवायु संरक्षण के लिए अधिक धन आवंटन की मांग

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में मंगलवार को पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने स्प्री नदी के अत्यंत ठंडे पानी में तैराकी करते हुए प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जलवायु संरक्षण के लिए संसद से अधिक धन आवंटित करने की मांग उठाई। ज्ञातव्य है कि जर्मनी की संसद के निचले सदन बुंडेसटाग (पृष्ठभूमि में) में संघीय बजट 2024 पर अंतिम बहस चल रही है। एएफपी

****

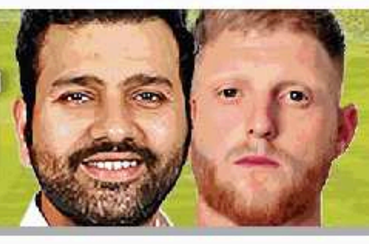

अगर सीरीज के आगे बढ़ने पर विकेट उसी तरह से टर्न लेते रहे जैसा हमने पहले टेस्ट में देखा था, तो हम सभी स्पिनरों के साथ खेलने से पीछे नहीं हटेंगे। बशीर हमारे साथ अबू धाबी में शिविर में था और उसने अपने कौशल से हमें प्रभावित किया।

– ब्रेंडन मैकुलम, कोच, इंग्लैंड

चार स्पिनरों के साथ उतर सकता है भारत

रजत पाटीदार विशाखापत्तनम में कर सकते हैं पदार्पण, जडेजा, राहुल की चोट ने बढ़ाई चयन की दुविधा

नई दिल्ली, प्रेट्र : रवींद्र जडेजा और केएल राहुल को अचानक लगी चोटों से भारतीय टीम के सामने चयन की दुविधा पैदा हो गई है, जिसे इंग्लैंड के विरुद्ध पहले टेस्ट में मिली हार के बाद सीरीज में वापसी करनी है। जडेजा और राहुल ने हैदराबाद टेस्ट में पहली पारी में शानदार प्रदर्शन किया था। जडेजा को हैमस्ट्रिंग की चोट लगी है जबकि राहुल को दाहिने जांघ की मांसपेशी में दर्द है।

आलराउंडर जडेजा की कमी पूरी कर पाना किसी के लिए भी मुश्किल है और राहुल सितंबर में सर्जरी के बाद वापसी से वनडे और टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी की धुरी रहे हैं। विराट कोहली निजी कारणों से पहले दो टेस्ट से वैसे भी बाहर हैं, लिहाजा शुक्रवार से विशाखापत्तनम में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में भारत के सामने कई चुनौतियां होंगी। चयनकर्ताओं ने सरफराज खान, सौरभ कुमार और वाशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया है। रजत पाटीदार हैदराबाद में भारत की 15 सदस्यीय टीम में थे। वह मध्यक्रम में राहुल की जगह ले सकते हैं, जबकि जडेजा की जगह कुलदीप यादव को उतारा जा सकता है। भारतीय टीम चार स्पिनरों और एक तेज गेंदबाज के साथ भी उतर सकती है जैसा इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में किया था। ऐसे में मोहम्मद सिराज पर कुलदीप को तरजीह मिलेगी ताकि सरफराज या वाशिंगटन को मध्यक्रम में उतारा जा सके। जडेजा की ही तरह सौरभ बाएं हाथ के स्पिनर हैं और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक भी लगा चुके हैं।

हैदराबाद के एसीए वीडीसीए स्टेडियम पर अब तक दो टेस्ट खेले गए हैं और पिच बल्लेबाजों की मददगार रहती है। भारत ने 2019 में इस मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध 502 रन बनाए थे। रोहित ने आरंभिक बल्लेबाज के तौर पर पहली पारी में 176 रन जोड़े थे। चार टेस्ट के अपने करियर में प्रतिभा का लोहा मनवा चुके आफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर भी चयन के दावेदार हैं। उन्होंने पांच पारियों में नाबाद 85 और नाबाद 95 रन बनाए हैं और दो विकेट भी लिए हैं। पूर्व चयनकर्ता शरणदीप सिंह ने कहा कि हरफनमौला उपयोगी होता है लेकिन अंतिम एकादश में ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि रजत पाटीदार को राहुल की जगह और जडेजा की जगह कुलदीप को उतारा जा सकता है। हमें इंग्लैंड की नकल करके चार स्पिनरों को उतारने की आवश्यकता नहीं है। अपनी धरती पर दो तेज गेंदबाज और तीन स्पिनर हमारी ताकत रहे हैं। हमें उसी पर अडिग रहना चाहिए। पारी की शुरुआत शुभगन गिल और यशस्वी जायसवाल को करनी चाहिए और रोहित शर्मा को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिए।

कुलदीप यादव और रजत पाटीदार ● फाइल फोटो, प्रेट्र

अंतिम एकादश में कुलदीप को जगह मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत को लगता है कि सिर्फ एक तेज गेंदबाज से काम चल जाएगा तो कुलदीप को टीम में रखना चाहिए। उसके पास विविधता है और विकेट टर्न ले सकता है।'

– अनिल कुंबले, पूर्व स्पिनर भारत

रोहित शर्मा का सर्वश्रेष्ठ समय बीत गया : बायकाट

लंदन, प्रेट्र : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बायकाट का मानना है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का सर्वश्रेष्ठ समय निकल चुका है और पहले टेस्ट में मेजबान टीम को विराट कोहली की कमी खली। बायकाट ने डेली टेलीग्राफ के अपने कालम में लिखा, इंग्लैंड के पास पिछले 12 साल में भारत को उन्हीं की धरती पर हराने वाली पहली टीम बनने का सुनहरा मौका है। भारत को विराट कोहली की कमी बहुत खल रही है। उनके कप्तान रोहित शर्मा लगभग 37 वर्ष के हैं और खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पार कर चुके हैं। वह कई बार असरदार छोटी पारियां खेलते हैं, लेकिन चार साल में घरेलू मैदान पर केवल दो टेस्ट शतक बना पाए हैं।

पाउच का पानी पीने से गले-मुंह में जलन की शिकायत के बाद आइसीयू में हुए भर्ती

फ्लाइट में बिगड़ी मयंक अग्रवाल की तबीयत

अगरतला, प्रेट्र : भारतीय टीम से बाहर चल रहे ओपनर बल्लेबाज और कर्नाटक रणजी टीम के कप्तान मयंक अग्रवाल को विमान में तबीयत बिगड़ने के बाद अगरतला के स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मयंक को अगरतला से नई दिल्ली के लिए फ्लाइट लेनी थी। विमान में बैठने के बाद उन्होंने पाउच से पानी पिया था, जिसके बाद उन्होंने गले और मुंह में जलन की शिकायत की। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

कर्नाटक क्रिकेट संघ ने बताया कि मयंक को आइसीयू में भर्ती कराया गया है और उनकी हालात खतरे से बाहर है। डाक्टरों से अनुमति मिलने के बाद वह वापस बेंगलुरु लौटेंगे और सूरत में रेलवे के विरुद्ध होने वाले अगले रणजी ट्राफी मुकाबले में नहीं खेलेंगे। मयंक की अनुपस्थिति में उपकप्तान निकिन जोस अगले मुकाबले में कर्नाटक टीम की कप्तानी करेंगे।

भारत के लिए 21 टेस्ट खेल चुके 33 वर्षीय मयंक को दिल्ली होते हुए सूरत पहुंचना था। त्रिपुरा क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने बताया, कर्नाटक की टीम विमान में थी और मयंक को बेचैनी महसूस होने लगी। उन्होंने विमान में कई बार उल्टी भी कर दी। वह इसके बाद विमान से उतर गए। कर्नाटक क्रिकेट संघ से एमआर शाहवीर तारापोर ने फोन किया गया और हमने अपने दो प्रतिनिधियों को तुरंत आइएलएस अस्पताल में भेजा। वह निगरानी में है और चिकित्सक जांच कर रहे हैं। मयंक ने शायद किसी अन्य पारदर्शी तरल पदार्थ को पानी समझ लिया और उसे पी लिया, जिसके बाद उन्हें बेचैनी महसूस होने लगी थी। इस बीच, इंडिगो एयरलाइंस ने भी बयान जारी किया है। कंपनी की तरफ से कहा गया कि अगरतला से दिल्ली की इंडिगो की फ्लाइट 6ई5177 को मेडिकल इमरजेंसी के कारण लौटना पड़ा। यात्री को फ्लाइट से उतार दिया गया और अस्पताल भेजा गया। इसके बाद विमान ने शाम 4.30 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरी।

कर्नाटक रणजी टीम के कप्तान मयंक ने गलती से पाउच से कुछ पी लिया था। जिसके बाद उन्हें जलन महसूस होने लगी। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है और हम जांच कर रहे हैं कि क्या हुआ है। अगरतला में जो भी सबसे अच्छा इलाज उपलब्ध होगा, हम उन्हें देंगे।

– किरण मिट्टे, स्वास्थ्य सचिव, त्रिपुरा

मयंक के मैनेजर ने इसको लेकर शिकायत की है। हमने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है। उनके मैनेजर ने बताया कि जब वह विमान में बैठे तो उनके सामने एक पाउच रखा था। उन्होंने उसमें से थोड़ा पदार्थ पी लिया और तभी उनके मुंह में जलन होने लगी। वह बात भी नहीं कर पा रहे थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

–किरण कुमार, एसपी, त्रिपुरा पश्चिम

मयंक अग्रवाल ● फाइल फोटो, प्रेट्र

शानदार फार्म में चल रहे हैं मयंक : आइपीएल में हैदराबाद सनराइडर्स के लिए खेलने वाले मयंक मौजूदा रणजी ट्राफी सत्र में अब तक शानदार फार्म में चल रहे हैं और उन्होंने चार मैचों में 460 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक उनके नाम है। कर्नाटक रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप सी में चार मैचों में 15 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, उसने दो मैच जीते हैं और एक मैच हारा है।

एक नजर में

पुरुष हाकी टीम हारी

मस्कट : मोहम्मद राहील की हैट्रिक के बावजूद भारत को एफआइएच हाकी5 पुरुष विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को नीदरलैंड्स ने 7-4 से हरा दिया। राहील (पहला, सातवां और 25वां मिनट) के अलावा मनदीप मोर (11वां मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। नीदरलैंड्स के लिए सैंडर डे विज्न (चौथा और 15वां) और अलेक्जेंडर शाप (10वां और 26वां) ने दो गोल किए, जबकि लुकास मिडेनडोर्प (12वां), जैमी वान आर्ट (13वां) और पेपिन रेयेंगा (20वां) ने एक-एक गोल किया। (प्रेट्र)

भूटिया ने इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली : पूर्व भारतीय कप्तान बाइचुंग भूटिया ने महासचिव के रूप में शाजी प्रभाकरन की बर्खास्तगी के बाद देश में फुटबाल के प्रशासन में मौजूदा अव्यवस्था के लिए अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआइएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। भूटिया ने कहा, 'मैंने कार्यकारी समिति से कहा कि कल्याण चौबे और कोषाध्यक्ष किपा अजय को भी इस्तीफा देना चाहिए। सिर्फ शाजी प्रभाकरन को बलि का बकरा नहीं बनाया जाना चाहिए। कार्यकारी समिति की स्वीकृति के बिना फैसले करने के लिए ये तीनों बराबर जिम्मेदार थे।' (प्रेट्र)

सिनर का भव्य स्वागत

रोम : आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जानिक सिनर का इटली लौटने पर एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत हुआ। सिनर के स्वागत के लिए प्रशंसक भारी मात्रा में मौजूद थे। सिनर को इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी सम्मानित करेंगी। सिनर ने रविवार को हुए पुरुष सिंगल्स वर्ग के फाइनल में डेनिल मेदवेदेव से दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी। वह करीब 50 वर्ष बाद ग्रैंडस्लैम जीतने वाले इटली के पहले टेनिस खिलाड़ी बने। (एपी)

पैदलचाल एथलीट अक्षदीप ने अपने राष्ट्रीय रिकार्ड में सुधार किया

विकास शर्मा ● चंडीगढ़

पेरिस ओलिंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके पंजाब के अक्षदीप सिंह ने राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा में मंगलवार को पुरुषों के 20 किलोमीटर वर्ग में अपने ही राष्ट्रीय रिकार्ड में सुधार किया।

रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा 2023 जीतकर ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले अक्षदीप ने एक घंटे 19 मिनट 38 सेकेंड का समय निकालकर एक घंटे 19 मिनट 55 सेकेंड का अपना ही रिकार्ड तोड़ा। उत्तराखंड के सूरज पंवार दूसरे स्थान पर रहे जिन्होंने पेरिस ओलिंपिक का एक घंटे 20 मिनट 10 सेकेंड का क्वालीफाइंग मार्क पार किया। उन्होंने एक घंटे 19 मिनट 43 सेकेंड का समय निकाला। वह पेरिस ओलिंपिक में पुरुषों की पैदल चाल के लिए क्वालीफाई करने वाले चौथे भारतीय हैं। प्रेमजीत सिंह बिष्ट और विकास सिंह भी क्वालीफाई कर चुके हैं। अक्षदीप ने बताया कि वह अपने प्रदर्शन से खुश हैं। यह सीजन का पहला टूर्नामेंट है इससे उन्हें अपनी तैयारी परखने का मौका मिला है। एक देश से तीन ही खिलाड़ी ट्रैक और फील्ड की व्यक्तिगत स्पर्धा में भाग ले सकते हैं और अब भारतीय एथलेटिक्स महासंघ को तय करना है कि इन चारों में से कौन पेरिस जाएगा। महासंघ के सचिव रविंदर चौधरी ने सूरज पंवार को ओलिंपिक कोटा हासिल करने के लिए बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने सूरज को ओलिंपिक के हिसाब से और बेहतर तैयारी करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'किसी भी खिलाड़ी के लिए जीत की लय को बरकरार रखना बेहद जरूरी है।'

भारत ने न्यूजीलैंड को 214 रन से रौंद डाला

क्रिकेट डायरी

ब्लोमफोंटेन, प्रेट्र : मुशीर खान के दूसरे शतक के बाद स्वामी पांडे की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने आइसीसी अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स चरण के मुकाबले में मंगलवार को न्यूजीलैंड को 214 रन से रौंद कर अजेय सफर जारी रखा। भारत ने मुशीर की 131 और ओपरन आदर्श सिंह की 52 रन की पारी की बदौलत आठ विकेट पर 295 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। न्यूजीलैंड की टीम इसके जवाब में बाएं हाथ के स्पिनरों पांडे (4/19) और मुशीर (2/10) के अलावा तेज गेंदबाज राज लिंबानी (2/17) की धारदार गेंदबाजी के सामने 28.1 ओवर में सिर्फ 81 रन पर सिमट गई। रनों के लिहाज से न्यूजीलैंड की यह तीसरी सबसे बड़ी हार है, वहीं यह उसका तीसरा न्यूनतम स्कोर है।

मुशीर खान ● एक्स

इससे पहले मेनगांग ओवल की बल्लेबाजी की अनुकूल पिच पर मुशीर ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाई और मौजूदा प्रतियोगिता में 300 रन के आंकड़े को पार करने वाले पहले बल्लेबाज बने। मुशीर ने 126 गेंद में 13 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 131 रन की पारी खेली। मुशीर ने विकेट के चारों तरफ शाट लगाए और दौड़कर भी ढेरों रन बटोरे। वह अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने में भी सफल रहे।

दीप्ति टी-20 रैंकिंग में संयुक्त दूसरे स्थान पर

दुबई, प्रेट्र : भारत की दीप्ति शर्मा एक पायदान चढ़कर आइसीसी महिला टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में मंगलवार को संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गई, भारत की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह भी दसवें स्थान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नोंकुलुलेको एमलाबा तीन पायदान गिरकर दूसरे से पांचवें स्थान पर खिसक गई। दीप्ति के साथ पाकिस्तान की सादिया इकबाल दूसरे स्थान पर है जबकि इंग्लैंड की सारा ग्लेन चौथे स्थान पर है। इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्सेलेटन शीर्ष पर बनी हुई हैं। आलराउंडरों की सूची में शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं है और इसमें भी दीप्ति शर्मा चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। बल्लेबाजों में स्मृति मंधाना चौथे, जेमिमा 13वें, शेफाली वर्मा 16वें स्थान पर हैं।

शाहीन अफरीदी ने डेजर्ट वाइपर्स को एमआइ पर दिलाई रोमांचक जीत

आएलटी-20

नई दिल्ली, जेएनएन : शाहिन अफरीदी ने अंतिम गेंद पर तीन रन बनाकर डेजर्ट वाइपर्स को एमआइ एमिरेट्स पर दो विकेट से रोमांचक जीत दिला दी। एमआइ एमिरेट्स ने वाइपर्स के सामने 150 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे टीम ने आठ विकेट खोकर प्राप्त कर लिया। वाइपर्स की यह टूर्नामेंट में छह मुकाबलों में दूसरी जीत है।

इससे पहले, तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर, ल्यूक वुड और मथीशा पथिराना की पेस तिकड़ी के आगे एमआइ एमिरेट्स के बल्लेबाजों ने हथियार डाल दिए। कोई भी बल्लेबाज 30 रन के आंकड़े को नहीं छू पाया और पूरी टीम केवल 149 रन ही बना सकी। आमिर ने तीन जबकि वुड और पथिराना ने दो-दो विकेट लिए।

वाइपर्स ने दो विकेट से जीता, शाहीन अफरीदी ने अंतिम गेंद पर तीन रन बनाकर दिलाई जीत

जी फाइव व एंड पिक्चर्स पर प्रसारित मुकाबले में लक्ष्य का पीछा करने उतरी वाइपर्स की स्थिति भी ज्यादा अच्छी नहीं थी और उसका रोहिद खान व फजलहक फारूकी ने उसके शीर्षक्रम को ध्वस्त कर दिया। टीम केवल 28 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी। लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने छोटी-छोटी साझेदारियां कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उसके लिए शेफरान रदरफोर्ड ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। वहीं वानिंदु हसरंगा (26) और आजम खान (20) ने उपयोगी पारियां खेली और पांचवें विकेट के लिए 34 रन की अहम साझेदारी की।

महाराष्ट्र की भारोत्तोलक ग्रीष्मा थोराट ने जीता रजत पदक

खेल डायरी

नई दिल्ली, जेएनएन : महाराष्ट्र की भारोत्तोलक ग्रीष्मा थोराट ने चेन्नई में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। पिछले दो वर्षों से ग्रीष्मा का जीवन अपने दिवंगत पिता की यादों के इर्द-गिर्द घूमता रहा, जो 2022 में जूनियर नेशनल्स में अपनी बेटी के छठे स्थान के साथ भुवनेश्वर से लौटने के केवल चार दिन बाद कोविड-19 के कारण जिंदगी की लड़ाई हार गए।

ग्रीष्मा ने कहा, 'पिछले दो साल मेरे करियर का अब तक का सबसे कठिन दौर रहा है। जब भी मैं ट्रेनिंग के लिए जाती हूं या कुछ भी करना शुरू करती हूं तो मेरे सामने पिता की यादें घूमती रहती हैं। मेरे अंदर ही अंदर एक खालीपन था जिसे भरना मुश्किल है। मैं किसी भी चीज पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकी।' खेलो इंडिया यूथ गेम्स के इस संस्करण से पहले, ग्रीष्मा पंचकुला और इंदौर में क्रमशः छठे और चौथे स्थान पर रहीं।

ग्रीष्मा थोराट ● आयोजक

ग्रैंडमास्टर दिव्या ने दर्शकों पर लिंगभेद का आरोप लगाया

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने आरोप लगाया है कि हाल ही में नीदरलैंड्स के विज्क आन जी में टाटा स्टील मास्टर्स के दौरान दर्शकों की ओर से लिंगभेद का सामना करना पड़ा जिनका ध्यान उनके बाल, कपड़े और लहजे जैसी गैर जरूरी बातों पर था। नागपुर की 18 वर्षीय दिव्या ने इंटरनेट मीडिया पर लंबी पोस्ट में लिखा, 'मैं काफी समय से इस पर बोलना चाहती थी लेकिन टूर्नामेंट खत्म होने का इंतजार कर रही थी। मुझे लोगों ने बताया कि दर्शकों का ध्यान मेरे खेल पर था ही नहीं बल्कि बाकी गैर जरूरी चीजों जैसे मेरे कपड़े, बाल, लहजे पर था। वे इसको लेकर मुझ पर टिप्पणी कर रहे थे।' देशमुख चैलेंजर श्रेणी में 4.5 स्कोर करके 12वें स्थान पर रहीं।

संजय सिंह के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली, प्रेट्र : खेल मंत्रालय ने सरकारी मान्यता के संबंध में 'पूर्ण निराधार और हानिकारक' दावा करने पर मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। संजय सिंह ने को दावा किया था कि लगभग 700 पहलवान 29 से 31 जनवरी तक पुणे में सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेंगे। मंत्रालय ने संजय सिंह को लिखे पत्र में कहा, 'निलंबित कार्यकारी समिति की मान्यता और पुणे में आपके द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के बारे में कुछ दावे किए जा रहे हैं, जो पूरी तरह से निराधार और हानिकारक हैं। ऐसी किसी भी चैंपियनशिप या प्रतियोगिता को स्वीकृति नहीं दी जाएगी।

पाक के विरुद्ध कप्तान की भूमिका निभाएंगे जीशान

टेनिस डायरी

इस्लामाबाद, प्रेट्र : रोहित राजपाल के निजी कारणों से राष्ट्रीय डेविस कप टीम के साथ नहीं आने के कारण भारतीय टेनिस कोच जीशान अली पाकिस्तान के विरुद्ध यहां दो और तीन फरवरी को होने वाले ऐतिहासिक मुकाबले में गैर खिलाड़ी कप्तान की भूमिका भी निभाएंगे। अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के सचिव अनिल धूपर ने इसकी पुष्टि की।

धूपर ने कहा, 'हमारे गैर खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल निजी कारणों से टीम के साथ यात्रा नहीं कर पाए। मुझे यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि हमने बेहद सीनियर खिलाड़ी जीशान अली को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। हमें विश्वास है कि भारत उनकी कप्तानी में पाकिस्तान में ठोस प्रदर्शन करेगा।' भारतीय टीम 60 साल में पहली बार पाकिस्तान का दौरा कर रही है। भारत के 10 सदस्यीय दल में पांच खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और कोच शामिल हैं जो विश्व ग्रुप एक प्लेआफ मुकाबले के लिए सोमवार को पाकिस्तान पहुंचे। भारतीय टीम पिछली बार 1964 में पाकिस्तान दौरे पर आई थी।

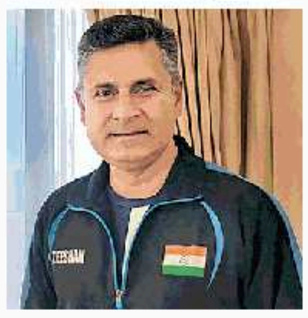

जीशान अली ● प्रेट्र

भारतीय टीम के आने से उत्साहित है पाकिस्तान

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय खेलों की मेजबानी नहीं मिलने का पाकिस्तान को काफी नुकसान हुआ है और अब टेनिस जगत को उम्मीद है कि भारतीय डेविस कप टीम के इस ऐतिहासिक मुकाबले के लिए आने से देश में खेलों को बढ़ावा मिलेगा और दर्शकों की रुचि जगेगी। ऐसाम उल हक कुरैशी और अकील खान जैसे पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ी इस मुकाबले को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्हें उम्मीद है कि इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के भी पाकिस्तान आने का रास्ता खुलेगा।

राष्ट्रीय फलक

एटीसी की मंजूरी के बिना भरी उड़ान, ड्यूटी से हटाए गए पायलट

नई दिल्ली, एएनआइ : नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) की मंजूरी बिना इंडिगो की उड़ान दिल्ली से बाकू के लिए रवाना होने की घटना की जांच कर रहा है। इस उड़ान का संचालन करने वाले पायलटों को जांच होने तक 'रोस्टर' से हटा दिया गया है।

यह घटना 28 जनवरी की है। डीजीसीए के अधिकारी ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी। यह उड़ान 28 जनवरी को शाम करीब 7.38 बजे दिल्ली से अजरबैजान की राजधानी बाकू के बीच संचालित थी। इंडिगो के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, '28 जनवरी, 2024 को दिल्ली और बाकू के बीच संचालित इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1803 के बारे में आई रिपोर्टों के संदर्भ में घटना की जांच चल रही है। इस मामले में जरूरत के हिसाब से उचित कार्रवाई की जाएगी।' घटनाक्रम से परिचित एक अधिकारी ने कहा कि एटीसी ने विमान के पायलट को उड़ान भरने के लिए इंतजार करने की सलाह दी थी। लेकिन विमान ने उड़ान भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी और एटीसी से मंजूरी मिले बिना ही उड़ान भर गया।

संयुक्त परिवार बिखरने से बुजुर्गों की नहीं हो रही देखभाल : बांबे हाई कोर्ट

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट ने एक व्यक्ति और उसकी पत्नी को अपनी मां के घर का अवैध कब्जा छोड़ने का आदेश देते हुए कहा है कि संयुक्त परिवार की व्यवस्था छिन्न-भिन्न होने से बुजुर्ग लोगों की देखभाल उनके सगे-संबंधी नहीं कर रहे हैं।

जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और फिरदोश पूनीवाला की खंडपीठ ने मंगलवार को कहा, उम्र का बढ़ना एक प्रमुख सामाजिक चुनौती बनता जा रहा है। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और देखभाल पर और अधिक ध्यान देने की जरूरत है। संयुक्त परिवार की व्यवस्था बिखरने से बड़ी तादाद में बुजुर्गों की देखभाल उनके परिवार नहीं कर रहे हैं। खासकर बुजुर्ग विधवाओं को अपना एकाकी जीवन बिना किसी मदद के बिताना पड़ता है और उन्हें भावनात्मक, शारीरिक और वित्तीय सहारा भी नहीं मिलता है।

हाई कोर्ट ने यह आदेश सितंबर, 2021 में याचिकाकर्ता दिनेश चंदनशिवे की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने मुंबई के मुलुंद में वयोवृद्ध मां लक्ष्मी चंदनशिवे के घर को खाली कराने के लिए आदेश जारी किया है। हाई कोर्ट ने यह परिसर 15 दिनों के अंदर खाली करने को कहा है। पीड़िता के पति की 2015 में मृत्यु होने के बाद उसका बेटा और पत्नी घर में मिलने के बहाने से आए और वहीं जम गए। कुछ ही समय बाद मां को घर से बाहर निकाल दिया तो उन्होंने ठाणे में बड़े बेटे के घर में शरण ली।

- अदालत ने एक दंपती को मां के घर का अवैध कब्जा छोड़ने को कहा
- कहा, ऐसी संतानों पर गर्व जो मां-बाप की संपत्ति पर नजर नहीं डालते

खंडपीठ ने आदेश में कहा, परिवार का त्याग करने के बाद बुजुर्गों को गहरी वेदना होती है। किसी भी माता-पिता को ऐसी पीड़ा से नहीं गुजरना चाहिए। जीवन में भौतिक चीजों से अधिक जरूरी चीजें हैं। माता-पिता ऐसी संतानों पर गर्व करते हैं जिनकी सभी मोर्चों पर अपनी उपलब्धियां होती हैं और वह अपने बूढ़े मां-बाप की संपत्ति और धन पर नजरें नहीं गड़ाते हैं। कोर्ट ने ऐसे कई मुकदमों का उदाहरण देते हुए कहा, दुनिया अब आदर्शवादी नहीं रही। इंसान के लालच ने उसे खोखला कर दिया है।

केरल में सामूहिक दुष्कर्म के तीन दोषियों को 90-90 साल की सजा

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : केरल की अदालत ने मंगलवार को बंगाल के प्रवासी मजदूर की 15 वर्षीय बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के तीन दोषियों को 90-90 साल की सजा सुनाई। गत 29 मई 2022 को इडुक्की के पूपारा गांव के एक चाय बागान में 15 वर्षीय बच्ची के साथ वारदात को अंजाम दिया गया था।

विशेष अदालत के न्यायाधीश सिराजुद्दीन पीए ने पाक्सो एक्ट और आइपीसी के प्रविधानों के तहत दोषियों को अलग-अलग 90 साल की सजा सुनाई। हालांकि विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी और ऐसे में प्रत्येक को 25-25 साल की कैद काटनी होगी। अदालत ने सोमवार को चार आरोपितों से से तीन को बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म का दोषी माना था। चौथा आरोपित निगरानी में खड़ा था। उसने वारदात को अंजाम नहीं दिया था। ऐसे में अदालत ने उसे बरी कर दिया था। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 40-40 हजार रुपये का जुर्माना लगाया और निर्देश दिया कि दोषियों से प्राप्त धनराशि प्राप्त होने पर पीड़िता को दी जानी चाहिए।

मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त के खिलाफ वसूली मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल

ठाणे, प्रेट्र : सीबीआइ ने पर्याप्त सुबूतों के अभाव में मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह और अन्य के खिलाफ दर्ज जबरन वसूली के मामले को बंद करने के संबंध में रिपोर्ट पेश की है। जांच एजेंसी ने 18 जनवरी को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ठाणे के समक्ष एक क्लोजर रिपोर्ट पेश की। अदालत इस पर फरवरी में विचार कर सकती है।

सीबीआइ ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मामले में तथ्य और परिस्थितियां आरोपों को साबित नहीं करतीं। क्लोजर रिपोर्ट में कहा गया है कि 2016-2017 के दौरान हुई घटना के बारे में शिकायत 2021 में कराई गई। इस समय तक वे सुबूत उपलब्ध नहीं थे जो सच्चाई को साबित करते। स्थानीय व्यवसायी शरद अग्रवाल ने जुलाई 2021 में ठाणे के कोपरी पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया था। उन्होंने दावा किया था कि सिंह और कुछ रियल एस्टेट डेवलपर समेत अन्य आरोपितों ने उनकी जमीन हड़पने के लिए उन्हें धमकी दी थी और जबरन दो करोड़ रुपये उगाह लिए थे। बाद में मामला जांच के लिए सीबीआइ को सौंप दिया गया। एजेंसी ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट में कहा है कि उसने शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की सत्यता को परखा और पाया कि साक्ष्य का अभाव है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शिकायतकर्ता ने जो दावे किये उसे साबित करने के लिए कोई भी सुबूत नहीं हैं। जांच एजेंसी ने कहा कि अग्रवाल ने बिना किसी दबाव के स्वेच्छा से अपनी जमीन देने का समझौता किया था। शिकायतकर्ता के आरोप साबित करने के लिए कोई सुबूत नहीं मिले।

- सीबीआइ ने क्लोजर रिपोर्ट में कहा, इस मामले में तथ्य और परिस्थितियां आरोपों को साबित नहीं करतीं

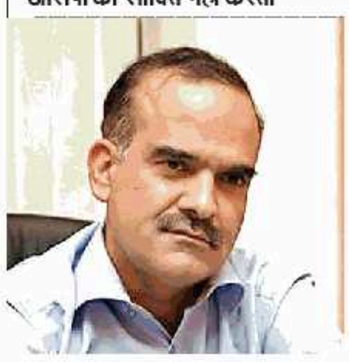

परमबीर सिंह। फाइल फोटो

बरेली में एटीएम से 100 की जगह निकले 500 के नोट

जागरण संवाददाता, बरेली: उप्र के बरेली जिले में एसबीआइ के एटीएम से 100 के बजाय 500 के नोट निकलने लगे। एक दिन में 218 लोगों ने 3.88 लाख रुपये अतिरिक्त निकाल लिए। पांच दिन तक बैंक के अधिकारी व कैश लोड करने वाली कंपनी अतिरिक्त रुपयों की वापसी की जुगत करती रही। सफलता नहीं मिलने पर सोमवार को सुभाषनगर थाने में शिकायती पत्र दिया गया।

सीएमएस इन्फो सिस्टम लिमिटेड कंपनी एटीएम में कैश लोड करती है। 24 जनवरी को सुभाषनगर की एटीएम में 10 लाख रुपये भरे गए। दोपहर तीन बजे मशीन में तकनीकी खराबी से 100 के बजाय 500 के नोट निकलने लगे। किसी ने 800 रुपये निकालने चाहे तो उसे 500-500 के आठ नोट मशीन से मिले। खाते से सिर्फ 800 रुपये ही कटे थे। खबर फैलते ही कई लोग एटीएम की ओर दौड़ पड़े। एक ग्राहक ने ईमानदारी दिखाई और उनकी सूचना पर कंपनी के प्रबंधक ने टीम भेजी और कैश निकासी पर रोक लगा दी। प्रति ग्राहक औसतन दो हजार रुपये अतिरिक्त पहुंचे थे।

****

दैनिक जागरण
सप्तरंग
सेहत भरे जीवन का
बुधवार, 31 जनवरी, 2024

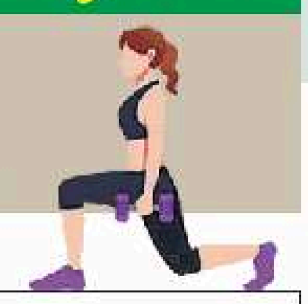

फिटनेस के अभ्यास से पहले जरूरी बातें

गरिमा बरनोलिया
फिटनेस ट्रेनर

फिट रहने की आदत वजन नियंत्रित करने के साथ नींद की गुणवत्ता बढ़ाने में भी सहायक है। साथ ही बीमारियों से बचाने में इसकी अहम भूमिका होती है। इसके लिए आपको इन आवश्यक बातों का ध्यान रखना चाहिए :

- फिटनेस का अभ्यास शुरू करने के लिए मन को पक्का करना चाहिए। संकल्प लें कि अपनी योजना को नियमित लागू करेंगे।
- इंटरनेट मीडिया पर फिटनेस मंत्र या किसी फिटनेस गुरु की बातों के प्रभाव में आकर शुरुआत ना करें।
- प्रत्येक व्यक्ति के शरीर की संरचना और आवश्यकताएं अलग हैं। इन्हें पहले जान लें तो फिटनेस ट्रेनिंग सही दिशा में होगी। आपको फिटनेस कोच या विशेषज्ञ की मदद लेनी चाहिए।
- पहले ही दिन से दौड़ना या भारी व्यायाम नहीं करें।
- जैसे-जैसे ऊर्जा के स्तर में सुधार होता है, धीरे-धीरे व्यायाम का समय बढ़ाएं।
- स्मार्ट डिवाइस व फिटनेस एप्स के उपयोग से फिटनेस प्लान तैयार करने में मदद मिल सकती है।

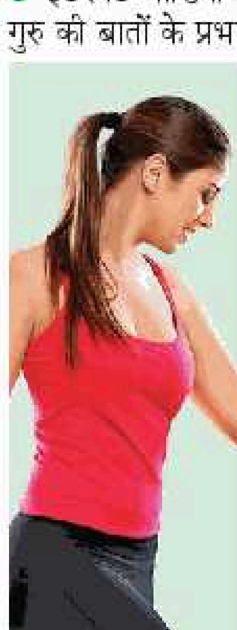

असंतुलित जीवनशैली ने आज अनेक शारीरिक समस्याओं का जोखिम बढ़ा दिया है। ऐसा ही एक जोखिम है-कैंसर, जो लंबे समय तक नजरअंदाज रहने के कारण अक्सर गंभीर रूप धारण कर लेता है। यदि कुछ सावधानियों को जीवन का हिस्सा बना लें तो हम ऐसी समस्याओं को आने से पहले ही रोक सकते हैं...

- जीवनशैली में शिथिलता है, शारीरिक गतिविधियां नहीं हैं, तो यह जोखिम को आमंत्रण है।

इसे कर सकते हैं नियंत्रित

- मोटापे से ब्रेस्ट, गाल ब्लैडर, किडनी, आंतों समेत कुल 11 तरह के कैंसर का जोखिम जुड़ा हुआ है।
- अल्कोहल का सेवन अधिक मात्रा में करना सही नहीं है। इसे सीमित करने का प्रयास करना चाहिए।
- अगर वजन और ऊंचाई अनुपात (बाडी-मास इंडेक्स) 23 से अधिक हो रहा है, तो वह मोटापा है।
- रेडमीट के सेवन और धूमपान को नियंत्रित करना चाहिए।

फोटो: फ्रीपिक

बेहतर जीवनशैली जोखिम से रखेगी दूर

कैंसर जागरूकता दिवस (4 फरवरी)
डा. अनीता खोखर
हेड, कम्युनिटी मेडिसिन, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली

कैंसर अब एक तरह से जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बनती जा रही है। कई बार तो लंबे समय तक इस बीमारी का पता ही नहीं चलता। इसका एक बड़ा कारण जागरूकता का अभाव भी है। हालांकि, कैंसर पूर्व के कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें आमतौर पर अनदेखा कर दिया जाता है। मुंह में सफेद या लाल धब्बे, शरीर में कहीं गांठ बन जाना और उसका बढ़ना, लंबे समय तक खांसी, कब्ज की लगातार समस्या, अधिक थकान और वजन में गिरावट जैसे लक्षणों को कतई अनदेखा नहीं करना चाहिए।

कई तरह के होते हैं कैंसर: कैंसर अनेक तरह के होते हैं और सबके लक्षण भी भिन्न होते हैं। आंख, त्वचा, गला, मुंह, आंत, किडनी, मूत्राशय, बच्चेदानी, ब्रेस्ट, फेफड़े आदि के कैंसर सामान्य रूप से चिह्नित होते हैं।

क्यों होता है कैंसर

जीवनशैली के अलावा पर्यावरणीय कारण भी होते हैं। पानी में आर्सेनिक की मात्रा बढ़ जाने, खाद्य पदार्थों में विषाक्तता बढ़ने (जैसे कि फंगस लगने से) से लिवर कैंसर का जोखिम रहता है। इसके लिए मोटापा व आनुवांशिक कारण भी जिम्मेदार होते हैं।

महिलाओं को अधिक सतर्क होने की जरूरत: भारत ही नहीं, दुनिया भर में तमाम महिलाएं ब्रेस्ट और सर्वाइकल यानी बच्चेदानी के कैंसर का सामना कर रही हैं। कैंसर के कुल मामलों में से 11.7 प्रतिशत अकेले ब्रेस्ट से संबंधित होते हैं। भारत में यह आंकड़ा 13.5 प्रतिशत है। दूसरे नंबर पर मुंह का कैंसर और तीसरे नंबर पर है बच्चेदानी का कैंसर। इसमें ब्रेस्ट और बच्चेदानी का कैंसर महिला के अंगों से जुड़े कैंसर हैं। ब्रेस्ट कैंसर की बात करें तो महिला-पुरुष का अनुपात 9:1 का है। मुंह का कैंसर दोनों को होता है। कैंसर का जोखिम महिलाओं को अधिक है इसलिए उन्हें अधिक सावधान रहना है। केंद्र सरकार द्वारा भारत में तीन तरह के कैंसर-ब्रेस्ट, सर्वाइकल और ओरल कैंसर को चिह्नित व इसकी स्क्रीनिंग पर अधिक जोर दिया जा रहा है।

रिस्क फैक्टर को कर सकते हैं कम: उम्र बढ़ने के साथ कई तरह की बीमारियों का जोखिम होना स्वाभाविक होता है। कुछ अध्ययनों में रेडिएशन यानी विकिरण को भी कैंसर का कारक माना जाता है। हालांकि, ठोस कारण के रूप में इसे स्थापित करने के लिए अभी व्यापक अध्ययन की आवश्यकता है। दूसरा, ओवरी, सर्विक्स, ब्रेस्ट के कैंसर के कारणों का शुरुआती स्तर पर पता नहीं चल पाता। इससे समस्या बढ़ जाती है। इस तरह के खतरों को कम करने के लिए हमारे पास विकल्प नहीं होते, लेकिन सतर्कता से जुड़ी कुछ बातें हैं, जिनका ध्यान रखकर हम बड़े संकट को टाल सकते हैं।

बातचीत : ब्रह्मानंद मिश्र

सर्वाइकल कैंसर से सतर्कता

पर्सनल हाइजीन यानी खुद के स्तर पर शरीर की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना है। असुरक्षित यौन संबंध, अस्वच्छता इस तरह के कैंसर का कारण है। संक्रमण होने पर सतर्क हो जाएं। अगर ब्लीडिंग माहवारी या यौन संबंध के बाद भी हो रही है तो यह शुरुआती लक्षण हो सकता है। इसी तरह मेनोपाज के बाद ब्लीडिंग गंभीरता का संकेत है। सरकार एचपीवी वैक्सीन देने की तैयारी में है। नौ से 13 वर्ष की बच्चियों को इसकी दो खुराक दी जाएगी। यह एचपीवी से सुरक्षा प्रदान करती है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाव

अगर ब्रेस्ट में कोई गांठ हो गई और वह बढ़ रही है, पर दर्द नहीं हो रहा है तो लोग उसे नजरअंदाज कर देते हैं। ध्यान रखें ऐसी कोई गांठ है, त्वचा का रंग बदल गया है या आकार बदल गया तो तुरंत डाक्टर से संपर्क करना चाहिए। सर्जन से जरूर परामर्श लें। हर महिला को इसे लेकर जागरूक रहने की जरूरत है।

वर्ग पहेली-2530

बाएं से दाएं
2. असीम, अनंत (3) I 4. जो दूसरे के अधीन हो, परतंत्र (4) I 6. माली की पत्नी (3) I 7. एक औषधीय वृक्ष (2) I 9. अंजन, आंखों में लगाते हैं इसे (3) I 11. करीब-करीब मरा जैसा (4) I 13. एक प्रकार का साग (3) I 14. सबल, सामर्थ्यवान (3) I 15. चंद्रमा (4) I 17. विष, हलाहल (3) I 19. घंटा बजने का शब्द (2) I 22. दानव, दैत्य (3) I 23. कामना करने योग्य (4) I 24. घोड़े की काठी का पायदान (3) I

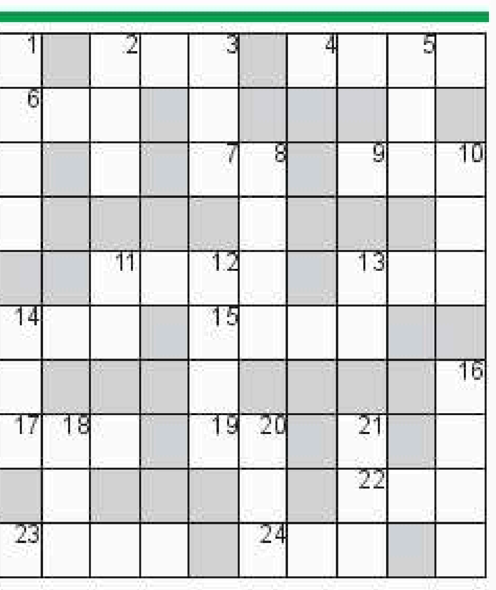

© Bird Features & Writing Agency

ऊपर से नीचे
1. जलसा (4) I 2. आग, पावक (3) I 3. रात, निशा, रात्रि (3) I 5. धैर्य (3) I 8. सम्राट, राजा साहब (4) I 10. लचकने का भाव (3) I 11. मतलब, अभिप्राय (2) I 12. श्मशान (4) I 13. एक प्रसिद्ध पंजाबी कवि (2) I 14. मनुष्यों का संगठित समूह (3) I 16. मौका, चांस (4) I 18. स्नानघर (3) I 20. दृष्टि, निगाह (3) I 21. मद्य (3) I

कल का हल

जागरण सुडोकू-2530

3		5		6		2		9
	9						4	
7		2	8		3		6	
8			9			1		5
	2	7			1		9	
1				2				8
2	3			7	9		5	4
		4		3		9		
9			4		5		3	2

कल का हल

2	6	4	5	9	7	8	3	1
1	8	3	4	2	6	5	9	7
9	5	7	1	8	3	6	4	2
8	7	9	6	3	2	1	5	4
4	3	1	9	5	8	2	7	6
6	2	5	7	1	4	9	8	3
7	9	8	2	4	1	3	6	5
5	4	2	3	6	9	7	1	8
3	1	6	8	7	5	4	2	9

आज का भविष्यफल- 31 जनवरी, 2024 बुधवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : माघ मास कृष्ण पक्ष पंचमी।
आज का राहुकाल : दोपहर 12 बजे से 01 बजकर के 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल : उत्तर

कल 01 फरवरी, 2024 का पंचाग
कल का दिशाशूल : दक्षिण
विशेष : मंगल उदय, बुध मकर राशि में।
कल की भद्रा : दोपहर 02 : 04 बजे से 02 फरवरी को प्रातः 03 : 04 बजे तक।
विक्रम संवत 2080, शके 1945, उत्तरायण, माघ मास कृष्ण पक्ष की षष्ठी तत्पश्चात स्वाति नक्षत्र, धृति योग तत्पश्चात शूल योग, कन्या में चंद्रमा तत्पश्चात तुला में।

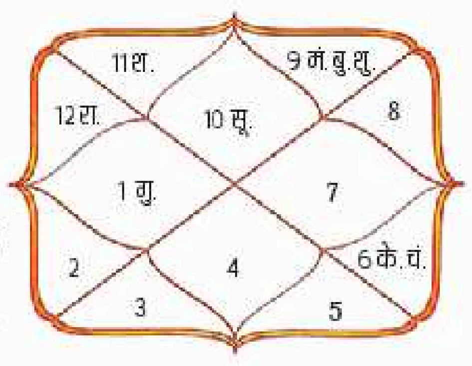

- मेष : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। अज्ञात भय से ग्रसित हो सकते है।
- वृष : धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। उच्च अधिकारी का सहयोग रहेगा।
- मिथुन : व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
- कर्क : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
- सिंह : शिक्षा में श्रम सार्थक होगा। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।
- कन्या : व्यर्थ की उलझनें रहेंगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।
- तुला : समस्या का समाधान होगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।
- वृश्चिक : व्यावसायिक मामलों में आपको सफलता मिलेगी।
- धनु : जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
- मकर : व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी।
- कुंभ : समस्या का समाधान होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
- मीन : संतान या शिक्षा के कारण चिंतित रहेंगे। उलझनें रहेंगी।

इन दिनों

डा. निमिष शाह
सीनियर पल्मोनोलाजिस्ट, जसलोक अस्पताल, मुंबई

बदलते मौसम में संक्रमण से रहें सतर्क

तापमान में हो रहे उतार-चढ़ाव और बढ़ते प्रदूषण के चलते इन दिनों खांसी-जुकाम, सांसों और फेफड़ों के संक्रमण से जुड़ी समस्याएं सामने आ रही हैं। इस मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए किन-किन आवश्यक बातों का ध्यान रखना चाहिए, आइए जानते हैं...

आजकल लोगों में निरंतर बनी रहने वाली खांसी व वायरल बुखार का प्रभाव देखा जा रहा है। जिन्हें सांस की बीमारी या अस्थमा पहले से है, वे तापमान में गिरावट आने पर अधिक कठिनाई महसूस करते हैं। हवा में प्रदूषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाने से बुजुर्गों व बच्चों में सांस से जुड़ी समस्याएं अपेक्षाकृत अधिक देखने में आ रही हैं। हालांकि, किसी भी उम्र के अस्थमा के मरीज हैं, तो अधिक सतर्कता की जरूरत है। समस्या बढ़ रही है तो तुरंत अच्छे चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। यदि हमेशा रहने वाला या सीजनल अस्थमा है तो कुछ सावधानियां बरतकर जैसे खानपान और जीवनशैली में सुधार कर इससे बचाव किया जा सकता है।

जोखिम कम करने के लिए क्या करें: यदि किसी मरीज के हृदय की पंपिंग कमजोर है तो उसे सांस की तकलीफ होती है। अस्थमा में भी सांस लेने में कठिनाई होती है। ऐसे में एक भी लक्षण होने पर अधिकतर लोग हृदय की परेशानी के बजाय उस लक्षण को अस्थमा मान लेते हैं। यह एक बड़ा जोखिम उत्पन्न कर सकता है। सांस की तकलीफ बढ़ने पर चिकित्सक से संपर्क कर जरूरी उपचार तुरंत शुरू कर दें। कोई भी चिकित्सक फोन या वीडियो काल पर सही से परीक्षण नहीं कर सकता। मरीज को निकट से देखने के बाद ही यह पता लगाया जा सकता है कि परेशानी अस्थमा के कारण है या हृदय से जुड़ा कोई खतरा बढ़ रहा है।

प्रदूषण को लेकर बढ़ाएं सतर्कता: अगर हम लगातार प्रदूषित हवा के संपर्क में रहते हैं तो उसका दुष्प्रभाव फेफड़े समेत अन्य अंगों पर भी पड़ता है। प्रदूषणयुक्त वातावरण में छोटे बच्चे रह रहे हैं तो आगे चलकर उन्हें फेफड़े या हृदय से जुड़ी समस्या होने की आशंका अधिक रहती है।

बातचीत : सीमा झा

इन बातों का रखें ध्यान

- फेफड़े की मजबूती के लिए योगाभ्यास करें। गहरी सांस लेना व अनुलोम-विलोम फेफड़े की सेहत के लिए कारगर है।
- टहलने, दौड़ने या तैराकी करने से फेफड़े को स्वस्थ रखने में अधिक मदद मिलती है।
- दिनचर्या को सक्रिए बनाएं। वजन नियंत्रित रखने के लिए खानपान संतुलित रखें। मोटापा बढ़ने से सांस की तकलीफ भी बढ़ती है।
- मौसमी अस्थमा है तो उस अवधि में नियमित दवा की खुराक बढ़ा दें। ऐसा चिकित्सकीय परामर्श से ही करें।
- तकलीफ से बचने और इसे बढ़ने से रोकने के लिए न्यूमोनिया और फ्लू की वैक्सीन एक बेहतर उपाय है।
- दिल की बीमारी के प्रति जितनी सजगता होती है, फेफड़े संबंधी परेशानी को भी उतना ही महत्व देने की आवश्यकता होती है।

सड़क बनाने वाली महिलाओं को सवेतन मातृत्व अवकाश

- नियोक्ताओं को देनी होगी पंजीकृत महिलाओं को 26 हफ्ते की छुट्टी
- दो बच्चों के बाद की प्रसूति में मिलेगा 12 हफ्ते का सवेतन अवकाश

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने नियोक्ताओं से कहा है कि सड़क निर्माण करने वाली पंजीकृत महिला कर्मियों को दो प्रसूतियों के लिए 26 हफ्तों का सवेतन मातृत्व अवकाश दिया जाए। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री स्मृति इरानी ने बताया कि दो बच्चों के बाद की प्रसूति के लिए नियोक्ता को 12 हफ्ते का सवेतन मातृत्व अवकाश देना होगा।

केंद्रीय मंत्री इरानी ने मंगलवार को यह घोषणा तब की जब कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी पर दिशा-निर्देश जारी किए गए। श्रम मंत्रालय और महिला व बाल विकास मंत्रालय की संयुक्त एडवाइजरी में कहा कि देश भर में महिला कर्मियों को 26 हफ्ते का सवेतन मातृत्व अवकाश मिलने का प्रविधान किसी क्रांति से कम नहीं है। इरानी ने कहा कि इन दिशा-निर्देशों को केवल कागज पर जारी नहीं किया गया, बल्कि अफसरों को महिलाओं को यह सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना होगा। अगर किसी गर्भवती कर्मचारी का गर्भपात होने की स्थिति में उसे इस हादसे के दिन से ही मातृत्व अवकाश की सुविधाओं के साथ छह हफ्ते का अवकाश मिलेगा। इरानी ने कहा कि एडवाइजरी के अनुसार महिला कर्मचारियों को आनलाइन भुगतान सुनिश्चित करना होगा ताकि उनका सुपरवाइजर उनके वेतन में कटौती न कर सके। महिलाओं को कार्यबल में बढ़ावा देने के लिए रात्रि पाली और आवागमन के लिए जरूरी सुविधाएं देनी होंगी।

स्मृति इरानी। फाइल फोटो

क्रेचेज के लिए राष्ट्रीय न्यूनतम मानक: महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की गाइडलाइंस के अनुसार छह महीने और उससे बड़े बच्चों के लिए क्रैच के लिए राष्ट्रीय स्तर के न्यूनतम मानक और प्रोटोकाल जारी किए गए हैं। इसके तहत कार्यालयों, आवासीय क्षेत्रों, स्कूलों, अस्पतालों आदि स्थानों पर घंटे, हफ्ते या महीने के शुल्क पर यह सुविधा दी जाए। ग्राउंड फ्लोर को क्रैच के लिए वरीयता दी जाए। बच्चों की सुरक्षा, स्वच्छता और सेहत का ध्यान रखने के साथ ही उन्हें उनकी आयु वर्ग के खिलौने दिए जाएं। क्रैच सुपरवाइजर और उसके हेल्परों के लिए न्यूनतम शिक्षा जरूरी है।

कामकाजी महिला हास्टल की सुविधा

स्मृति इरानी ने कामकाजी महिलाओं को सरकारी परिसरों में ही हास्टल की सुविधा प्रदान करने को कहा गया है। सरकार की इस पहल पर सात केंद्रीय विश्वविद्यालयों ने इस संबंध में अपने प्रस्ताव रखे हैं। विवि के परिसरों में ही केवल कामकाजी महिलाओं के लिए हास्टल की सुविधा देने को लेकर महिला व बाल विकास मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय ने संयुक्त प्रस्ताव तैयार किया है। उन्हें उम्मीद है कि अगले दो हफ्तों में इन प्रस्तावों की संख्या दोगुनी हो जाएगी। पीएचडी की छात्राओं की तादाद भी अब 99 प्रतिशत तक हो गई है।

लोकोपायलट भर्ती की ऊपरी उम्र सीमा में तीन वर्ष की छूट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : रेलवे ने हाल ही में लोकोपायलट पद पर भर्ती के लिए लगभग 57 सौ पदों की रिक्तियां निकाली हैं। अब आवेदकों की ऊपरी उम्र सीमा में तीन वर्ष की छूट देने की घोषणा की गई है। रेलवे का मानना है कि कोविड के दौरान कई युवा रेलवे में नौकरियों के लिए आवेदन नहीं कर पाए थे। उन्हें राहत देने के लिए अधिकतम उम्र सीमा में छूट दी जा रही है, जो सभी श्रेणी के आवेदकों के लिए होगी। रेलवे ने इसके साथ ही अगले चरण की भर्ती की घोषणा भी की है। इसके लिए अगले वर्ष जनवरी में आवेदन लिया जाएगा। हालांकि, टेक्निशियन की रिक्तियां जल्द ही निकाली जाएंगी।

रेलवे का कहना है कि लोकोपायलट के पदों पर भर्ती के लिए निकाली गई रिक्तियों को लेकर आवेदकों में कई तरह की भ्रांतियां देखी जा रही थीं, जिन्हें दूर करने के लिए अधिकतम उम्र सीमा में राहत देने का निर्णय लिया गया।

यूजीसी ने वेबसाइट से हटाया आरक्षण से संबंधित गाइडलाइंस का मसौदा

नई दिल्ली, प्रेट्र : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने मंगलवार को अपनी वेबसाइट से उस गाइडलाइंस का मसौदा हटा लिया, जिसमें एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के पर्याप्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं होने पर आरक्षित पदों के अनारक्षण का सुझाव दिया गया था। इस मुद्दे पर हाल में विवाद हो गया था।

आयोग के अध्यक्ष एम.जगदीश कुमार ने हालांकि कहा कि गाइडलाइंस को वेबसाइट से हटा लिया गया है क्योंकि हितधारकों के लिए प्रतिक्रिया देने की समय अवधि समाप्त हो गई है। उल्लेखनीय है कि यूजीसी के गाइडलाइंस के इस मसौदे पर रविवार को विवाद खड़ा हो गया था।

कांग्रेस ने इसे आरक्षण खत्म करने की साजिश करार दिया था, लेकिन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तत्काल ही स्पष्ट किया था कि एक भी पद अनारक्षित नहीं किया जाएगा और केंद्रीय शैक्षिक संस्थान (शिक्षक संवर्ग में आरक्षण) अधिनियम, 2019 के लागू होने के बाद आरक्षण के बारे में अस्पष्टता की कोई गुंजाइश नहीं है।

छग में चंगाई सभा में सनातन धर्म पर विवादास्पद बयान, पांच गिरफ्तार

- छत्तीसगढ़ के बलरामपुर और जशपुर में चल रहा था मतांतरण का खेल

नईदुनिया, बलरामपुर

छत्तीसगढ़ में सरगुजा संभाग के बलरामपुर में आयोजित चंगाई सभा (मतांतरितों द्वारा बीमारी ठीक करने का दावा करने वाली प्रार्थना सभा) में विवाद हो गया। दरअसल, सभा में बीमारी को ठीक करने का झांसा देने के साथ सनातन धर्म पर विवादास्पद बातें कही गईं। इस बीच ग्रामीणों को मतांतरण के लिए दुष्प्रेरित कर रहे पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। विश्व हिंदू महासंघ की शिकायत पर पुलिस ने ये कार्रवाई की है।

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। दूसरी ओर, जशपुर जिले के कांसाबेल थाना क्षेत्र के करमटोली बस्ती में चंगाई सभा के आयोजन की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया। ग्रामीणों के आते ही ओडिशा से आया पादरी भाग खड़ा हुआ। पुलिस ने एक को गिरफ्तार कर लिया है। पादरी और उसके साथियों की खोजबीन की जा रही है।

> मतांतरण की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। फरार आरोपितों की तलाश की जा रही है।
> - टेकराम सारथी, चौकी प्रभारी, दोकड़ा, जशपुर

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि मतांतरण के लिए दिया गया प्रलोभन : बलरामपुर के आयोजन में उपस्थित रहे शिकायतकर्ता राघव सोनी ने दावा किया है कि सभा में उसे मतांतरण करने पर 15 हजार रुपये, पूरे परिवार सहित आने पर 50 हजार रुपये और पड़ोसियों का मत परिवर्तन कराने पर प्रति व्यक्ति के हिसाब से पांच-पांच हजार रुपये कमीशन देने का प्रलोभन दिया गया। इसके साथ ही घर के बच्चों को विभिन्न मिशन संस्थाओं में मुफ्त शिक्षा, मुफ्त इलाज, खाने-पीने के लिए समय-समय पर खाद्य सामाग्री व धर्म से जुड़ी किताबें व अन्य सुविधाएं देने की बात कही गई।

पार्षद ने एक्स पर किया पोस्ट

प्रथम पृष्ठ से आगे

पार्षद कोंचूक स्टैनजिन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में चरवाहों व खानाबदोशों को पैंगोंग झील के उत्तरी तट के साथ पारंपरिक मैदानों में चीनी सैनिकों द्वारा रोका गया। स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया है। वीडियो में चरवाहों को चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों का सामना करते हुए देखा जा सकता है। चीनी सैनिक उन्हें वापस जाने के लिए कह रहे हैं। वीडियो में लद्दाखी चरवाहों को भी स्थानीय भाषा में विरोध करते व चीनी सैनिकों पर पत्थर फेंकते देखा जा सकता है। इसके बाद चीनी सैनिक लौट गए। जहां यह घटना हुई वह न्योमा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत काकजंग में पड़ता है। स्टैनजिन ने कहा, भारतीय सेना के सकारात्मक बदलाव का असर देखना सुखद है। मैं ऐसे मजबूत नागरिक व सैन्य संबंधों और सीमा क्षेत्र की आबादी के हितों के प्रयास के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद देना चाहता हूं।

अफसरों ने किया चरागाह का दौरा : इस झड़प के बाद क्षेत्र के सरपंच, उप-विभागीय मजिस्ट्रेट, भारतीय सेना और भारत तिब्बत सीमा पुलिस के अधिकारियों ने 12 जनवरी को चरागाह स्थल का दौरा भी किया था।

फ्रांस में पढ़ाई से पहले भारतीय छात्रों को सीखनी होगी फ्रेंच भाषा

- राष्ट्रपति मैक्रों ने फ्रेंच भाषा कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की

नई दिल्ली, प्रेट्र : फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सितंबर से भारतीय छात्रों के लिए फ्रेंच भाषा सीखने के लिए एक वर्षीय विशेष कार्यक्रम 'क्लासेस इंटरनेशनल' शुरू करने की घोषणा की है। फ्रेंच भाषा सीखने के बाद अपनी पसंदीदा डिग्री हासिल करने के लिए फ्रांस जाने वाले भारतीय छात्रों को काफी आसानी होगी।

फ्रांस दूतावास ने मंगलवार को बताया कि इस योजना के तहत छात्रों को फ्रांस में अपने चुने पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने से एक शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्रतिष्ठित फ्रांसीसी विश्वविद्यालयों में फ्रेंच भाषा सिखाई जाएगी। 'क्लासेस इंटरनेशनल' कार्यक्रम को भारत के सबसे प्रतिभाशाली हाई स्कूल स्नातकों को फ्रांस की समृद्ध, विविध और विश्व-प्रसिद्ध शैक्षिक पेशकशों तक पहुंचने में मदद करने के लिए बनाया गया है। 'क्लासेस इंटरनेशनल' कार्यक्रम सभी भारतीय छात्रों के लिए खुला रहेगा। हालांकि उनका फ्रेंच भाषा का मौजूदा स्तर कुछ भी हो। दूतावास ने कहा कि राष्ट्रपति मैक्रों ने फ्रांस में भारतीय छात्रों के लिए और अधिक अवसर खोलने की प्रतिबद्धता दिखाई है। मैक्रों ने अपने बयान में कहा था कि कि हम 2030 तक फ्रांस में 30,000 भारतीय छात्रों का स्वागत करना चाहते हैं और लक्ष्य पूरा होने पर मैं सबसे खुश राष्ट्रपति होगा। इसके साथ ही उत्कृष्ट छात्रों को फ्रांस में उच्च शिक्षा दिलाने के लिए भारत में फ्रांस दूतावास द्वारा छात्रवृत्ति से सम्मानित किया जाएगा।

इमैनुएल मैक्रों। फाइल फोटो

अगस्त तक बंगाल और ओडिशा को मिल जाएंगे दो नए रडार स्टेशन

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल और ओडिशा को इस साल अगस्त तक दो-दो नए रडार स्टेशन मिल जाएंगे। उत्तर पूर्व क्षेत्र के तटरक्षक कमांडर, महानिरीक्षक आइएस चौहान ने मंगलवार को बताया कि नए रडार स्टेशनों के चालू होने के साथ बंगाल-ओडिशा तटों पर इनकी कुल संख्या बढ़कर आठ हो जाएगी। उन्होंने हल्दिया में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि बंगाल में नए रडार स्टेशन दक्षिण 24 परगना जिले के फ्रेजरगंज और पूर्व मेदिनीपुर जिले के जुनपुट में स्थापित किए जाएंगे। तटरक्षक बल के पास पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्दिया और दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप पर पहले से ही रडार स्टेशन हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा में नए रडार स्टेशन चंद्रभागा और अराखुदा में स्थापित किए जाएंगे, जबकि पारादीप और गोपालपुर में मौजूदा स्टेशन हैं। उन्होंने कहा, इसके बाद बंगाल-ओडिशा तटों पर तटरक्षक बल के रडार स्टेशनों की संख्या दोगुनी होकर चार से आठ हो जाएगी। उन्होंने कहा कि देश भर में कुल 36 नए रडार स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं।

सेना ने बंगाल में किया 'डेविल स्ट्राइक', वायुसेना के साथ दिखाया दमखम

- चीन से लगी सीमा से कुछ दूर राफेल, सी-130 हरक्यूलिस, एएन-32 और हेलीकाप्टरों के साथ अभ्यास
- 22 से 27 जनवरी के बीच अभ्यास में शामिल हुए पूर्वी कमान के 1000 से अधिक पैराट्रूपर्स

जागरण संवाददाता, सिलीगुड़ी

भारतीय सेना ने वायु सेना के साथ मिलकर 22 से 27 जनवरी के बीच बंगाल में प्रशिक्षण अभ्यास 'एक्सरसाइज डेविल स्ट्राइक' चलाया। भारतीय वायुसेना के गरुड़ के साथ पूर्वी कमान के 1000 से अधिक पैराट्रूपर्स ने राफेल, सी-130 हरक्यूलिस, एएन-32 और दोनों शाखाओं के स्वदेशी एएलएच हेलीकाप्टरों सहित विभिन्न विमानों की उड़ान के साथ अभ्यास में भाग लिया। अभ्यास में इस बात पर जोर था कि चुनौतीपूर्ण इलेक्ट्रानिक युद्ध स्थितियों के बीच युद्ध के मैदान पर कैसे सेना और भारतीय वायु सेना के बीच बेहतर समन्वय बनेगा। कुछ साल पहले ही चीन के साथ डोकलाम विवाद हुआ था। चीन सीमा यहां से ज्यादा दूर नहीं है। ऐसे में बंगाल के उत्तरी क्षेत्र में सेना का यह अभ्यास सामरिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सेना के त्रिशक्ति कोर के एक अधिकारी ने बताया 'एक्सरसाइज डेविल स्ट्राइक' हमने एयरफोर्स के साथ मिलकर युद्ध की परिस्थिति में अपने क्षेत्र एवं दुश्मन के इलाके में जमीन से आसमान तक युद्ध कौशल के शानदार प्रदर्शन का अभ्यास किया। कम्बैट फ्री फाल के तहत बताया गया कि किस प्रकार से अपने एयर बेस को सुरक्षित रखकर हमला हो सकता है। सेना के अधिकारी ने कहा कि हमने अपनी ताकत का परीक्षण किया और कह सकते हैं कि हम इसमें बेहतर नतीजे लाए। नवीनतम गाइडेड प्रिसिजन एरियल डिलीवरी सिस्टम का उपयोग करके भारी हथियार और उपकरण एयरलिफ्ट किए गए। सैनिकों ने सीधे कार्रवाई के माध्यम से लक्ष्यों को खत्म करने या बेअसर करने के लिए लड़ाकू विमानों और हमलावर हेलीकाप्टरों की सहायता का अभ्यास किया।

हरियाणा में शव के साथ प्रदर्शन किया तो पांच साल तक जेल

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : राजस्थान की तरह अब हरियाणा में भी शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन को अब अपराध माना जाएगा। शव की बेकद्री करने वालों को न सिर्फ छह माह से पांच साल तक कैद की सजा काटनी पड़ेगी, बल्कि एक लाख रुपये तक जुर्माना भी किया जाएगा। मृत शरीर के अधिकार और गरिमा को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में ''द हरियाणा आनरेबल डिस्पोजल आफ डेड बाडी बिल-2024'' के प्रारूप को मंजूरी दे दी गई। अब इसे हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में पारित कराया जाएगा।

नए कानून के अनुसार, अगर किन्हीं कारणों से परिवार के सदस्य अगर मृत शरीर को अस्वीकार कर देते हैं या अंतिम संस्कार से इनकार कर देते हैं तो प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी समय पर अंतिम संस्कार सुनिश्चित करेंगे। भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के अनुसार, गरिमा और उचित उपचार का अधिकार, जीवित रहने से परे मृत्यु के बाद शरीर को शामिल करने तक विस्तारित है।

****

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 31 जनवरी, 2024
आजकल
14
www.jagran.com

ब्रिटेन आधिकारिक तौर पर यूरोपीय संघ से अलग हो गया

2020 में आज ही ब्रिटेन ने यूरोपीय संघ (ईयू) छोड़ने की घोषणा की थी। इसे ब्रेग्जिट के रूप में जाना जाता है। 2016 में ब्रिटेन में जनमत संग्रह में 52 प्रतिशत मतदाताओं द्वारा ब्रेग्जिट के समर्थन के बाद अलग होने की प्रक्रिया शुरू हुई। ब्रिटेन ईयू छोड़ने वाला एकमात्र संप्रभु देश है।

अंतरिक्ष की यात्रा करने वाला पहला जानवर बना हैम

1961 में आज ही के दिन हैम नामक चिंपैंजी अमेरिकी एमआर-2 यान से अंतरिक्ष में जाने वाला पहला जानवर बन गया। यह यात्रा मर्करी मिशन का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य पहली बार मनुष्य को पृथ्वी की कक्षा तक पहुंचाना था। इससे अंतरिक्ष में मानव के पहुंचने की राह खुली।

देश के पहले परमवीर चक्र विजेता हैं मेजर सोमनाथ शर्मा

मेजर सोमनाथ शर्मा का जन्म 1923 में आज ही पंजाब के कांगड़ा (अब हिमाचल में) में हुआ था। 1942 में हैदराबाद रेजिमेंट की आठवीं बटालियन (बाद में कुमाऊं रेजिमेंट की चौथी बटालियन) में शामिल हुए। आजादी के बाद उन्हें श्रीनगर एयरबेस की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया। तीन नवंबर, 1947 को पाक ने कबायली घुसपैठियों के साथ श्रीनगर पर हमला बोल दिया। बड़गाम में कमान संभाल रहे मेजर हमलावरों को खदेड़ते समय बलिदान हो गए। 1950 में मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित हुए।

दुनिया में पहली बार इंसान के दिमाग में लगाई गई चिप

सफल रहा चिप का प्रत्यारोपण, मरीज की सेहत में हो रहा सुधार : एलन मस्क

न्यूयार्क टाइम्स से

न्यूरान संबंधित बीमारी से पीड़ित लोगों के जीवन को आसान बनाना है मकसद

न्यूयार्क : अब केवल सोचने मात्र से कम्प्यूटर चलाना संभव होगा। रविवार को दुनिया में पहली बार इंसान के दिमाग में चिप लगाई गई है। न्यूरालिंक कंपनी के संस्थापक और अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने दावा किया है कि प्रयोग सफल रहा और चिप सही तरीके से काम कर रही है। मरीज के दिमाग में लगे चिप को दिमाग की कोशिका से सीधे संकेत प्राप्त कर ब्लूटूथ के माध्यम से उपकरणों तक जानकारी रिले करने के लिए डिजाइन किया गया है। मस्क ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जिस मरीज के दिमाग में चिप लगाया गया है उसकी सेहत में सुधार हो रहा है। मस्क और न्यूरालिंक ने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी कि किस व्यक्ति के दिमाग में चिप लगाई गई है। किस जगह पर रोबोटिक सर्जरी की गई यह जानकारी भी नहीं दी गई है। न्यूरालिंक ब्रेन चिप इंटरफेस बनाने का काम करती है। इस प्रयोग का मकसद पक्षाघात और तंत्रिका तंत्र या नर्वस सिस्टम (न्यूरान) संबंधित बीमारी से पीड़ित लोगों के जीवन को आसान बनाना है। न्यूरालिंक को पिछले साल अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने मनुष्यों पर चिप के प्रत्यारोपण का पहला परीक्षण करने की मंजूरी दी गई थी। न्यूरालिंक के इस चिप का नाम टेलीपैथी है।

इस तरह से दिमाग में चिप को प्रत्यारोपित किया गया। फाइल

केवल सोचने भर से कंप्यूटर-मोबाइल करेंगे काम

मस्क ने एक्स पर पोस्ट किया कि टेलीपैथी की मदद से केवल सोचने से फोन या कंप्यूटर चलाया जा सकेगा। शुरुआत में यह सुविधा उन्हें मिलेगी जो दिव्यांग हैं। पहली बार इंसान के दिमाग में न्यूरालिंक का चिप प्रत्यारोपित किया गया है। प्रारंभिक परिणाम से न्यूरान स्पाइक का पता लगा है। स्पाइक्स न्यूरान की गतिविधि होती है। न्यूरान उन कोशिकाओं को कहा जाता है जो मस्तिष्क और शरीर में जानकारी भेजने के लिए इलेक्ट्रिकल और केमिकल संकेतों का उपयोग करती हैं।

सिक्के के आकार का है न्यूरालिंक का उपकरण

न्यूरालिंक का उपकरण बड़े सिक्के के आकार का है। इसे खोपड़ी में प्रत्यारोपित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें अत्यधिक पतली तार सीधे मस्तिष्क में जाती हैं। न्यूरालिंक ने सितंबर में कहा था कि तारों को सर्जरी द्वारा मस्तिष्क के उस हिस्से में लगाया जाएगा जो गतिविधियों को नियंत्रित करता है। इसका मकसद यह है कि लोग केवल सोचकर कंप्यूटर चला सकें। यह स्पष्ट नहीं है कि उपकरण कितने सुरक्षित और प्रभावी हैं।

मस्क से वर्ष 2016 में बनाई थी न्यूरालिंक कंपनी

मस्क से वर्ष 2016 में न्यूरालिंक कंपनी बनाई थी। न्यूरालिंक ब्रेन चिप इंटरफेस बनाने का काम करती है। इन चिप की मदद से दिव्यांग लोग फिर से कुछ हद तक बेहतर जीवन जी सकेंगे। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार वे लोग क्लिनिकल परीक्षण के लिए आवेदन कर सकते हैं जो रीढ़ की हड्डी में चोट या न्यूरान से संबंधित बीमारी एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस के कारण दिव्यांग हो गए हैं। नवंबर 2022 में मस्क ने भविष्यवाणी की थी कि कंपनी छह महीने के भीतर मनुष्यों में परीक्षण शुरू कर देगी। उस समय, न्यूरालिंक ने वीडियो में कथित तौर पर दो बंदरों को कंप्यूटर कर्सर घुमाते हुए दिखाया गया था।

निकटवर्ती आकाशगंगाएं

ये हैं 19 निकटवर्ती सर्पिल आकाशगंगाओं के अद्भुत चित्र। इन मंत्रमुग्ध कर देने वाले चित्रों को नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने लिया है। ये तारों के निर्माण के साथ-साथ आकाशगंगा संरचना एवं विकास पर नए सुराग देती हैं, इनकी सुंदरता एवं जटिलता को भी प्रकट करती हैं। 19 आकाशगंगाओं में से सबसे निकटतम को एनजीसी5068 कहा जाता है, जो पृथ्वी से लगभग 15 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर है। रायटर

इधर-उधर की

28 वर्ष बाद मिला नदी में खोया हुआ बटुआ

वाशिंगटन, एजेंसी: बटुआ अगर खो जाए तो उसके वापस मिलने की उम्मीद न के बराबर होती है, लेकिन अमेरिका में एक महिला को गुम हुआ बटुआ लगभग 28 साल बाद वापस मिल गया। एरिजोना के साल्ट नदी में गोताखोरी कर रहे जेरेमी बिंघम को पानी की सतह से लगभग 15 फीट नीचे फटा हुआ बटुआ मिला। बटुए में कई क्रेडिट कार्ड और जूलिया हसिया नाम की महिला का ड्राइविंग लाइसेंस था। बिंघम ने कहा कि इंटरनेट मीडिया के माध्यम से उन्होंने हसिया से संपर्क किया। हसिया ने कहा कि 1995 में वह चचेरे भाई के साथ ट्रक से नदी पार कर रही थीं। पार करते वक्त ट्रक में पानी भरने से बटुआ खो गया।

ड्राइविंग लाइसेंस की मदद से मालकिन की हुई पहचान ● इंटरनेट मीडिया

लिवर रोगों के इलाज में गुणकारी गिलोय की उपयोगिता पर ब्रिटिश फार्मा ने लगाई मुहर

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

- यह लिवर को स्वस्थ रखने के साथ शरीर की कोशिकाओं का क्षरण रोकने और लीवर को सुरक्षा प्रदान करने में सहायक
- आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया शोधपत्र

गिलोय सेहत के लिए फायदेमंद।

गिलोय के हेपटोप्रोटेक्टिव (लिवर को स्वस्थ रखने की क्षमता) और अन्य लाभकारी प्रभाव को अब यूके ने भी स्वीकारा है। इसे आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने रायल फार्मास्यूटिकल सोसाइटी आफ ग्रेट ब्रिटेन के प्रसिद्ध रिसर्च जर्नल 'जर्नल आफ फार्मेसी एंड फार्माकोलाजी में प्रकाशित किया है।

जर्नल आफ फार्मेसी एंड फार्माकोलाजी के अनुसार, गिलोय पर अनुसंधान में पाया कि यह लिवर को स्वस्थ रखने के साथ शरीर की कोशिकाओं का क्षरण रोकने और लिवर को सुरक्षा प्रदान करने में सहायक है। साथ ही शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है। जर्नल में उल्लेख है कि गिलोय का प्रयोग लीवर को सुरक्षा प्रदान करने वाले पूरक खाद्य के रूप में किया जा सकता है। पतंजलि आयुर्वेद के चेयरमैन आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि गिलोय को परंपरागत रूप से रक्त शोधन और रोग प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि के लिए प्रयोग में लाया जाता रहा है। यह एक हेपटोप्रोटेक्टिव एजेंट है। इसके हेपटोप्रोटेक्टिव प्रभावों का श्रेय एल्कलाइड्स (बर्बेरिन, पामेटाइन व जेट्रोरिजिन) और सिनापिक एसिड को दिया जा सकता है। गिलोय कैंसर रोधी, सूजन रोधी, रोगाणु रोधी, एंटीआक्सीडेंट और अन्य गतिविधियां भी प्रदर्शित करता है। इस शोध के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए आचार्य ने कहा कि कोरोना काल में गिलोय को लेकर भ्रांति पैदा की गई कि इसके अधिक सेवन से लिवर पर दुष्प्रभाव पड़ता है, लेकिन पतंजलि अनुसंधान संस्थान के विज्ञानियों ने गिलोय पर अनुसंधान कर उसे एविडेंस के साथ प्रस्तुत किया। यह भी प्रासंगिक है कि कोरोना के खिलाफ प्रमुख औषधि कोरोनिल का एक प्रमुख घटक गिलोय ही है।

एप्पल आइफोन पर 118 नए ईमोजी

इमोजी। फाइल

नई दिल्ली: इस साल के अंत में आपके आइफोन पर 118 नए इमोजी आने वाले हैं। उनमें से एक नींबू, एक फीनिक्स, एक भूरा मशरूम, एक टूटी हुई धातु श्रृंखला, दो हिलते हुए सिर और चार अलग-अलग त्वचा के रंगों को दर्शाने वाले इंसानों के स्केच शामिल हैं। इनमें से कुछ हाथों में छड़ी लिए हुए हैं तो कुछ लोग व्हीलचेयर पर हैं। इमोजीपीडिया - जो यूनिकोड कंसोर्टियम का हिस्सा है, सभी स्वीकृत इमोजी का केंद्रीय बैठक - ने नए इमोजी रिलीज को मंजूरी दे दी - जिसे 15.1 कहा जाता है। इमोजीपीडिया के प्रधान संपादक कीथ ब्रानी ने कहा, 'संभावना है कि मार्च या अप्रैल 2024 में यह लांच होगी।

संतुलित वजन से गर्भावस्था की जटिलताओं से पार पाना आसान

अनुसंधान

एक नए शोध में पाया गया है कि संतुलित वजन के जरिये गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं के खतरे को कम किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इससे हाइपरटेंशन, सी-सेक्शन डिलीवरी या सामान्य से अधिक वजन के बच्चे को जन्म देने जैसी समस्याओं पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

शोधकर्ताओं का निष्कर्ष बायोमेड सेंट्रल (बीएमसी) मेडिसिन जर्नल में हाल ही में प्रकाशित हुआ है। इससे पहले के अध्ययनों ने गर्भावस्था की जटिलताओं के साथ मां के वजन को सहसंबद्ध किया है, शोधकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने मां के वजन में वृद्धि और गर्भवती होने के दौरान विकसित होने वाली जटिलताओं के बीच स्पष्ट कारण संबंधों की पहचान करने के लिए शिक्षा और जीवनशैली जैसे जटिल मुद्दों पर ध्यान दिया। अध्ययन के लेखक जेनी फेलिक्स ने कहा कि इसे बेहतर ढंग से समझना महत्वपूर्ण था, क्योंकि अधिक वजन होना अक्सर बच्चा पैदा करने वाली उम्र की महिलाओं के लिए समस्याएं पैदा करने वाला होता है। नए शोध का गर्भावस्था सबंधी जटिलताओं को लेकर भविष्य की नीतियां बनाने में अहम योगदान हो सकता है।

शोधकर्ताओं ने कहा कि बहुत से अध्ययनों में गर्भावस्था में मां के वजन को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जोड़ा है। लेकिन इसने इसके कारण और प्रभाव का निर्धारण कठिन बना दिया, इससे मां, चिकित्सालयों व स्वास्थ्यकर्ताओं के बीच एक अस्पष्ट दृश्य पैदा हुआ। लेकिन नए अध्ययन ने स्पष्ट साक्ष्य दिए हैं। इसके लिए शोधकर्ताओं ने चार लाख से अधिक माताओं के बाडी मास इंडिक्स का विश्लेषण किया। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

विद्युत की क्रैक में दिखेगा रोम रोम... गाने का नया अंदाज

फिल्म क्रैक में अलग होगा विद्युत का एक्शन। टीम विद्युत

लोकप्रिय गानों को रीक्रिएट कर अपनी फिल्मों में शामिल करने का चलन इन दिनों हिंदी सिनेमा में खूब जोरों पर है। विद्युत जामवाल अभिनीत फिल्म क्रैक : जीतेगा तो जीएगा में भी यह चलन आगे बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। दरअसल, 23 फरवरी को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही इस फिल्म में गुज्जर गाने रोम रोम.. को रीक्रिएट करके शामिल किया गया है। इस गाने को रैपर एमसी स्क्वेयर के रैप के साथ फिल्म में नए अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। एमसी इससे पहले रैप रियलिटी शो हसल 2.0 में इस गाने पर लाजवाब प्रस्तुति दे चुके हैं। जो कि इंटरनेट मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। अब देखना दिलचस्प होगा कि वह फिल्म के लिए इस गाने में क्या नयापन लाते हैं। अपने एक्शन और स्टंट के लिए प्रख्यात विद्युत के लिए भी इस हरियाणवी गुज्जर गाने पर डांस करना आसान नहीं रहा। उन्हें इस गाने में गणेश आचार्य ने कोरियोग्राफ किया है। दर्शकों को आकर्षित करने के लिए तो फिल्मकार पूरी कोशिश कर रहे हैं, आगे यह देखना दिलचस्प होगा कि इस गाने के सहारे वह दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में कितना सफल होते हैं। इस फिल्म से विद्युत की स्टारडम भी दांव पर है, क्योंकि कोरोना काल के बाद सिनेमाघरों में प्रदर्शित उनकी कोई भी फिल्म सफल नहीं हो पाई है।

साथ काम कर सकते हैं यश और शाह रुख

लोगों के बीच याद रहने के लिए जरूरी है कि लगातार काम किया जाए। अभिनेता शाह रुख खान को भी लगता है कि इस बात का अहसास हो गया है। एक ओर जहां खबरें हैं कि शाह रुख अपनी बेटी सुहाना खान के साथ एक्शन फिल्म किंग में काम कर रहे हैं, तो वहीं अब सुनने में आया है कि केजीएफ फिल्म में राकी भाई की भूमिका निभाने वाले अभिनेता यश भी उनके साथ काम करने के लिए तैयार हैं। यश पहले ही शाह रुख की प्रोडक्शन कंपनी में बनने वाली एक एक्शन फिल्म का आइडिया पसंद कर चुके हैं। इसके अलावा अब वह शाह रुख के साथ बड़ा पर्दा भी साझा करने के लिए तैयार हैं। उनसे जुड़े करीबी सूत्रों के अनुसार यश और शाह रुख साथ काम कर सकते हैं। दोनों एक ऐसे प्रोजेक्ट की तलाश में हैं, जो उनके स्तर का हो। दोनों ही जल्दबाजी में कोई भी कहानी चुनकर अपने प्रशंसकों को नाराज नहीं करना चाहते हैं। फिलहाल यश नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में काम कर रहे हैं। इसके बाद उनकी कन्नड़ फिल्म टाक्सिक आएगी, जिसकी घोषणा वह पहले की कर चुके हैं। वहीं जीरो फिल्म के चार साल बाद जब शाह रुख अपने दर्शकों के सामने आए, तो उन्हें उतना प्यार भी मिला। सोमवार को अपने प्रशंसकों के सामने शाह रुख ने इस बात को मानते हुए कहा भी कि वह इतना लंबा ब्रेक अब नहीं लेंगे। बकौल शाहरुख, 'मैं 33 साल से इंडस्ट्री में काम कर रहा हूं। पहली बार इतना बड़ा अंतराल लिया है। कई बार आप थोड़ा घबरा जाते हैं। खैर, मेरे प्रशंसकों ने मुझे कई बार कहा है कि चार साल के लिए मत जाया करो। दर्शकों ने मेरी फिल्मों को लेकर मुझे अहसास कराया है कि मुझे फिल्में करते रहना चाहिए।'

<< फिल्मों के बीच गैप कम लेंगे शाह रुख ● मिडडे

मैं हमेशा साथ मिलकर काम करने वालों में से रहा हूं : ताहिर शब्बीर

जो लोग साथ में मिलकर काम करने में विश्वास करते हैं, कई बार परिस्थितियों वश उन्हें अपनों या अपनी टीम से अलग निर्णय लेना पड़ता है। अभिनेता और निर्माता ताहिर शब्बीर के साथ ऐसा तब हुआ था, उन्होंने सिनेमा को अपने पेशेवर जीवन के तौर पर चुनने का निर्णय लिया। फिल्म मणिकर्णिका : द क्वीन आफ झांसी तथा वेब सीरीज काला के अभिनेता ताहिर शब्बीर फिलहाल प्रोडक्शन में भी सक्रिय हैं। उनके प्रोडक्शन में बनी वेब सीरीज कर्मा कालिंग हाल ही में डिज्नी प्लस हाटस्टार पर प्रदर्शित हुई। ताहिर बताते हैं, 'एक ही बार मेरी जिंदगी में ऐसा हुआ है, जब मैंने सिर्फ अपने निर्णय को सही बताया था। जब मैंने तय किया था कि मैं सिनेमा में जाऊंगा, तब मैं सिर्फ 15-16 साल का था। मेरे अब्बा की मिठाई की दुकान है। तब मैं उस कगार पर खड़ा था कि मुझे वो चलाना है या कुछ और करना है। तब मैंने परिवार के सामने निर्णय लिया था कि मुझे यही (सिनेमा) करना है। उसके बाद तो मैं हमेशा से साथ मिलकर काम करने वाला इंसान रहा हूं। मेरा दोस्त है आशुतोष शाह, मैं उससे कालेज में मिला था। 17 साल से अभी तक हम साथ में हैं। हमने साथ में लिखा, निर्देशित किया, अब साथ में ही प्रोडक्शन कंपनी चलाते हैं। उसके बाद हमें इसी रास्ते में हमारी तीसरी साथी रुचि नारायण (निर्देशिका) मिल गई।

अभिनय के साथ प्रोडक्शन में भी सक्रिय हैं ताहिर। (इंस्टाग्राम) @itstahershabbir

...इसलिए डांस रियलिटी शो को जज करने के लिए तैयार हुए सुनील

कमजोरियों का ताकत बनाने का निर्णय लेना कई बार आसान नहीं होता अभिनेता सुनील शेट्टी भी, जब उन्हें डांस रियलिटी शो डांस दीवाने को जज करने का आफर आया। सुनील की छवि हिंदी फिल्मों में एक्शन हीरो की रही है। डांस को लेकर वह कभी सहज नहीं रहे हैं। उन्होंने कई बार डांस में अपनी असहता को लेकर बात भी की है। ऐसे में उन्हें डांस दीवाने शो में जज बनने के लिए तैयार करना आसान नहीं रहा। अपनी मां के कहने पर सुनील इस डांस रियलिटी शो को जज करने के लिए तैयार हुए। सुनील कहते हैं कि जज बनना मेरे सबसे अच्छे फैसलों में से एक है। मेरी मां ने भी ऐसा कहा, क्योंकि उन्हें यह शो बहुत पसंद है। मेरी पत्नी, बेटी, बेटे और दोस्तों ने भी कहा कि इस शो का हिस्सा बनो। हालांकि, शुरुआत में मुझे इस फैसले पर संदेह था। जब शो की टीम मेरे पास आई, तो मैंने पहले यही पूछा कि मैं ही क्यों। मुझे लगता है कि मैं देश का सबसे खराब डांसर हूं। टीम ने बताया कि वे इस शो के साथ इस सोच को बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आप बस जो डांस पसंद आए, उसके बारे में अच्छी बात कहें। यह सुनकर मैं सहज हो गया। मुझे खुशी है कि मैंने इस बदलाव को अपनाया है। डांस दीवाने शो तीन फरवरी से कलर्स चैनल पर प्रसारित होगा।

पहली बार रियलिटी शो में जज बने हैं सुनील। (इंस्टाग्राम)@ suniel .shetty

बिना सेट के की फुले की शूटिंग

पीरियड फिल्मों के निर्माण में फिल्मकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती सब कुछ उसी दौर के हिसाब से दिखाना होता है। इसके लिए वह सेट, कास्ट्यूम, मेकअप आदि का सहारा लेते हैं। अभिनेता और फिल्मकार अनंत महादेवन ने साल 2022 में महान समाजसेवी ज्योतिराव फुले की बायोपिक फिल्म फुले की घोषणा की थी। यह फिल्म अब 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। पीरियड फिल्म होने के पश्चात भी अनंत ने इस फिल्म की शूटिंग बिना किसी सेट के की है। इस बारे में वह बताते हैं, 'फुले मेरी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। हमने महाराष्ट्र में कुछ ऐसे स्थानों को खोज लिया था, जो वर्ष 1860 के दौर में भी थे। इसलिए हमें किसी कृत्रिम सेट की स्थापना करने की जरूरत नहीं पड़ी।' फिल्म में अभिनेता प्रतीक गांधी ज्योतिराव फुले तथा अभिनेत्री पत्रलेखा उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले की भूमिका में हैं। अनंत कहते हैं, 'प्रतीक और पत्रलेखा जैसे ही कास्ट्यूम में हमारे सामने आए तो वह ठीक उसी तरह लग रहे थे, जैसा हमने ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले को तस्वीरों में देखा है।'

फुले के निर्देशक हैं अनंत ● इंस्टाग्राम

चौथी वेब सीरीज के लिए तैयार तमन्ना

डिजिटल प्लेटफार्म के लंबे प्रारूप में कलाकारों को अपनी भूमिकाओं में खुलकर खेलने का मौका मिलता है। फिल्म बाहुबली फेम अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने 2021 में प्रदर्शित वेब सीरीज नवंबर स्टोरी से डिजिटल प्लेटफार्म पर कदम रखा था। अब लगता है कि उन्हें डिजिटल प्लेटफार्म पर मिल रही स्वतंत्रता और मौके भा गए हैं। अब वह जल्द ही अपनी तीसरी वेब सीरीज की शूटिंग करने जा रही हैं। तमन्ना के करीबी सूत्रों के अनुसार, उन्होंने डिजिटल प्लेटफार्म के लिए स्थापित फिल्मकार करण जौहर की प्रोडक्शन कंपनी धर्मेटिक एंटरटेनमेंट के अंतर्गत बन रही एक और वेब सीरीज साइन की है। इस ड्रामेडी (ड्रामा और कामेडी) वेब सीरीज में दो अभिनेत्रियां केंद्रीय भूमिका में होंगी। शो की कहानी व्यवसायी बनने की इच्छुक दो महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। निर्माताओं ने एक केंद्रीय भूमिका में तमन्ना को साइन किया है, जबकि दूसरी के लिए कास्टिंग प्रक्रिया चल रही है। अमेजन प्राइम वीडियो के लिए बन रहे इस शो का निर्देशन अचिंत कुमार करेंगे।

<< हिंदी और दक्षिण भारतीय सिनेमा के बीच संतुलन बनाकर चल रही हैं तमन्ना ● मिडडे आर्काइव

शांति के लिए पहाड़ों में चली जाती हूं : मीरा चोपड़ा

आगामी दिनों में कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म में नजर आएंगी मीरा। (इंस्टाग्राम)@meerachopra

हर किसी का अपना सफर होता है, फिर चाहे वह आउटसाइडर हो या स्टार किड। हर कोई अपने लिए बेहतर मौकों की तलाश में भाग-दौड़ कर रहा है। कई बार यह प्रक्रिया थकावट भरी हो जाती है। ऐसे में शांति पाने के लिए कलाकार अपने-अपने तरीके अपनाते हैं। सेक्शन 375 फिल्म की अभिनेत्री मीरा चोपड़ा शांति के लिए पहाड़ों में चली जाती हैं। मीरा कहती हैं कि कलाकार में जो ठहराव चाहिए, वह मुझमें हमेशा से रहा है। मैं शहरी लड़की हूं, लेकिन कई बार यहां की भीड़ से परेशान हो जाती हूं। मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री में काम करती हूं, लेकिन कई बार यहां से भागने का मन करता है। मैं पहाड़ों में चली जाती हूं, जहां मुझे शांति मिलती है। मुझे अपने आसपास बहुत लोग पसंद नहीं है। मैं हमेशा लोगों से कहती हूं कि मुझे पहाड़ों में जाकर बसना है। लोग मुझे कहते हैं कि तुम वहां पर नहीं रह पाओगी। लेकिन मुझे पता है कि मैं रह लूंगी, क्योंकि मैं इस ग्लैमरस इंडस्ट्री के शोरशराबे से दूर शांतिदायक जीवन बिताना पसंद करती हूं। इस इंडस्ट्री में मेरे दोस्त भी कम ही हैं।इस इंडस्ट्री में दोस्त बनाना भी बहुत कठिन है। आगामी दिनों में मीरा कोर्ट रूम ड्रामा और सुपर वुमन फिल्म में नजर आएंगी।

...तो इसलिए फिल्म नहीं बन सकती थी हीरा मंडी

अक्सर फिल्मकार और कलाकार कहते हैं कि लार्जर देन लाइफ वाली कहानियों को देखने का मजा बड़े पर्दे पर आता है। हालांकि डिजिटल प्लेटफार्म के दौर में अब वह कहानियां बड़े पर्दे के साथ इस पर भी अपने लिए जगह तलाश ले रही हैं। तभी तो अपनी पहली वेब सीरीज के साथ फिल्मकार संजय लीला भंसाली भी तैयार हैं। हीरा मंडी उनकी पहली वेब सीरीज है, जिसके साथ उन्होंने डिजिटल प्लेटफार्म पर अपना सफर शुरू किया है। हीरा मंडी की कहानी कई वर्षों से संजय के पास थी, लेकिन वह इस पर फिल्म नहीं बना पा रहे थे, क्योंकि इसकी कहानी को फिल्म में समेटना आसान नहीं था। लेकिन इसे वेब सीरीज फार्मेट में लाने का यह एक अकेला कारण नहीं है। नेटफ्लिक्स इंडिया में कंटेंट उपाध्यक्ष मोनिका शेरगिल ने बताया, 'हम संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहते थे। वह भारत की तरफ से अच्छी कहानियां दुनिया के सामने वेब सीरीज फार्मेट में लाना चाहते हैं। हम इसे फिल्म के तौर पर भी बना सकते थे। लेकिन भंसाली की फिल्में लोग थिएटर में देखना चाहते हैं। डिजिटल प्लेटफार्म के लिए सीरीज ही बन सकती थी। पीरियड ड्रामा वेब सीरीज हीरा मंडी बहुत कमाल का बना है। एक नए सफर पर दर्शकों को लेकर जाएगा। जल्दी ही इसकी रिलीज तारीख की घोषणा करेंगे।'

हीरा मंडी में सोनाक्षी संग हैं कई अभिनेत्रियां ● मिडडे >>

****